RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 December, 2019

अंक - 6 ( मासिक ) वर्ष - 15 दिसम्बर, 2019 मूल्य 20/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

# श्री माहेश्वरी टाईम्स

## अ.भा. माहेश्वरी महासभा चुनाव सत्र 29

## 22 दिसम्बर 2019

# बिछी बिसात

## किसकी शह और किसकी मात ?

वैवाहिक डायरेक्टी
श्री माहेश्वरी मेलापक 2019
बॉयोडाटा का प्रकाशन प्रारंभ

Visit us @ www.srimaheshwaritimes.com

RR KĀBEL

MAKE THE
RIGHT CHOICE
FOR YOUR HOME

DO THE
AKALMAND
THING!

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

**R R KABEL LTD. Regd. Office :** Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013.
**T** : +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F** : +91 - 22 - 2491 2586 • **E** : mumbai.rrkabel@rrglobal.in
**Corp. Office** : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007.
**T** : +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F** : +91 - 265 - 2321 894 • **E** : vadodara.rrkabel@rrglobal.in
**www.rrkabel.com • www.rrglobal.in**

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

# श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-6 ▸▸ दिसम्बर, 2019 ▸▸ वर्ष-15

प्रेरणास्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री रामकुमार टावरी (नईदिल्ली)

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

अतिथि सम्पादक
रामानन्द काबरा (जोधपुर)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
■ PNB A/c. No. : 0459002100043471
IFSC- PUNB0045900
■ ICICI A/c. No. : 030005001198
IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

विचार क्रान्ति

## ये 'राजलक्ष्मी' नहीं रहेगी !

लक्ष्मी का अर्थ केवल धन-संपदा ही नहीं है, पद-प्रतिष्ठा भी है। यही राजलक्ष्मी कही जाती है। कोई व्यक्ति जब तक न्यायपूर्वक आचरण करता हुआ किसी समाज या संगठन का नेतृत्व करता है तब तक उसकी राजलक्ष्मी स्थिर रहती है लेकिन जैसे ही पदासीन व्यक्ति लोभ, कामना या अहंकार में पड़कर निरंकुश हो जाता है, लक्ष्मी उसे त्याग देती है।

महाभारत के शांतिपर्व में 223 वें अध्याय से अगले पाँच अध्यायों में बलि-इंद्र तथा इंद्र-लक्ष्मी सम्वादों में इसकी सुंदर कथा है। इसके अनुसार दैत्यराज बलि एक समय परम् तेजस्वी थे। उनका प्रभाव देवताओं से भी अधिक था। तब वे यज्ञ करते थे और कर्तव्य भाव से प्रजापालन करते थे लेकिन समय के फेर से उन पर मोह छा गया। बलि ने सब लोगों को आदेश दिया कि 'तुम सब मेरा ही यजन करो!'

यह अहंकार की पराकाष्ठा थी। परिणाम यह हुआ कि कभी जिन बलि के कुपित होने पर सारा जगत व्यथित हो उठता था उनका पतन हो गया। उनकी राजलक्ष्मी उन्हें त्याग कर देवराज इंद्र के पास आ गई। कथा कहती है तब उन्हें दुर्दशा ग्रस्त देख एक दिन इंद्र ने उनका उपहास किया तब बलि ने समझाया कि...

**मैवं शक्र पुनः कार्षीः शान्तो भवितुर्महसि।**
**त्वामप्येवंविधं ज्ञात्वा क्षिप्रमन्यं गमिष्यति।।**

'इंद्र! फिर तुम ऐसा बर्ताव न करना। शांति धारण करो। ऐसा न हो कि तुम्हें भी मेरी स्थिति में जानकर यह लक्ष्मी शीघ्र ही किसी दूसरे के पास चली जाए।'

बलि ने इंद्र को चेताया कि व्यवहार ठीक रखे। इसलिए कि कुछ भी पाकर स्वयं को ही 'सर्वशक्तिमान' समझ लेने वालों को 'राजलक्ष्मी' त्याग देती है। पद पर बैठे हर व्यक्ति को नहीं भूलना चाहिए कि 'परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है।' जो आज हैं, वह कल नहीं होगा। ठीक वैसे ही जैसे कभी दैत्यराज बलि के पास रहने वाली राजलक्ष्मी उन्हें त्यागकर देवराज इंद्र के पास आ गई थी।

जब इंद्र ने पूछा कि देवी! आप मेरे पास कब तक रहेंगी? तब लक्ष्मीजी ने उत्तर दिया, 'जब तक तुम सत्यपरायण और कर्तव्यनिष्ठ हो तब तक साथ हूँ। इसलिए कि जो पद के लोभ व मोह में पड़कर लोकहित बिसरा देता है तथा स्वयं को ही स्वयंभू समझने लगता है, उसे मैं उसी तरह छोड़ देती हूं जैसे राजा बलि को छोड़ दिया। ● डॉ. विवेक चौरसिया

# सम्पादकीय

## कही-अनकही...

समाज का गौरव हमारा शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा अपने 28वें सत्रीय कार्यकाल को पूर्ण कर रहा है और 29वें सत्र का आगाज होने वाला है। यह वास्तव में अत्यंत प्रसन्नता का विषय भी है, क्योंकि सत्रों की यह वृद्धि इसके प्रति समाज के समर्पण, समर्थन व विश्वास को भी प्रकट करती है। अन्यथा किसी भी सामाजिक संगठन के लिये इतनी दीर्घ अवधि तक टिके रहना आसान नहीं होता। लेकिन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 29 वें सत्र के चुनाव की इस बेला में बहुत कुछ ऐसा घट रहा है, जिसे ''कहीं-अनकही'' टाइटल दिया जा सकता है। वस्तुतः यही वह मौका होता है, जब समाजजन मौजूदा पदाधिकारियों के कार्यकाल का आंकलन करते हैं और नए दावेदारों के 'पर' भी तोलते हैं। चुनाव को लेकर सर्वानुमति की परम्परा खड़ी करने वालों के सामने आज यदि मतदान पद्धति की चुनौती आ खड़ी हुई है, तो निश्चित तौर से यह मुद्दा सभी के लिए चिंतन का केंद्रबिंदु हो सकता है।

पिछले चुनावों में सर्वानुमति का पक्ष लेकर नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया था। सबसे बड़ा तर्क था, इससे प्रत्यक्ष चुनाव से उत्पन्न होने वाली कटुता मिटेगी। ऐसा हुआ भी, सर्वानुमति के आगे कई दावेदारों ने अपनी दावेदारी को वापस ले लिया। यह उनका समर्पण समाज के लिए त्याग की श्रेणी में रखा गया। सराहना भी हुई, लेकिन अब वे ही सब सर्वानुमति के खिलाफ झंडा लेकर खड़े हो गए हैं। ऐसे मे सर्वानुमति का फायदा लेकर पदों पर आए लोगों को विचार करना होगा कि कहां चूक हुई है? सामाजिक संगठनों की सफलता की नींव ही त्याग, सेवा, समर्पण, और विश्वास पर टिकी होती है। यदि यह नींव ही हिल जाए तो संगठन की मजबूती को खतरा उत्पन्न होना लाजमी है और शायद समाज के लिए त्याग करने वालों को यह कदापि मंजूर नहीं होना चाहिए कि जिस संगठन से समाज का मस्तक ऊंचा होता है, उसकी दीवारें ही हिलने लगे। उन्हें थामने के लिए हाथ उठना जरूरी भी है। मुंबई में हुई सेवा संकल्प टीम की बैठक इस मायने में बहुत कुछ 'कही-अनकही' कह गई। बैठक में उठे मुद्दों पर समाज को गौर करना चाहिए और इस नई टीम के 'दावों की तुला' पर इनकी ताकत को भी तोलना चाहिए। संभवतः इसी मंथन से 'अमृत' और 'विष' दोनों बाहर आएंगे। यही मंथन समाज संगठन को नई दिशा भी देगा। चुनाव को लेकर यदि आज सर्वानुमति की जगह प्रत्यक्ष मतदान की स्थिति बनी है, तो समाज संगठन फिर उस दोराहे पर खड़ा है, जहां से उसे उस रास्ते को चुनना है, जो संगठन को मंजिल की ओर ले जाए।

श्री माहेश्वरी टाईम्स ने इस मुद्दे पर 'मत-सम्मत' भी प्रस्तुत किया हैं। पाठकों को समाज के वरिष्ठों की राय भी जानने को मिलेगी और चुनावी रण के योद्धाओं की प्रतिक्रियाएं भी। हमारा यही कहना है कि यह चुनाव आपसी विद्वेष और मतांतर की कलुषित छाया से दूर सौहार्द्र और सेवा के भावों को परिलक्षित करें, यह प्रयास हर किसी को करना चाहिए। इस अंक में चुनाव से जुड़े अनेक पहलुओं को भी उठाया गया है। जो सवाल खड़े हुए हैं उनके उत्तरों की प्रतीक्षा भी मतदाताओं को है। वर्ष 2019 भी समाप्ति की ओर है और नये वर्ष 2020 का आगाज होने वाला है। इस पावन बेला में अपनी परम्परानुसार श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज के ऐसे विशिष्ट प्रतिभावान समाजजनों को ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2019'' से सम्मानित करने जा रही है, जो समाज का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। यदि आपकी जानकारी में भी समाजसेवा, उद्यम, शिक्षा, विशिष्ट सेवा, खेल आदि में उपलब्धि प्राप्त ऐसे समाजजन हों, तो हमें जानकारी अवश्य प्रेषित करें।

अब अंक की बात कर लें। चुनाव के बाद यह अंक अन्य सभी स्थायी स्तंभों के साथ प्रस्तुत है। विविध-विषयों पर ज्ञानवर्द्धक, आलेख और अन्य पठनीय सामग्री आप पाएंगे। इस अंक को लेकर अपनी प्रतिक्रिया से हमें अवगत कराना न भूलें।

**पुष्कर बाहेती**
सम्पादक

## अतिथि सम्पादकीय

*गत 35 वर्षों से जोधपुर में निवास कर रहे श्री रामानंद काबरा का जन्म 15 फरवरी 1963 को मेड़ता सिटी (राजस्थान) में हुआ था। श्री काबरा की पहचान समाज में एक समाजहित के चिंतन, समर्पित समाजसेवी के साथ ही प्रखर लेखक के रूप में भी है। व्यावसायिक रूप से आप लुब्रीकेटिंग ऑइल उत्पादन उद्योग का संचालन कर रहे हैं। समाजसेवा के क्षेत्र में श्री काबरा लंबे समय तक युवा संगठन से सम्बद्ध रहे हैं और जिन पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई, आपने बखूब निभाई। अखंड राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री भी रहे। वर्तमान में आप 'ऑल इंडिया माहेश्वरी सेंटर फॉर एक्सीलेंस' नामक समाजसेवी संस्था के राष्ट्रीय सचिव हैं। इसके माध्यम से युवाओं में चेतना व उत्साह का संचार करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। आप इसके अंतर्गत 14 से 18 वर्ष तक के किशोरों के लिये 'नींव का निर्माण' तथा 18 से 30 वर्ष के युवाओं के लिए 'हौंसले की उड़ान' कार्यक्रम आयोजित करते हैं। पारिवारिक रिश्तों पर आधारित कार्यक्रम 'रिश्तों का उपवन' जगह-जगह खूब सराहा गया। संस्था द्वारा युवाओं के लिए औद्योगिक भ्रमण तथा इंटरनेशनल ट्रेड फेयर भ्रमण का आयोजन करवाया। प्रोफेशनल युवक-युवतियों के साथ प्रथम बार पुष्कर में विधवा-विधुर एवं परित्यक्ताओं के परिचय सम्मेलन का आयोजन करने का श्रेय भी आपको जाता है। साहित्य में आपकी कविताएँ एवम् लघु कथाएं विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रहती है। आप मूलरूप से रूढ़िगत परम्पराओं से विद्रोह एवम् उस पर प्रखर आवाज आपकी विशेष पहचान है। आप एक सुविख्यात वक्ता हैं।*

# 'वस्तु' नहीं 'व्यक्ति' का निर्माण हो प्राथमिकता।

जोधपुर महाअधिवेशन की विशाल छाया में 28वां सत्र समापन की ओर अग्रसर है, चुनाव सिर पर हैं। अब कार्यकारिणी सदस्यों व अन्य समस्त मताधिकार संपन्न लोगों का यह दायित्व है कि हम दोबारा किसे चुनें? यद्यपि वर्तमान पदासीन विगत चुनावों में इसी समझौते से निर्विरोध चयनित हुए थे कि समाज की एकरसता, एकता एवं परस्पर सद्भावना बनी रहे। इसमें मध्यस्तता करने वाले तमाम समाज के श्रेष्ठीजनों ने इस बात को स्वीकार किया कि हमने रामवतार जाजू को पिछले चुनाव में समझाकर और समाज की एकता के मद्देनजर चुनाव नहीं लड़ने हेतु मनाया और उन्होंने एक निष्ठावान सैनिक की तरह इस बात को माना तथा अपना नाम वापस ले लिया। इस बार जब यह बात सत्तानशीनों को याद दिलाई, तो उन्होंने इंकार कर दिया और कहा ऐसी बात ही नहीं हुई। जबकि इस बात की तस्दीक आदरणीय जोधराज जी, आदरणीय बंशीलाल जी ने भी की। सवाल यह नहीं है कि वो अपना वादा क्यों भूल रहे हैं? सवाल यह है कि समाज की जिन बात को ध्यान में रख पिछली बार जो निर्विरोध निर्वाचित हो गए, वो फिर क्यों वापस आना चाहते हैं? फिर चुनाव लड़कर उस कुर्सी पर आने की महत्वाकांक्षा का अर्थ तो पिछली बार जिन लोगों ने त्याग किया, उनके साथ धोखा है, समाज के साथ धोखा है।

आइये, अब हम इस सत्र की उपलब्धियों को सत्य की कसौटी पर भी परख लें। इस सत्र की महान उपलब्धियां क्या गिनाई जा रही हैं, माहेश्वरी कार्यालय का नवीनीकरण? महासभा के मुखपत्र की संख्या का दोगुना होना? बैठकों में माला उपहार का त्याग? प्री-वेडिंग शूटिंग पर पाबंदी? कन्या होने पर घरों में ढोल बजाना, हर्षोल्लास व्यक्त करना? और इको-सोश्यल सर्वेक्षण? ट्रस्टों की चर्चा नहीं करना चाहूंगा क्योंकि वो आज सत्ता हथियाने का बड़ा हथियार बन गए हैं? मेरा यह कहना है, 21वीं सदी की जो चुनौतियां हैं, उसको देखते हुए यह कार्य और एजेंडा पर्याप्त नहीं है। अभी अधिवेशन को लेकर भी झूठ परोसा गया है। कहा जा रहा है, 40 हजार लोगों ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया, जबकि वो संख्या महज 10872 है। मतलब झूठ का भी लेवल होता होगा। हम कहते हैं, 5 करोड़ रुपए बचाए गए। 5 करोड़ के चेक कौन-कौन से ट्रस्ट में डाले गए, इसकी रिपोर्ट कोई नहीं देता। यही स्थिति जनगणना की है, अधिकांश डाटा गलत है। मुंबई की जनगणना में 10 घर में महज एक महिला है?

हमारी असली पीड़ा क्या है? क्या उसकी नब्ज है, महासभा के पास? हम जिन छात्रावासों के माध्यम से शिक्षा में आगे निकलना चाहते हैं, यह निश्चित ही साधुवाद के योग्य है। लेकिन यह प्रतिशत 7-8 से ज्यादा नहीं है, और हमारे शेष 92-93 प्रतिशत युवा के लिए कोई योजना नहीं है? उनको आगे ले जा सकने की, उनके वर्तमान व्यवसाय को बचा पाने की कोई सोच नहीं है। ग्राम, देहात, कस्बे के हालात बहुत खराब हैं, न विकास का सूर्य उनकी चौखट चूमता है, न रिश्तों को लेकर कोई बाप दस्तक देता है। और जो कुछ है, भाइयों में बंटने की स्थिति में परिवार के प्यार-एकता का तानाबाना भी छिन-भिन्न हो रहा है। मैं इस बात को शिद्दत से कहना चाहूंगा कि हमारी बैठकों का समय अधिकांशतः जनगणना और संविधान संशोधन में समाप्त हो जाता है। संविधान की चर्चा तो इस तरह होती है, जैसे देश में लोकसभा चल रही है। दूरदराज के क्षेत्रों में रह रहे परिवारों की दहलीज पर दीप कैसे जल सकें, व्यवस्था करनी है। हमारे कुंद हो रहे हौसले को उड़ान के नए क्षितिज देने हैं? संपूर्ण समाजों में हमारी महाजन होने की जो पहचान लुप्त हो रही है, उसे ढूंढकर लाना है। और यह असंभव नहीं है-अभी अवसर है। हमारे एक मत का सही उपयोग एक सही व्यक्ति का चयन करवा सकता है।

**रामानंद काबरा,** जोधपुर
**अतिथि सम्पादक**

With Best Compliments from

Happy Deewali

Tirumala
Venkateshwara Paper & Board Pvt. Ltd.

MANUFACTURE OF TEST LINER

# TIRUMALA VENKATESHWARA PAPER & BOARD PVT. LTD.

KRAFT PAPER MANUFACTURERS

**Purshottam Gandhi**
**9849592243**

**Manoj Gandhi**
**99890-24275**

**Vivek Gandhi**
**9849024275**

**Factory :**
Sy.No. 50/A, Vill : Andugulpeta, Mdl: Mandamari, Dist: Adilabad-504831 (T.S.) India
**Tel:** 08736-201200, **Email :** tirumalapaper @gmail.com

**Regd. Office :**
Devdarshan, Enclave, Banglow No. 14, Near Diamont Point,
Sikh Village, Secunderabad- 500011,
**Tel :** 40-27750159, **E-mail :** manojgandhi24275@gmail.com

# श्री सुजासन माता

टीम SMT

**श्री सुजासन माता झंवर (खड) व गायल खाँप की कुलदेवी हैं।**

श्री सुजासन माता का मंदिर जोधपुर के पास है। यह मंदिर पुराना था, जिसका समाज के लोगों ने जीर्णोद्धार किया है। खड झंवर की कुलमाता श्री सुजासन माता का मंदिर कहाँ है, उसका पता लगाने की काफी कोशिश जलगाँव के स्व. शंकरलालजी झंवर ने सन् 1971 में पूरे राजस्थान में घुमकर एवं जागाओं से संपर्क कर की। किन्तु कहीं पर भी खड झंवर की कुलमाता श्री सुजासन माता का मंदिर नहीं मिला। केवल इतनी जानकारी मिली कि, खड़ झंवर की उत्पत्ति परबतसर जि. नागौर से हुई है। इसके बाद स्व. श्री झंवर ने परबतसर में माताजी का मंदिर बनाने का निश्चय किया तथा परबतसर के ही स्व. श्री फूलचंद झंवर से संपर्क कर वहाँ के तालाब के पास 1973 में मंदिर बनाया। जयपुर से मूर्ति बनवाकर 1973 के नवरात्रि पर्व में प्राणप्रतिष्ठा की। जागाओं से खड झंवर भाइयों के पते प्राप्त कर उन्हें निमंत्रण भेजा गया। देश के कलकत्ता, सिहोर, पिपरीया, भिलवाड़ा, कुचामन, जलगाँव, विजयनगर, मालेगाँव व संगमनेर, इंदौर इत्यादि कई जगह से लगभग 1000 भाइयों ने प्राण-प्रतिष्ठा में भाग लिया। मंदिर से रोज की पूजा अर्चना, वहीं के श्री रामस्वरूप पोरख करते हैं। पहले उनके पिताजी ध्यान देते थे। मंदिर बने लगभग 35 साल हो गये हैं। अब इसे रिपेअर करना आवश्यक हो गया है। साथ ही मंदिर के सामने भजन-कीर्तन के लिये हॉल बनाना भी जरूरी है। इसके लिये लगभग 3 से 4 लाख रुपये के खर्च की आवश्यकता हो सकती है। इसकी सारी जिम्मेदारी झंवर मंदिर विकास समिति वहन कर रही है।

*With Best Compliments From*

# Your Preferred Packaging Solutions Provider

A wide range of

## Corrugated Cartons

&

## Die punching items

For all of your needs

## Sanx Corropackaging Private Limited

Address : 14-6-407/a, First floor, Begum Bazar,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500012
Contact : 9666675008, 9666674008
Email : info@sanxcorropackaging.com

**With Best compliments from**
**Vijayshri Agro Chemicals Private Limited, Hyderabad**

## अ.भा. माहेश्वरी महासभा चुनाव सत्र-29

# 'सेवा संकल्प टीम' ने किया परिवर्तन का उद्घोष

### महासभा के चुनावों की सरगर्मी तेज- समाज की कई हस्तियाँ परिवर्तन की सोच में हुई एकजुट

**मुंबई।** अ.भा. माहेश्वरी महासभा के चुनाव जैसे-जैसे निकट आ रहे हैं, वैसे-वैसे चुनावी सरगर्मी तेज होती जा रही है। इस तैयारी के अंतर्गत सभापति पद के प्रत्याशी रामअवतार जाजू की समर्थित ''सेवा संकल्प टीम'' ने परिवर्तन की सोच के साथ व्यापक जन संपर्क किया। उनके इस जनसंपर्क का असर समाज के कई प्रभावशाली लोगों के समर्थन के रूप में मुंबई में आयोजित एक चुनावी सभा में भी दिखाई दिया।

गत 20 नवम्बर को टीम सेवा संकल्प की चुनावी बैठक अंधेरी स्थित माहेश्वरी भवन मुंबई में आयोजित की गई। इसमें पूरे भारतवर्ष से आए हुए समाज के प्रबुद्ध व्यक्तियों ने 400 लोगों से खचाखच भरे हॉल में सभा को संबोधित किया। मंच पर सुशोभित हस्तियों में आरआर ग्रुप के संस्थापक बापूजी पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा, पद्मश्री बंसीलाल राठी, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, आनंद राठी ग्रुप के चेयरमैन आनंद राठी, पूर्व महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रामअवतार जाजू, श्यामसुंदर मंत्री, अर्थ मंत्री पद के प्रत्याशी माणिकचंद काबरा, संगठन मंत्री पद के प्रत्याशी कमल भूतड़ा आदि ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का कुशल संचालन सीए सुशील माहेश्वरी व अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष शोभा सादानी ने किया।

#### सेवा के संकल्पों के साथ टीम तैयार

माहेश्वरी समाज को एक नई दिशा देने के लिए अपने कार्यक्रमों की रूपरेखा के साथ कमल भूतड़ा ने सभा की शुरुआत की। पूर्व सभापति जोधराज लड्ढा की अनुपस्थिति में उनके पुत्र अरुण लड्ढा ने उनका लिखित संदेश पढ़ा। इस अवसर पर सभी प्रत्याशियों ने अपने विगत कार्यकाल एवं सामाजिक जीवन की सक्रियता का उल्लेख करते हुए आगामी कार्यकाल हेतु अपनी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। समाज की आवश्यकताओं वर्किंग वुमन होस्टल, माहेश्वरी स्पोर्ट्स अकादमी, स्टार्टअप के लिए वेंचर्स केपिटल फंड, दिल्ली में गेस्ट हाउस के साथ ही समाज के तीनों संगठनों को कार्यालय की स्थापना पर विशेष जोर दिया गया। उपस्थित समाज बंधुओं ने अपनी जिज्ञासाएं एवं विचार भी समक्ष रखे, जिन पर चर्चा हुई। उपस्थित समाजबंधुओं ने कहा कि माहेश्वरी समाज उदारवादी और प्रबुद्ध लोगों का समाज है। हमें अपनी सामाजिक मर्यादा, सामाजिक सम्मान, आपसी गरिमा, आपसी सौहार्द किसी भी स्थिति में भंग ना हो, इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए। साथ ही एक ऐसी टीम का गठन भी किया जाना चाहिए जो संगठन में चुनाव पूर्व किए गए वायदे नहीं पूरे किए जाने पर उचित कार्यवाही कर सके।

## कई गणमान्यजनों ने किया संबोधित

पद्मश्री बापूजी रामेश्वरलाल काबरा की अध्यक्षता में यह सभा सम्पन्न हुई। श्री काबरा के अभिभाषण में भी समाज की वर्तमान स्थिति पर काफी रोष दिखा। सभापति पद के प्रत्याशी रामअवतार जाजू ने कहा कि उनकी टीम सेवा संकल्प का ध्येय सबका साथ सबका विकास के साथ-साथ सबका विश्वास है। उन्होंने एक नया सूत्र दिया है कि समाज में संगठन के ऊपर एक ऐसी टीम का गठन हो जो कि हमारे किये गए वादे पूरे ना करने की दशा में हमें भी बाहर का रास्ता दिखा सके। ऐसी टीम में पूरे भारतवर्ष का प्रतिनिधित्व हो। कार्यसमिति के सदस्यों के लिए खुला मंच, माहेश्वरी आवास योजना, संस्कारों और युवा के लिए वेंचर कैपिटल फंड का निर्माण करना आदि भी उनकी भावी योजनाओं में प्रमुख रूप से शामिल है। समाज के अनेक प्रबुद्ध वक्ताओं रमेश बंग, अनिल मानधनी, प्रदीप बाहेती, विनोद अजमेरा, त्रिभुवन काबरा, रमाकांत बाल्दी, बाबूलाल मोहता, एसएन चांडक, गजानंद राठी, मदनलाल मालपानी, रविंद्र राठी, रमेश मर्दा, गोपाल छापरवाल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये। माणकचंद काबरा ने आभार व्यक्त किया।

# सभी के उद्‌बोधन में परिवर्तन के सुर

### इस बार जाजू को अवसर मिलना था

महासभा के 28 वें सत्र के निर्वाचन में सर्व सम्मति बनाने के लिये के समन्वय समिति बनी थी, उसमें मैं शामिल था। मैं हमेशा से ही चुनाव की जगह मनोनयन का पक्षधर रहा हूँ। कारण यह है कि चुनावों से समाज में कटुता बढ़ती है। समन्वय समिति के सभी साथियों ने सर्वसम्मति के लिये दोनों पक्षों को समझाया। इसमें रामअवतार जाजू ने मेरी बात का सम्मान करते हुए समाजहित में अपना नाम वापस ले लिया। हमने उनके इस त्याग का सम्मान करते हुए उन्हें आगामी सत्र में अवसर देने का आश्वासन दिया था। वैसे भी समाज में नये समाजसेवियों को अवसर देने की परम्परा है और समाजहित में भी यहीं रहता है। ऐसे मे श्री जाजू को इस बार अवसर दिया जाना चाहिये था। अब चुनाव हो रहे हैं, तो हमारा आशीर्वाद इनके साथ है।

**- पद्मश्री बंशीलाल राठी**
पूर्व सभापति - अ.भा. माहेश्वरी महासभा

### समाज की एकता के लिये थी सर्वसम्मति

हमने गत सत्र में महासभा के वर्तमान नेतृत्व को समाजहित व एकता के लिये सर्वसम्मति से चयनित करवाया लेकिन हुआ उल्टा। इनके कारण आज समाज बिखर रहा है। पद की लालसा में जो वोटर हमारा नहीं उसका नाम काट दें और जो वोटर हमारा उसका नाम जोड़ दें, वाली नीति अपनाई जा रही है। श्री रामपाल सोनी व मेरे महामंत्री काल वाले सत्र में हमने दिल्ली में समाज के प्रधान कार्यालय की रूपरेखा तय की थी लेकिन इन्होंने उसे भी पूर्ण नहीं होने दिया।

**- रामकुमार भूतड़ा,**
पूर्व महामंत्री अ.भा माहेश्वरी महासभा

### जो बोलते हैं वह करेंगे

हमें विश्वास है कि यह नई टीम जो बोलती है, वह करके भी दिखाऐगी। इस टीम का लक्ष्य सभी को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। सभी की भावनाओं का निश्चय ही सम्मान होगा।

**- आनंद राठी,** मुंबई

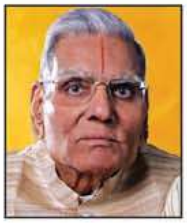

### पुन: खड़े होना ऐतिहासिक घटना

चुनाव तो रेलगाड़ी की तरह है, आता है जाता है। पर सामाजिक मर्यादा, आपसी सौहार्द, समाज की गरिमा किसी भी कीमत पर भंग नहीं होनी चाहिए। चयन होना चाहिए लेकिन पारदर्शिता के साथ। 28 वें सत्र के चयन से आये सभी पदाधिकारियों का पुनः चुनाव में खड़े होना महासभा के इतिहास की अभूतपूर्व घटना है। मार्मिक शब्दों में उन्होंने कहा कि पद से बड़ा कद होता है। पद कुछ समय साथ रहता है, लेकिन कद जीवन पर्यन्त आपके व्यक्तित्व का आईना होता है।

**- पद्मश्री रामेश्वरलाल काबरा**

### नये लोगों को मिले मौका

राजनीति में तो उल्टा-पुल्टा चलता है, पर समाज में ऐसा नहीं होना चाहिए। बड़े दुःख की बात है कि समाज में यह कुरीति पनपने लगी है। माहेश्वरी समाज उदारवादी और प्रबुद्ध समाज है। कार्यकाल की समाप्ति पर नए लोगों को काम करने का मौका देकर पुराने लोगों को नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हुए समाज की तरक्की के लिए तैयार करना चाहिए।

**- श्याम जाजू,** राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा

### स्वजनित ट्रस्टों को दी छूट

महासभा द्वारा कारवाया गया सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण वास्तव में कितना गलत है, इसका उदाहरण 1 लाख से कम आय वाले परिवारों की संख्या 1700 दर्शाना है। जबकि 170 ऐसे परिवार ढूंढना भी मुश्किल है। आखिर 10 हजार रुपये से कम में पानी पिलाने वाला भी नहीं मिलता। ये भ्रमण की बात कर रहे हैं तो ये स्वयं को स्थापित करने के सिवा कुछ नहीं है। जोधपुर अधिवेशन भी सिर्फ स्वयं व वहां के सांसद के लिये ही आयोजित हुआ था। समाज के किसी जनप्रतिनिधि को तो इसमें आमंत्रित ही नहीं किया गया। इस सम्मेलन में कार्यकारी मंडल या कार्यसमिति सदस्यों तक को आमंत्रित नहीं किया गया। मां रत्नीदेवी काबरा जैसी समाज को समर्पित महिलाओं के वोट कम उपस्थिति के नाम पर काट दिये, वहीं स्वजनित ट्रस्टों को उपस्थिति से छूट दे दी गई, जबकि उनसे फंड तक नहीं आया।

**-रविंद्र राठी,** इंदौर (कार्यकारी मंडल सदस्य)

## महिला शक्ति का किया अपमान

"नामदार और कामदार" जैसे शब्द तो राजनीतिक हैं, उनका समाज में इस्तेमाल क्यों? समाज तो जोड़ने के लिए होता है, तोड़ने के लिए नहीं। 28वें सत्र में महिला शक्ति का अपमान ही हुआ है। मैंने स्वयं ने देखा है कि न सिर्फ महिला संगठन की उपेक्षा हुई, बल्कि उनके कार्यक्रमों को असफल करने का भी पूरा प्रयास किया गया। मां रत्नीदेवी काबरा का नाम भी मतदाता सूची से काट दिया गया, यह जानकर दुःख हुआ। जो चयन के प्रयास महासभा के कर्ताधर्ता कर रहे थे, वह 'चयन' नहीं बल्कि 'छलन' था। वास्तव में महासभा को बरसात से भीगे चेहरे और आंसू से भीगे चेहरे में फर्क पता होना चाहिए। पान के पीके के रंग में और खून के रंग में फर्क पता होना चाहिए। श्याम सोनी की टीम को गत बार निर्विरोध चुना गया। इस बार चयन के लिए रामअवतार जाजू को आश्वासन दिया गया था। सातवीं बार चुनाव लड़ रहे सभापति पद लोलुप्त कहलाएंगे या नहीं? गौरव ग्रंथ के नाम पर लोगों से लाखों में विज्ञापन लिए गए और उसका विमोचन भी जोधपुर अधिवेशन में करवा दिया गया लेकिन एक वर्ष बाद भी अभी तक वह प्रकाशित नहीं हुआ।

**- कमल गांधी,** कोलकाता

## व्यक्तिगत दुष्प्रचार पर उतरे

प्रतिस्पर्धी सत्ता की लालसा में अत्यंत कुत्सित प्रयास कर रहे हैं। इसी का उदाहरण जे.एम. बूब का नाम वापस लेना है, जिसमें दबाव बनाने के लिये उन्होंने व्यक्तिगत दुष्प्रचार तक किया। बापूजी श्री रामेश्वरलाल काबरा ने हमें कहा था कि पद पर आना है, तो 24 घंटे समाज को देना पड़ेंगे। तो हम इसके लिये तैयार हैं। हमारी घोषणाऐं सभी पूर्ण होंगी। नेशनल स्पोर्ट्स अकादमी के लिये श्री प्रदीप बाहेती ने भूमि देने की घोषणा की है।

**- रामअवतार जाजू,** प्रत्याशी सभापति पद, अभा माहेश्वरी महासभा

## हमारे कार्यक्रमों को रद्द करवाया

हमारे समाज में परम्परा है कि भाई-बहन के घर नारियल लेकर जाते हैं, लेकिन महासभा के कर्ताधर्ताओं ने तो हमारे कार्यक्रमों तक को रद्द करवा दिया। 8 महिला सदस्याओं के वोट तक काट दिये। लगता है, अब उनके अहंकार को तोड़ने के लिये हमें "महिषासुर मर्दिनी" बनना पड़ेगा।

**- प्रो. कल्पना गगडानी,** अध्यक्ष- अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन

## परिवर्तन समय की मांग

यदि पानी को एक जैसा भरा रहने देंगे, तो वह भी दुर्गंध मारने लगेगा। यही स्थिति समाज संगठन की भी है। अतः समाजहित में परिवर्तन होना ही चाहिये। यदि 'नेशनल स्पोर्ट्स अकादमी' महासभा बनाती है, तो उसके लिये 'आर.डी. सोमानी चेरिटेबल ट्रस्ट" भूमि देगा।

**- प्रदीप बाहेती,** अध्यक्ष जयपुर माहेश्वरी समाज

## सत्ता लोलुपता का चरम

वर्तमान में समाज में पद लोलुपता का आलम यह है कि लोग व्यक्तिगत आरोप लगाने में भी हिचकिचाते नहीं हैं। उनका लक्ष्य कैसे भी सत्ता हथियाना है। वास्तव में वे कितना झूठ बोलते हैं, उसका सबूत जोधपुर अधिवेशन है, जिसमें आने वाले समाजजनों की संख्या ही वे बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं। यदि उनके अनुसार 40 हजार समाजजन उपस्थित थे, तो पंजीयन राशि साढ़े चार करोड़ होनी चाहिए थी जबकि यह 2 करोड़ रुपए ही एकत्र हुए। वास्तव में इनमें मात्र 14 हजार बाहरी थे तथा 10 हजार स्थानीय पंजीयन हुए थे। **- जे.एम. बूब,** प्रदेश अध्यक्ष

## परिवर्तन की लहर

हर जगह परिवर्तन की लहर है। लोगों ने पूछा कि चुनाव क्यों? यदि चयन समिति निष्पक्ष निर्णय लेती तो ऐसी स्थिति बनती ही नहीं। वास्तव में होना यह चाहिये कि कोई भी एक पद पर 3 साल से अधिक न रहे।

**- त्रिभुवन काबरा,** प्रत्याशी उपसभापति

## रोजगार पर रहेगा लक्ष्य

हमारी टीम का लक्ष्य वर्तमान की तरह स्वार्थ परकता नहीं रहेगा, बल्कि समाजहित पर केन्द्रीत रहेगा। इसमें हमारा प्रयास रहेगा कि माहेश्वरी उद्योगों में समाज के युवाओं को नौकरियों में प्राथमिकता दी जाये।

**-कमल भूतड़ा,** प्रत्याशी संगठन मंत्री

## मन माफिक विधान संशोधन

इस सत्र में जो विधान संशोधन हुए वे महासभा के वर्तमान नेतृत्व के ईशारे पर उनके एक चहेते के परामर्श से ही हुए। वे अपने इन चहेते का उपयोग सत्ता पर काबिज रहने के लिये भरपूर कर रहे हैं। सर्वेक्षण द्वारा मतदाताओं को बाहर करने का जो निर्णय लिया गया, वह भी विधान के अनुसार है ही नहीं।

**- अनिल मानधनी,** पूर्व अध्यक्ष युवा संगठन

## इस बार जाजू जी की बारी थी

श्री श्याम सोनी 27 वें सत्र में चुनाव लडें थे और हार गये थे। अतः जब मेरे पिता तत्कालीन सभापति श्री जोधराज लड्ढा, सहित समाज के वरिष्ठजनों की 28 वें सत्र में सर्वसम्मति हेतु समन्वय समिति बनी तो उसमें उन्होंने श्री सोनी को अवसर दिया। इसी दौरान अगली बार श्री रामअवतार जाजू को 29वें सत्र हेतु सर्वसम्मति से सभापति चुनने का निर्णय हुआ था, लेकिन अब वे इसे मान नहीं रहे हैं।

**- अरुण लड्ढा,**
जोधराज लड्ढा पूर्व सभापति अ.भा. माहेश्वरी महासभा
के सुपुत्र व उनके प्रतिनिधि

## जीत-हार तो होती रहती है

मैंने हमेशा चुनाव ही कराए हैं। पहली बार चुनावी सभा देख रहा हूँ। सभी यशस्वी है रहें यही कामना है। जो वातावरण बना है या बनेगा। उसे ठीक करना भी हम सबका कर्तव्य है। जीत-हार तो होती रहती है। शतरंज में शह और मात होती है, लेकिन गेम समाप्ति के बाद सभी एक डिब्बे में बंद हो जाते है।

**- रमेश मर्दा,** पूर्व अध्यक्ष युवा संगठन

## लक्ष्य गलत न हो

जहां सर्वसम्मति होती है, वहीं चयन होता है। जहां छिपा एजेंडा होता है, वहां चयन नहीं हो सकता है। अतः आज पूरे देश के समाज का बच्चा-बच्चा चाहता है कि परिवर्तन होना चाहिए।

**डॉ. एस.एन. चांडक,** दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष

## काम के लिये 2 वर्ष भी पर्याप्त

वे लोग अधूरे काम के नाम पर वापस सत्ता में आना चाहते हैं, जबकि उन्हें पूरे 3 वर्ष का समय मिला। मेरे विचार में तो काम करने वाले के लिये 3 वर्ष भी अधिक हैं। इस कार्यकाल को 2 वर्ष कर दिया जाऐ तो भी पर्याप्त है।

**- श्यामसुंदर मंत्री,** प्रत्याशी महामंत्री

## स्वहित के लिए पद का दुरुपयोग

पिछली बार उन्हें महासभा का नेतृत्व निर्विरोध सौंपा गया लेकिन उन्होंने समाज के प्लेटफार्म का उपयोग व्यक्तिगत फायदे के लिये किया, जो गलत है। समाज के कार्यक्रमों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला व भाजपा उपाध्यक्ष श्याम जाजू जैसे नेताओं को बोलने तक का अवसर न देकर अन्य नेताओं को आमंत्रित किया गया।

**- विनोद अजमेरा,** आईएएस

## सर्वेक्षण को बनाया हथियार

महासभा के वर्तमान नेतृत्व ने सत्ता की लालसा में आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण को भी अपनी जीत का हथियार बना लिया। इसके बहाने अपनों के नाम मतदान सूची में जोड़े और दूसरों के काट दिये। लगता है, इसके पीछे बस यही लक्ष्य था।

**- बाबूलाल मोहता,** बीकानेर

**जब हमारे किये हुये काम का**
**और कही हुई बात का जवाब मिलना**
**बंद हो जाएं तब समझ लेना कि**
**एक घुमाव लेना है,**
**'रिश्तों' से भी और 'रास्तों' से भी...!**


With Best Compliments From

Chandra Prakash Maloo
90300-31591
94418-86402
Hyderabad (T.S.)

**Shree**
**Vasudeva Marble**
**Marbles & Granite**

Aditya Maloo
83280-33976
Hyderabad (T.S.)

**Maruti Stonex**
**Kishangarh (Raj.)**
**All Types of Marble Slab's & Floor Tiles**

**Specialist in**
**Sawar, Toranto, Green, Black, Pink, Slab & Tiles**

Plot No. 5, Shivganga Colony, L.B. Nagar, Ring Road, Near KamineniHosital
Opposite Big Bazar, Hyderabad - 500074 (T.S.)

## जिला महिला संगठन के चुनाव संपन्न

उमा सोमानी

सविता राठी

**जयपुर.** जिला माहेश्वरी महिला संगठन के त्रैवार्षिक चुनावों में उमा सोमानी अध्यक्ष एवं सविता राठी मंत्री निर्वाचित हुईं। निर्वाचन चुनाव अधिकारी मंजू सोनी एवं प्रादेशिक पर्यवेक्षक लक्ष्मी परवाल की देखरेख में संपन्न हुए।

## बाबा रामदेव का जम्मा जागरण

**तिवसा.** गत दिनों नीलेश डागा के घर से रामदेव बाबा मंदिर तक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा में बैंड बाजा, गोमाता, घोड़ा एवं हजारों नागरिक शामिल थे। गायिका श्रीस्वर श्री (अमरावती) द्वारा संगीतमय सुंदरकांड की अर्थ सहित प्रस्तुति दी गई। अगले दिन सुवर्ण आयोजन में सूर्यप्रकाश मालाणी जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष का स्वागत श्रीफल शॉल द्वारा फुलचंद डागा एवं सुधारकर डागा द्वारा किया गया। गौरक्षण संस्था अमरावती के अध्यक्ष आर.बी. अटल भी सपत्नीक उपस्थित थे। उन्होंने फुलचंद डागा का गौरक्षण संस्था की ओर से स्वागत किया।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**बैंगलोर.** माहेश्वरी सभा की ओर से स्नेह मिलन के आयोजन का समाज के वरिष्ठ सदस्य रेवंतमल झंवर एवं विजयकुमार साबू द्वारा दीप प्रज्ज्वलन करके शुभारंभ किया गया। सभा के अध्यक्ष निर्मलकुमार तापड़िया ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। सरस्वती पुरस्कार के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। एक्सलेंट एकेडमिक अवॉर्ड के अंतर्गत माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारा नील राठी तथा अवंतिका चांडक को पुरस्कृत किया गया। समाज की महिलाओं द्वारा मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन सुषमा मालपानी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संघ के समस्त कार्यसमिति सदस्यों की अहम भूमिका रही।

## जरूरतमंदों के साथ मनाई दीपावली

**ब्यावर.** भारत विकास परिषद शाखा ब्यावर द्वारा दीपावली के पावन पर्व पर 'कुछ चेहरों पर मुस्कान लाते हैं, चलो एक दीया उनके यहां भी जलाते हैं' की तर्ज पर दीपावली मनाई गई। परिषद के अध्यक्ष-राजेंद्र काबरा ने बताया कि इस हेतु अजमेर रोड अमरकुंज के सामने व हाउसिंग बोर्ड के पीछे सेवा बस्ती झुग्गी-झोपड़ियों में उनके घर-घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी व लक्ष्मी पूजन का सामान चित्र सहित, मिठाई का पैकेट, दीपक, बच्चों के लिए पटाखे व टॉफियां वितरित की गईं। इस सेवा कार्य में उपाध्यक्ष आलोक गुप्ता, सचिव प्रशांत पाबूवाल, सतीश सर्राफ, तिलक माहेश्वरी, अजय सोमानी, अशोक मेवाड़ा, महेश मालू सहित कई सदस्यों का सहयोग रहा।

## बागड़ी का किया सम्मान

**नागपुर.** महाराष्ट्र आर्य वैश्य समाज व वासवी लेडीज क्लब द्वारा दिवाली धनतेरस के उपलक्ष्य में पेशवाई दिवाली हाट का भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रूप में अनेकों अंतरराष्ट्रीय-राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त लेखक व समाज सेवक शरद गोपीदास बागड़ी तथा आर्य समाज संस्था के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य राजू कुन्नावार उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन श्री बागड़ी, श्री कुन्नावार, लेडीज क्लब अध्यक्षा नेहा पिंपलवार, कल्पना राचलवार आदि के हाथों किया गया। इस अवसर पर श्री बागड़ी का शॉल-श्रीफल से विशेष सत्कार किया गया।

**कमाई की कोई परिभाषा तय नहीं होती। धन, तजुर्बा, रिश्ते, सम्मान और सबक सब कमाई के ही रूप हैं?**

## समन्वय का सीआरपीएफ ने किया सम्मान

**कोलकाता.** देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत कार्यक्रम देने वाली संस्था समन्वय को सीआरपीएफ द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि समन्वय 'सरजमीं' को भारत के विभिन्न शहरों में 50 से अधिक बार मंचित कर चुका है। इस कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति कारगिल युद्ध के समय कोलकाता के नेताजी इंडारे स्टेडियम में की गई। 15 अगस्त 2009 को 10 हजार से ज्यादा सैनिकों के समक्ष जोधपुर की सैन्य छावनी में इसे प्रस्तुत किया गया। 14 अगस्त 2014 को इस कार्यक्रम को राजस्थान सरकार के लिए मुख्यमंत्री वसुंधराराजे सिंधिया की उपस्थिति में उदयपुर में प्रस्तुत किया गया। 2016 में विजय दिवस के उपलक्ष्य पर कोलकाता के सुप्रसिद्ध फोर्ट विलियम में भारतीय सेना के उच्च अफसरों एवं बांग्लादेश के प्रमुख नेताओं एवं अफसरों के समक्ष इसका मंचन किया गया। हाल ही में 14 अगस्त 2019 को इस कार्यक्रम को बीकानेर में प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा इन वर्षों में समन्वय ने देश के कई प्रमुख शहरों में इसकी प्रस्तुति दी है। मित्र परिषद, पूर्वांचल नागरिक समिति, सांभर समाज, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सभा आदि कई संस्थाओं के कार्यक्रम में भी प्रस्तुति दी गई। हर कार्यक्रम में कुछ शहीदों के परिवारजनों का सम्मान करते हुए उनके प्रति सद्भावना व्यक्त की जाती हैं। हाल ही में हुए पुलवामा आतंकी हमले के बाद, जिसमें 40 सीआरपीएफ के जवान शहीद हुए थे, उनके परिवारों के लिए समन्वय की ओर से सहायता राशि उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की गई। इस प्रयास के लिए 31 नवंबर 2019 को सीआरपीएफ की ओर से समन्वय को विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

## श्यामप्रकाश देवपुरा का हुआ सम्मान

**श्रीनाथद्वारा.** उप्र की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार, विधायक अरुण पाठक, नलिनी कौशिक एवं नीलांबर कौशिक ने श्यामप्रकाश देवपुरा को उनके योगदानों के लिये सम्मानित किया। उन्हें शॉल, स्मृति चिह्न, मुक्ताहार, सम्मान-पत्र आदि से सम्मानित किया गया।

## जिला महिला संगठन के चुनाव संपन्न

**राजसमंद.** जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव गत 20 अक्टूबर को माहेश्वरी सेवा सदन चारभुजा में हुए। सभा संयोजक सरस्वती रांदड़, मुख्य चुनाव अधिकारी चंदा नामधर व पर्यवेक्षक संध्या आगीवाल की देखरेख में सर्वसम्मति से गीता काबरा को अध्यक्ष चुना गया। इसी तरह उपाध्यक्ष कांता देवपुरा आमेट व सुशीला लड्ढा राजसमंद, सचिव रेखा सोनी देवगढ़, कोषाध्यक्ष स्नेहलता छापरवाल नाथद्वारा, संगठन मंत्री यशोदा पोरवाल कुंवारिया को निर्विरोध निर्वाचित किया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की पश्चिमांचल उपाध्यक्ष ममता मोदनी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**नागपुर.** नगर माहेश्वरी सभा के दीपावली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन गत 31 अक्टूबर को सात वचन लॉन, वर्धमान नगर में किया गया। मुख्य अतिथि पवन सारडा एवं विशेष अतिथि अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के सभापति श्यामसुंदर सोनी थे। मंच संचालन नगर माहेश्वरी सभा के सचिव सोमप्रकाश मंत्री ने किया। आभार कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं नगर सभा के प्रचार प्रसार मंत्री राज चांडक द्वारा व्यक्त किया गया। महासभा विदर्भ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विजय चांडक, निवर्तमान अध्यक्ष पुरुषोत्तम मालू, वर्तमान अध्यक्ष कृष्णा राठी, सचिव सोमप्रकाश मंत्री, जिला महिला समिति अध्यक्ष सुषमा बंग, नगर महिला समिति अध्यक्ष विद्या लद्धड़, बर्डी पंचायत अध्यक्ष चंदकिशोर चांडक, बीकानेरी पंचायत अध्यक्ष प्रमोद बागड़ी आदि भी मंचासीन थे। इस कार्यक्रम के सहसंयोजक प्रतीक बागड़ी, पवन बिहानी एवं ज्योति मंत्री थे। रुचि चांडक, संजय झंवर, जिला माहेश्वरी सभा सचिव दिनेश राठी एवं नगर सभा के पूर्व सचिव राजेश काबरा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

***'मजबूर' और 'मजबूत' में ज्यादा फर्क नही है***
***'स्वार्थी' मनुष्य से दोस्ती करोगे तो***
***वो आपको 'मजबूर' बना देग।***
***और.. 'सच्चे' मनुष्य से दोस्ती करोगे***
***तो वो आपको 'मजबूत' बनाएगा।।***

## चांडक बने फीडबेक विश्लेषक

**जोधपुर.** स्थानीय नगर निगम द्वारा विकास चांडक को फीडबैककर्ता (विश्लेषक) के रूप में सेवा देने के लिए अधिकृत किया गया है। उनकी यह नियुक्ति समाज में उनके द्वारा किए गए कार्यों को देखते हुए केंद्र सरकार/राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं हेतु फीडबैक कर्ता (विश्लेषक) के रूप में कार्य करने हेतु की गई है। श्री चांडक एक समाजसेवी के रूप में अवैतनिक सेवा देंगे।

## सोनी-कोठारी परिवारों का अधिवेशन संपन्न

**बागौर.** अखिल भारतीय सोनी-कोठारी परिवार का वार्षिक अधिवेशन गत 4 नवंबर को ब्राह्मणी माता मंदिर पर हुआ। सेवल्या माता समिति के रामजस सोनी ने बताया कि 3 नवंबर को जागरण हुआ। अगले दिन ब्राह्मणी माता मंदिर में अखिल भारतीय सोनी-कोठारी समाज की बैठक में समाज के विकास को लेकर निर्णय लिए गए। प्रतिवर्ष समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करने तथा सोनी-कोठारी परिवार के जरूरतमंद परिवारों की बालिकाओं का निःशुल्क विवाह कराने का निर्णय भी लिया गया। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला मंडल के दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में कथक नृत्य में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरे स्थान पर रही रूपाली पत्नी नवीन सोनी सीहोर मप्र का सम्मान किया। अधिवेशन में सभापति श्यामसुंदर सोनी, पूर्व सभापति रामपाल सोनी, पूर्वी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश सोनी, जयपुर दक्षिणी राज प्रादेशिक सभा के अध्यक्ष कैलाश कोठारी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष आरएल कोठारी सहित राजस्थान, गुजरात, मप्र, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, केरल, असम, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, झारखंड, नेपाल व भूटान से समाज के प्रतिनिधि मौजूद थे।

**कोई सराहना करे या निंदा?**
**लाभ आपका ही है,**
**कारण**
**प्रशंसा प्रेरणा देती है,**
**और निंदा सुधरने का अवसर.!!**

## गौशाला में गोपाष्टमी का किया आयोजन

**रायपुर.** माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा गत 4 नवंबर को गोपाष्टमी महावीर गौशाला में मनाई गई। इसमें गायों को गुड़ व हरा चारा खिलाकर उनकी विधिवत पूजा सभी सदस्यों द्वारा की गई। प्रचार प्रसार मंत्री भावना मर्दा ने बताया कि कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष संगीता चांडक, निवर्तमान अध्यक्ष शशि बागड़ी, सचिव प्रगति कोठारी, रमा मल, मधुरिका नथानी, प्रतिभा नथानी, नीता लखोटिया, रेखा करवा, शशि आर. मोहता, कविता दम्मानी आदि सभी सदस्यों का सहयोग मिला।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**बीकानेर.** दीपोत्सव पर्व दीपावली के पश्चात बीकानेर की पारिवारिक माहेश्वरी संस्था श्री प्रीति क्लब द्वारा 'प्रीति स्नेह मिलन समारोह' का आयोजन स्थानीय दम्माणी हैरिटेज में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। प्रीति क्लब सचिव नारायणदास दम्माणी ने आंगतुकों का अपने उद्बोधन द्वारा स्वागत करते हुए बताया कि यह संस्था सदैव सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय सेवाओं में अग्रणीय रहती है। इस संस्था द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम जैसे-गवराजा गीतमाला, सावन की गोठ, चिकित्सा क्षेत्र में 15 दिवसीय निःशुल्क एक्यूप्रेशर शिविर, नेत्र चिकित्सा कैम्प, चुंबकीय चिकित्सा शिविर आदि का आयोजन किया जाता है। श्री प्रीति क्लब द्वारा आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन प्रिया झंवर ने किया। सोहनलाल गट्टाणी (प्रदेशाध्यक्ष), मगनलाल चांडक (संरक्षक प्रीति क्लब), प्रो. नृसिंह बिन्नाणी, रतनलाल पुगलिया, श्रीराम सिंगी, भंवरलाल टावरी, सुशील थिराणी सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

## चांडक परिवार ने लगवाया छप्पन भोग

**अमरावती.** स्थानीय वरिष्ठ समाजसेवी रंगनाथ चांडक व परिवार की ओर से गत 1 नवंबर को शाम 5 बजे भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया गया। उल्लेखनीय है कि 100 वर्ष पूर्व स्व. श्री रामरतन चांडक ने अन्नकूट की परंपरा प्रारंभ की थी। वर्तमान में रंगनाथ चांडक इसी परंपरा को निभा रहे हैं।

## जिला माहेश्वरी समाज के चुनाव संपन्न

**पिपरिया.** होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी समाज के चुनाव बनखेड़ी माहेश्वरी भवन में संपन्न हुए। अध्यक्ष राजेश जावंधिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विट्ठल तोषनीवाल हरदा, उपाध्यक्ष राजीव मोहता हरदा व प्रहलाद बंग इटारसी, मंत्री अशोक तोषनीवाल पिपरिया, सहमंत्री राजेश टावरी बाबई, संगठन मंत्री नरेंद्र झंवर पिपरिया, कोषाध्यक्ष सुधीर मूंदड़ा पिपरिया चुने गए। चुनाव अधिकारी वरिष्ठ समाजसेवी मेघराज राठी इटारसी, सहायक चुनाव अधिकारी गोपाल माहेश्वरी घुरका सोहागपुर, पर्यवेक्षक भगवानदास राठी बरेली विशेष रूप से मौजूद थे।

## जिला सभा के हुए निर्विरोध निर्वाचन

**नागपुर.** जिला माहेश्वरी सभा के नवीन सत्र 2019-22 हेतु निर्विरोध चुनाव महासभा कार्यालय नागपुर में गत 2 नवंबर को हुए। इसमें अध्यक्ष दिनेश राठी, सचिव हरेश सोनी, कोषाध्यक्ष राजेश काबरा, संगठन मंत्री श्रीकिशन लखोटिया, प्रचार मंत्री ललित लोया, उपाध्यक्ष भरतकिशोर कासट सावनेर, उपाध्यक्ष गोपाल चांडक, सहसचिव हरीश बंग हिंगना, सहसचिव अनिल मंत्री, निवृतमान अध्यक्ष शिवरतन गांधी के साथ ही पूर्ण कार्यसमिति का भी चयन किया गया। जिला माहेश्वरी सभा के अंतर्गत 7 तहसील तथा 6 क्षेत्रीय सभा के चुनाव भी निर्विरोध संपन्न हुए। इसमें नगर माहेश्वरी सभा नागपुर अध्यक्ष-कृष्णाकुमार राठी, सचिव-सोमप्रकाश मंत्री, कोंढाली तहसील- अध्यक्ष-विजय मूंधड़ा, सचिव-सुभाष राठी, काटोल तहसील-अध्यक्ष-राजेश नबीरा सचिव-ब्रिजकिशोर बिसानी, सावनेर केलोद तहसील अध्यक्ष-हरगोविंद भूतड़ा, सचिव-नितिन सांवल, हिंगना-बूटीबोरी तहसील अध्यक्ष-नरेश बंग, सचिव-पवन बंग, उमरेड़-भिवापुर तहसील अध्यक्ष संजय सारडा, सचिव गोविंद मूंधड़ा, कामठी कन्हान तहसील अध्यक्ष संतोष लखोटिया व सचिव-राजेश मूंधड़ा चुने गए। 6 क्षेत्रीय सभा अंतर्गत जोन 1 अध्यक्ष विजय पनपालिया, सचिव अतुल भैया, जोन 2-अध्यक्ष कमल तापड़िया, सचिव कमल कलंत्री, जोन 3 अध्यक्ष विजय लड्ढा, सचिव डॉ. जगमोहन राठी, जोन 4 अध्यक्ष पुरुषोत्तम राठी, सचिव जितेंद्र सारडा, जोन 5 अध्यक्ष पुरुषोत्तम पनपालिया, सचिव महेंद्र टावरी, जोन 6 अध्यक्ष सुरेश गांधी, सचिव अशोक चांडक चुने गए।

## केंद्रीय बोर्ड निदेशक का सम्मान

**हैदराबाद.** महेश बैंक के बंजारा हिल्स स्थित प्रधान कार्यालय में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के निदेशक सतीश मराठे का अभिनंदन कर स्मृति चिह्न भेंटकर किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा, चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग, वाइस चेयरमैन रामपाल अट्टल, निदेशक बृजगोपाल असावा, चैनसुख काबरा, किशनगोपाल मणियार, सीएस सुमन हेड़ा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमेशचंद्र असावा व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**ईरोड.** गत 29 अक्टूबर को दीवाली स्नेह मिलन का आयोजन माहेश्वरी भवन के प्रांगण में महेश वंदना के साथ शुरू हुआ। अध्यक्ष अशोक चांडक ने सबका स्वागत किया। कार्यक्रम में बच्चों, युवा एवं महिलाओं ने मनमोहक नृत्य पेश किए। युवाओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक में उन्होंने पूरे समाज को बहुत सुंदर संदेश 'बात करोगे तो बात बनेगी' दिया। अंत में सचिव राधामोहन लाहोटी ने आभार व्यक्त किया। स्वरुचि भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

## जयप्रकाश भूतड़ा बने तहसील अध्यक्ष

**दर्यापुर ( अमरावती ).** दर्यापुर तहसील माहेश्वरी सभा में जयप्रकाश भूतड़ा सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए। श्री भूतड़ा इसके पूर्व भी लगातार 3 बार इस पद पर चयनित हो चुके हैं। वे 10 साल तक सरपंच भी रह चुके हैं। चुनाव में उपाध्यक्ष बालकिशन पनपालिया, सचिव रमेशकुमार पनपालिया, सहसचिव नवलकिशोर मालपानी, कोषाध्यक्ष अशोक मूंदड़ा, अरुणकुमार भूतड़ा, रामरतन टावरी, संतोषकुमार जाजू, किसन गोपाल भट्टड़, प्रवीण कोठारी चुने गए।

**धन का अभाव आपको धन से वंचित रख सकता है,
लेकिन इसके कारण खुद को अनुभवों से
वंचित न होने दें... जो आपके पास है, यदि उससे
आप सुखी नहीं हैं तो आपके पास चाहे जितने आ जाए,
फिर भी आप सुखी नहीं हो सकेंगे?**

## मूंधड़ा करेंगी 'उड़ान' का संपादन

**मालेगांव.** कोजागिरी के अवसर पर सुमिता मूंधड़ा द्वारा लायंस क्लब ऑफ मालेगांव साउथ के त्रैमासिक समाचार-पत्रक 'उड़ान' (जुलाई-सितंबर 2019) का सम्पादन एवं विमोचन किया गया। लायंस क्लब ऑफ मालेगांव साउथ में गत वर्ष श्रीमती मूंधड़ा सचिव पद पर कार्य कर चुकी हैं और वर्तमान में समाचार-पत्रक संपादन का कार्यभार संभाल रही हैं। वे 2017 में भी समाचार-पत्रक 'फोकस' का संपादन कार्य कर चुकी हैं। एक सक्रिय लायन सदस्य के रूप में उन्हें बहुत बार सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि लायंस क्लब ऑफ मालेगांव साउथ के फोकस और उड़ान समाचार-पत्रकों को हिंदी भाषा में प्रकाशित किया गया है।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**रायपुर.** माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी भवन डूंडा में श्री ठाकुर जी के अन्नकूट 56 भोग महोत्सव एवं दीपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री गिरिराज जी की झांकी भी सजाई गई। सभा के अध्यक्ष संपत काबरा ने बतलाया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहनलाल राठी (दुर्ग) पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री अशोक इनानी (इंदौर), राष्ट्रीय महिला संगठन उपाध्यक्षा ज्योति राठी, प्रदेशाध्यक्ष विट्ठल भूतड़ा, विजय दम्मानी, नारायण राठी तथा श्रेया राठी आदि का उनकी सेवाओं के लिए अभिनंदन किया गया।

## फिर अध्यक्ष बने अर्जुनलाल चेचाणी

**राजसमंद.** जिला माहेश्वरी सभा के चुनाव गत 3 नवंबर को देवगढ़ माहेश्वरी समाज के आतिथ्य में देवगढ़ नगरपालिका के सभा भवन में संपन्न हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी दामोदरलाल काहल्या, चुनाव अधिकारी राधाकृष्ण निष्कलंक, निरंजनकुमार असावा, सहायक चुनाव अधिकारी अनिल काबरा व अशोक देवपुरा तथा रामेश्वरलाल ईनाणी भीलवाड़ा एवं सुधीर सोनी भीलवाड़ा थे। इसमें अर्जुनलाल चेचाणी आमेट पुनः अध्यक्ष चुने गए।

## महेश बैंक का 'स्टेट ऑफ दी आर्ट' उद्घाटित

**हैदराबाद.** दक्षिण भारत में सहकारिता क्षेत्र में महेश बैंक ने क्रांति लाने का कार्य किया। उक्त उद्गार लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने दक्षिण भारत के सहकारी क्षेत्र के सर्वप्रथम बहुराज्यीय अनुसूचित महेश बैंक के रोड नंबर 12 बंजारा हिल्स पर नवनिर्मित प्रधान कार्यालय भवन, स्टेट ऑफ दी आर्ट कार्पोरेट कार्यालय का लोकार्पण करते समय व्यक्त किए। लोकार्पण समारोह में हिमाचल प्रदेश के राज्यमंत्री बंडारू दत्तात्रेय, केंद्रीय गृहराज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली, कृषि एवं सहकारिता मंत्री एस. निरंजन रेड्डी, भारतीय रिजर्व बैंक के तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश के आंचलिक निदेशक सुब्रतदास विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अतिथियों को स्मृति चिह्न चेयरमैन पुरुषोत्तमदास मानधणा एवं चेयरमैन इमीरेट्स रमेशकुमार बंग ने प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक निदेशक उमेशचंद असावा ने किया। आभार प्रदर्शन वाइस चेयरमैन रामपाल अट्ठल ने किया।

## अन्नकूट महोत्सव का हुआ आयोजन

**धार.** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आंवला नवमी पर पिकनिक व सिद्ध स्थान सिद्धनाथ पर भगवान महेश व भगवान नरसिंह को छप्पन भोग लगाकर अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी महासभा के सलाहकार संयोजक महेश माहेश्वरी, समाज के वरिष्ठ सतीश सारडा, अध्यक्ष कपिल परवाल व कृष्णकांत सोमानी अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सुनील परवाल, गोपाल राठी, राकेश बाहेती, रवि परवाल, संजय बंग, शांतिलाल गिलड़ा, राधेश्याम सोमानी, गिरीराज पटवा, सत्यनारायण सोमानी आदि समस्त सदस्यों का इसमें सहयोग प्राप्त हुआ।

**जिस मनुष्य के पास 'समाधान करने की शक्ति' जितनी ज्यादा होती है, उसके 'रिश्तों की सीमाएं' उतनी ही विशाल होती है।**

# घरेलू उद्योगों के लिए प्रदर्शनी

**मालेगांव.** (नासिक). परिवार को आर्थिक सहायता देने के लिए समाज की गृहिणियां घर से ही लघु गृह उद्योग चला रही हैं। उनकी कला और कार्य को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब मालेगांव द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें छोटे-छोटे घरेलू उद्योगों के प्रचार-प्रसार एवं बिक्री के लिए निःशुल्क स्थान की व्यवस्था शमा जाजू ने की। प्रदर्शनी का शुभारंभ शीला तापड़िया ने किया। उल्लेखनीय है कि श्राद्ध पक्ष में भी क्लब द्वारा सतत अन्नदान किया गया।

# दीपावली मिलन समारोह

**इटारसी.** माहेश्वरी समाज का दीपावली मिलन व अन्नकूट महोत्सव माहेश्वरी भवन इटारसी में धूमधाम से संपन्न हुआ। अध्यक्ष मेघराज राठी ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं प्रदेशाध्यक्ष विजय राठी ने प्रदेश सभा की गतिविधियां पर चर्चा की। सचिव मांगीलाल मालपानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गांधी, कमल लखोटिया, राजेंद्र माहेश्वरी, नवल मालाणी, कैलाश चांडक, गोविंद बांगड़, अनुराग मौलासरिया आदि समस्त सदस्यों का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन आरती राठी ने किया। आभार नीतेश राठी ने माना।

**जब हमारे किये हुये काम का और**
**कही हुई बात का जवाब मिलना बंद हो जाएं**
**तब समझ लेना कि**
**एक घुमाव लेना है,**
**'रिश्तों' से भी और 'रास्तों' से भी...!**

# कोलोरिक्स ने दी टेक्सटाइल प्रिंटिंग में नई सौगात

**सूरत.** ओरेंज ग्रुप की कंपनी 'कोलोरिक्स' डिजिटल प्रिंटिंग के क्षेत्र में एक जाना माना नाम है। कोलोरिक्स द्वारा टेक्सटाईल क्षेत्र को 'सब प्रो द्वितीय सब्लिमेशन (पेपर ट्रांसफर)' मशीन की सौगात दी गई है। इसका लोकार्पण गत दिनों हुआ। इस मशीन की लांचिंग के अवसर पर शहर में 2 दिवसीय ओपन हाउस शो का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न शीर्ष मिलों, ब्रांड, ट्रेडिंग कंपनी तथा टेक्सटाइल क्षेत्र के प्रतिनिधियों के सामने इस नवीन मशीन का प्रदर्शन कर इसकी उपयोगिता बताई गई। इस अवसर पर कोलोरिक्स के डायरेक्टर आयुष राठी ने बताया कि यह मशीन अपने आप में कंपनी का नया अनुसंधान है, जो चार चाइनीज मशीनों की तुलना में भी श्रेष्ठ व तेज गति से कार्य करती है। इसके द्वारा कुछ श्रमिकों की सहायता से मात्र एक दिन में 4500 मीटर से अधिक प्रिंट की जा सकती है। इसमें इंक की खपत कम होने व लेबर चार्ज कम लगने से यह उपयोग में अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी। इसे आने वाले वर्षों की प्रिंटिंग आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया गया है।

# वरिष्ठ नागरिक संस्थान की कार्यकारिणी गठित

**भीलवाड़ा.** वरिष्ठ नागरिक संस्थान राजस्थान प्रांत के अध्यक्ष भंवर सेठ (उदयपुर) ने प्रांतीय कार्यकारिणी की घोषणा की। इसमें भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज के ओमप्रकाश हिंगड़ को संरक्षक, श्यामकुमार डाड को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं मदन खटौड़ को प्रांतीय महामंत्री मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी प्रदेश महामंत्री मदन खटौड़ ने दी।

Karan Toshniwal
Director

Aayush Rathi
Director

## कोलोरिक्स की टेक्सटाइल प्रिंटिंग में सौगात

# Sub Pro-II Printing Machine

जो दे चाइना की 4 मशीनों से

**फास्ट प्रिंटिंग**

और वह भी कम खर्च में

**आश्चर्य किन्तु सत्य**

मात्र एक दिन में 4500 मीटर प्रिंटिंग

और वह भी मात्र कुछ श्रमिकों के सहयोग से.

ORANGE

Orange O Tec Pvt. Ltd.
Shet No. A2/7111, Road No. 71, Gate No.: 01 G.I.D.C. Sachin,
Surat-394230 (Guj.) India. | Email:info@orangeotec.com
www.orangeotec.com Phone: +91 7490030333 | +91 7226861612/3/4/8

## पुत्री जन्म पर बहुएं सम्मानित

**जयपुर.** अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के निवर्तमान अध्यक्ष राधेश्याल परवाल द्वारा दीपावली स्नेह मिलन के अवसर पर परवाल परिवार की बहू अर्चना पत्नी अंकित परवाल एवं नेहा पति आशीष परवाल को पुत्री के जन्म पर सम्मानित किया गया। श्रीमती शकुंतलादेवी राधेश्याम परवाल फाउंडेशन द्वारा दोनों बहुओं को सम्मानित कर 20-20 ग्राम चांदी के सिक्के उपहार स्वरूप दिए गए। श्री परवाल द्वारा दिसंबर 2002 में प्रारंभ किए गए इस सम्मान की कड़ी में यह आठवां एवं नौवां सम्मान था। उक्त जानकारी फाउंडेशन की मंत्री उमा परवाल ने दी। परवाल परिवार के इस स्नेह मिलन में हाऊजी सहित कई मनोरंजक कार्यक्रम रखे गए। स्नेह भोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

## आंवला नवमी का किया आयोजन

**रायपुर.** माहेश्वरी महिला समिति गोपाल मंदिर द्वारा गत 5 नवंबर को आंवला नवमी के शुभ अवसर पर उद्यान मोती बाग में पिकनिक का आयोजन किया गया। इसमें आंवले के वृक्ष की विधिवत पूजा करके भगवान विष्णु और लक्ष्मीजी से आशीर्वाद मांगा गया। सभी सदस्यों ने मिलकर आंवला के वृक्ष की 108 परिक्रमा की। समाज की मंगल कामना की प्रार्थना की। मनोरंजक खेलों का आयोजन भी शशि बंग द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में उषा सारडा का विशेष सहयोग मिला। अध्यक्ष संगीता चांडक, सचिव प्रगति कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष शशि बागड़ी, मधुरिका नत्थानी, सुनीता लड्ढा, प्रतिभा नत्थानी, मध्यांचल उपाध्यक्ष ज्योति राठी, भावना मरदा आदि सदस्याएं मौजूद थीं। जानकारी भावना मरदा ने दी।

**चेहरे की चमक**
**और घर की ऊंचाइयों पर मत जाईये जनाब,**
**घर के 'बुजुर्ग' गर मुस्कुराते मिलें**
**तो समझ लिजिये कि आशियाना 'अमीरों' का है ..**

## मुस्कान प्रशिक्षण केंद्र अब नए स्थान पर

**बूंदी।** मुस्कान वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित निःशुल्क 'मुस्कान कम्प्यूटर सेंटर' एवं 'मुस्कान सिलाई सेंटर' अब नए स्थान पर संचालित होंगे। नए स्थान चूड़ी बाजार स्थित माहेश्वरी पंचायत संस्थान भवन में माहेश्वरी पंचायत संस्थान के अध्यक्ष जगदीश जैथलिया के सहयोग एवं मार्गदर्शन से कार्यालय का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि माहेश्वरी पंचायत संस्थान सचिव विजयेंद्र जाजू व माहेश्वरी समाज के सक्रिय सदस्य संजय लाठी थे। इससे पूर्व अतिथियों ने सेंटर में नई सिलाई मशीनें व कम्प्यूटर का रोली चावल से तिलक किया। मुस्कान वेलफेयर सोसाइटी अध्यक्ष डॉ. नीतू नुवाल ने जानकारी दी कि सोसाइटी द्वारा गत तीन वर्ष से उक्त विभिन्न कोर्स निःशुल्क चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान मुस्कान संस्था के पदाधिकारीगण सुनील नुवाल, मन नुवाल, शक्ति तोषनीवाल, सरोज न्याति, सोनल नुवाल, मीना माहेश्वरी, डॉ. रोहिणी माहेश्वरी, शिखा मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

## अध्यक्ष अनिष मणियार, अजय जाजू मंत्री

**संगमनेर.** अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा के सन 2019-22 के लिए अध्यक्ष अनिष मणियार चुने गए। मानद मंत्री पद पर अजय जाजू की पुर्ननियुक्ति हुई है। कार्यकारिणी में सहमंत्री विजय दरक, अर्थमंत्री अनिल भट्टड़, विभागीय उपाध्यक्ष-दिलीप बजाज, विठ्ठलदास भूतड़ा, महेश बंग, प्रदीप अट्टल, सोमनाथ रा. मूंदड़ा, विभागीय संगठन मंत्री रामचंद्र राठी, मनीष सोमाणी, गणेश बाहेती, दिलीप मूंदड़ा, जितेंद्र झंवर, विभागीय संयुक्त मंत्री-सतीश बाहेती, कैलाश बिहाणी, प्रशांत लड्ढा, रामेश्वर बिहाणी, नवनीत दरक चुने गए।

## प्राची को पीएचडी उपाधि

**इंदौर.** समाज की प्रतिभा प्राची राठी को कॉमर्स विषय में देवी अहिल्या विवि द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने 'ए कम्पेरेटिव स्टडी ऑफ कन्जूमर बिहेवियर इन इंदौर शॉपिंग मॉल्स अमंगस्ट मिडल एंड हाई इन्कम ग्रुप' विषय पर अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया था।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**वरंगल.** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा प्रगतिशील मारवाड़ी एवं माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट भवन में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम गत 03 नवंबर को आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक नवलकिशोर मूंदड़ा ने बताया कि इस स्नेह मिलन कार्यक्रम को भी पूर्णतः मनोरंजक रखा गया। कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान महेश की पूजा, ज्योति प्रज्वलन व महेश वंदना की गई। कार्यक्रम में 2019 के शिक्षा पुरस्कार मेधावी छात्रों को प्रदान किए गए। इस वर्ष प्रोफेशनल परीक्षाएं उत्तीर्ण करने वाले डॉक्टर, कंपनी सेक्रेटरी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, अधिवक्ता आदि का भी शॉल, हार, श्रीफल एवं अभिनंदन-पत्र द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. कोमल रितेश नंदवाना का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का समापन आयोजक समिति के सहसंयोजक डॉ. विष्णुकुमार बल्दवा के धन्यवाद प्रस्ताव एवं सभी के लिए महाप्रसाद के साथ हुआ।

## जरूरतमंदों को किया सिलाई मशीन का वितरण

**हैदराबाद.** माहेश्वरी समाज हैदराबाद, सिकंदराबाद के महिला विभाग द्वारा बेगम बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में तीन जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया। अध्यक्ष शकुंतला नावंदर व मंत्री संतोष भंडारी ने बताया कि जरूरतमंद महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए सिलाई मशीनों का वितरण किया जाता है। यह कार्य गत पांच वर्षों से हो रहा है। इसी कड़ी में लाहोटी परिवार (अंतापुर) द्वारा सौरभ लाहोटी की स्मृति में, नारायणलाल प्रेमलता बाहेती (महाराजगंज) एवं सरस्वतीबाई मूंदड़ा (मट्टी का सेर चार कमान) द्वारा तीन मशीनें प्रदान करने में सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में पुष्पा बूब, मंजू लाहोटी, प्रीता मालपानी, सुशीला नावंदर, शोभा अट्टल, सावित्री दरक, सरस्वतीबाई मूंदड़ा, प्रेमलता बाहेती, निर्मला बंग, शेभादेवी लाहोटी, उषा राठी आदि मौजूद थीं।

**माता पिता का हाथ पकड़कर रखिए...**
**लोगों के पैर पकड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी?**
**'रिश्तों को सहेजना सीखें**

## अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

**गुना.** माहेश्वरी समाज द्वारा अन्नकूट का आयोजन किया गया। इसमें सभी महिलाओं ने छप्पन भोग बनाकर भगवान को भोग लगाया। शाम को एक भव्य भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सभी सदस्यों ने उपस्थित होकर अपना पूर्ण सहयोग दिया।

## महिला उद्यमी मेला 'संकल्प' का आयोजन

**महू.** महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा 'संकल्प' महिला उद्यमी मेले का आयोजन किया गया। इसमें ज्वेलरी, साड़ी, सूट, फूड जोन, दीपावली पर घर की साज सज्जा की सामग्री आदि के स्टॉल लगाए गए। शुभारंभ मंडल अध्यक्ष उमा सोडानी ने किया। मेला संयोजक आशा सोडानी, संगीता बियाणी, कांता सोढानी आदि थीं। लकी ड्रॉ एवं तंबोला का भी आयोजन किया गया। इसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार मंडल द्वारा दिया गया। इस मौके पर संगीता लड्ढा, सीता चिचाणी, रमिला मालानी, प्रेमलता सोढानी, किरण माहेश्वरी आदि उपस्थित थी। आभार मंडल सचिव संगीता सोढानी ने माना। जानकारी प्रचार मंत्री रजनी सोढानी द्वारा दी गई।

## जाजू बनी हरियाणा-पंजाब प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्ष

**लुधियाना.** गत 3 नवंबर को आईसीएआई भवन लुधियाना में हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव मंजू बांगड़ राष्ट्रीय संगठन मंत्री माहेश्वरी महिला संगठन की उपस्थिति में संपन्न हुए। इसमें बहादुरगढ़ की सुमन जाजू को प्रदेश महिला संगठन में अध्यक्ष सर्वसम्मति से चुना गया। श्रीमती जाजू पहले प्रदेश सचिव एवं माहेश्वरी महिला संगठन, बहादुरगढ़ की अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। कार्यकारिणी में फरीदाबाद से सीमा मूंदड़ा प्रदेश सचिव, हिसार से संध्या काबरा कोषाध्यक्ष एवं बहादुरगढ़ से सरोज सारडा संगठन मंत्री सर्वसम्मति से चुनी गईं।

## देश को बदलने में समाज के सहयोग की जरूरत

**जयपुर.** देश को बदलने के लिए सरकार के साथ ही समाज के सहयोग की भी आवश्यकता रहती है। उक्त उद्गार दी एजुकेशन कमेटी ऑफ दी माहेश्वरी समाज की ओर से संचालित शिक्षण संस्थाओं के 84वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने व्यक्त किए। माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष प्रदीप बाहेती ने श्री बिरला का स्वागत किया। समारोह को सांसद रामचरण बोहरा और सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर प्रस्तुत कार्यक्रम में 'आखर से सुनहरी इबारत तक' एक नाट्स बैले प्रस्तुत किया गया। इसमें माहेश्वरी समाज द्वारा '1936 से अब तक जारी शिक्षा यात्रा' का 450 छात्र-छात्राओं द्वारा मंचन किया गया। उल्लेखनीय है कि माहेश्वरी समाज जयपुर द्वारा 9 स्कूल और एक कॉलेज संचालित किए जा रहे हैं, जिसमें 24000 के लगभग विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में समाज की मासिक 'जयपुर माहेश्वरी पत्रिका' के दीवाली विशेषांक का भी श्री बिरला ने लोकार्पण किया।

## वंशिका बनी 'प्रिंसेस ग्लैमर इंडिया'

**बीकानेर.** माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य गजानंद सोमाणी की सुपौत्री व कपिला सोमानी की 7 वर्षीय सुपुत्री वंशिका ने कोटा में आयोजित प्रिंसेस ग्लैमर इंडिया राजस्थान 2019 स्पर्धा में विजयश्री प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। माहेश्वरी महिला समिति बीकानेर की संरक्षिका किरण झंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि पुत्री वंशिका ने न केवल डांस व मॉडलिंग में अपना स्थान बनाया है बल्कि वह इसके साथ-साथ पढ़ाई में भी अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करती रही हैं। श्रीमती झंवर के अनुसार विजेता बनने पर वंशिका को क्राउन एवं स्लैश पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सिनेदृष्टि की कई विख्यात हस्तियां मौजूद थीं।

**थोड़ा बहुत शतरंज का आना भी ज़रुरी है साहब...**
**कई बार सामने वाला मोहरे चल रहा होता है..**
**और हम रिश्तेदारी निभाते रहते हैं..!!**

## जिला सभा के चुनाव संपन्न

**भीलवाड़ा.** जिला माहेश्वरी सभा के सत्र 2019-22 हेतु जिला कार्यसमिति के पदाधिकारियों के चुनाव सत्र 2016-19 के कार्यकारी मंडल सदस्यों द्वारा मांडल में निर्विरोध जिला प्रभारी केंद्रीय चुनाव समिति राधेश्याम सोमानी की देखरेख में हुए। जिला मुख्य चुनाव अधिकारी रोशनलाल तोतला थे। इसमें जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू (शाहपुरा), वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश गट्टाणी (भीलवाड़ा), उपाध्यक्ष राजेश बाहेती (भीलवाड़ा) व कमलकिशोर बांगड़ (जहाजपुर), जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी (भीलवाड़ा) अर्थमंत्री रमेशचंद्र राठी (भीलवाड़ा), संगठन मंत्री सत्यनारायण मंडोवरा (मांडल), संयुक्त मंत्री मुरलीमनोहर गट्टानी (मांडलगढ़), राजेंद्र भदादा (भीलवाड़ा) व महेंद्र कांकाणी (भीलवाड़ा) चुने गए। अध्यक्ष श्री मारू व मंत्री श्री सोमानी को समाज ने पुनः जिम्मेदारी सौंपी। प्रदेश पर्यवेक्षक मुकेश गग्गड़ (बस्सी, चित्तौड़गढ़) थे।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**चंद्रपुर.** माहेश्वरी सेवा समिति चंद्रपुर, माहेश्वरी युवक मंडल व माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा भव्य दिवाली मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वर्ग दसवीं व वर्ग 12वीं में उत्कृष्ट अंकों से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का पुरस्कार देकर सत्कार किया गया। इस कार्यक्रम में युक्ता चांडक, इशिता लड्डा, साक्षी सारडा, नंदिनी धूत आदि विद्यार्थियों का सत्कार किया गया। नवविवाहित वर-वधू तथा जिन विवाहित जोड़ियों के यहां लड़की का जन्म हुआ है उन्हें कन्या रत्न पुरस्कार देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। प्रमुख उपस्थिति वर्धा जिले के प्रख्यात चार्टर्ड अकाउंटेंट सीए राजेंद्र भूतड़ा की रहीं।

## जिला उपाध्यक्ष बने मूंदड़ा

**अकोले.** अहमदनगर जिला माहेश्वरी सभा सन 2019-22 की नूतन कार्यकारिणी में संगमनेर विभाग के उपाध्यक्ष पद पर सोमनाथ मूंदड़ा का निर्विरोध चयन हुआ। श्री मूंदड़ा कृषि विभाग अनुरेखक संगठन के अध्यक्ष, जिला माहेश्वरी सभा के पूर्व उपाध्यक्ष, विरगांव गोशाला के सदस्य, अकोले तहसील माहेश्वरी सभा के सदस्य के रूप में भी सेवा दे चुके हैं।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**जयपुर.** श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन तिलक नगर स्थित माहेश्वरी स्कूल प्रांगण में किया गया। महामंत्री गोपाललाल मालपानी के अनुसार इस अवसर पर श्री बांके बिहारी जी की विशेष झांकी सजाकर पूजा-अर्चना के साथ महाआरती की गई तथा भक्ति संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छप्पन भोग की झांकी भी सजाई गई। आयोजन के मुख्य अतिथि समाजसेवी गिरिराज अजमेरा एवं स्वागताध्यक्ष रामसहाय मानधना थे।

## सामूहिक आंवला पूजन का किया आयोजन

**हैदराबाद.** संस्था संस्कार धारा द्वारा सामूहिक आंवला पूजन का आयोजन किया गया। संस्था की संस्थापिका कलावती जाजू ने बताया कि आंवला पूजन में 80 महिलाओं ने भाग लिया। संस्था अध्यक्ष श्यामा नावंदर व मंत्री अंजना अटल ने बताया कि वहां पर मनोरंजक खेल भी खेलाए गए। आंवला पूजन में आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष रेणु सारडा, मंत्री उर्मिला साबू, सिकंदराबाद से माला लोया व रजनी राठी का योगदान रहा।

## पूर्णिमा पर किया भजन-कीर्तन

**उदयपुर.** पूर्णिमा के पावन प्रसंग पर गट्टाणी परिवार में के सी 4 आदर्श नगर उदयपुर आवास पर साजो संगीत के साथ भजन कीर्तन किया गया। इस दौरान कांता, लीना, किरण गट्टाणी, जयश्री देवपुरा, कल्पना मंडोवरा सहित भजन मंडली व क्षेत्र की महिलाएं मौजूद थीं। अंत में आरती के बाद प्रसाद वितरित किया गया।

## अन्नकूट महोत्सव एवं भजन संध्या

**उज्जैन.** श्री माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में श्री लक्ष्मी नरसिंह मंदिर में अन्नकूट महोत्सव एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें ठाकुरजी को 56 भोग अर्पित किए गए। अध्यक्ष रेखा लड्ढा एवं सचिव उषा भट्टड़ ने बताया कि डिस्पोजेबल का उपयोग नहीं किया गया। कृष्णा जाजू, शारदा भंडारी, मंगला बांगड़, तारा कोठारी, भारती कोठारी, रेखा काबरा, आशा भट्टड़ आदि समस्त महिला मंडल उपस्थित था।

## नवनिर्वाचितों का किया सम्मान

**अकोले.** तहसील माहेश्वरी सभा की ओर से प्रदेश तथा जिला सभा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह जाजू मंगल कार्यालय में सपंन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश संयुक्त मंत्री विट्ठलदास असावा थे। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. शशिकांत पोफळे, जिलाध्यक्ष अनीष मणियार, जिला उपाध्यक्ष सोमनाथ मूंदड़ा, जिला मंत्री अजय जाजू, जिला संयुक्त मंत्री सतीश बाहेती, समाज कल्याण निधि के अध्यक्ष सतीश लाहोटी, अकोले तहसील सभा के अर्थमंत्री रामनिवास राठी मंचासीन थे। इस अवसर पर अकोले तहसील के अध्यक्ष रमेशचंद्र सारडा, उपाध्यक्ष विजय बूब, सचिव अनिल मणियार, विजय राठी, ओमप्रकाश बूब, सुरेश करवा, रमेशचंद्र जाजू आदि के कर कमलों द्वारा मान्यवरों का सम्मान किया गया। सूत्र संचालन व आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष रामनिवास राठी ने किया।

**मनुष्य जीवन को दो मुख्य समस्याएँ हैं:**
**पहली यह जानना है कि**
**शुरूआत कब करना और दूसरी यह जानना**
**कि समाप्त कब करना है?**
**'दूरदृष्टा बनें'**

## क्रिकेट टूर्नामेंट का किया आयोजन

**ईरोड.** समाज एकता द्वारा इंटर समाज टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन बीवीबी स्कूल के मैदान पर किया गया। इसमें अग्रवाल, जैन व माहेश्वरी समाज की कुल 6 टीमों एवं लेडिस की कुल 4 टीमों ने हिस्सा लिया। पुरुष कैटेगिरी में जय महेश टीम विजेता रही। कप्तान कुलदीप मूंदड़ा थे। महिला वर्ग में माहेश्वरी प्लेयर्स उपविजेता रही। कप्तान ममता दम्मानी थी। महिला वर्ग में वूमन ऑफ द टूर्नामेंट प्रीति मूंधड़ा रहीं।

## कुष्ठधाम में मनाई दीपावली

**अहमदाबाद.** नवभारत प्रोफेशनल अकादमी द्वारा दीपावली का त्योहार हर साल की तरह अत्यंत सादगीपूर्वक 'कुष्ठ बंधुओं' के साथ मनाया गया। अकादमी संचालक भरत झंवर, शिक्षक व विद्यार्थियों ने इसमें सहयोग दिया। बूढ़े-बुजुर्ग कुष्ठरोगी बंधुओं का आशीष लेकर तथा उन्हें मिठाई देकर पर्व मनाया गया। इसके द्वारा विद्यार्थियों ने समाज के सामने सामाजिक समता तथा बंधुत्व का संदेश दिया।

## मृत्युपरांत देहदान का लिए संकल्प

**जयपुर.** संस्था देहदान प्रेरणा प्रकल्प द्वारा समाजबंधुओं से मृत्युपरांत देहदान के 10 संकल्प पत्र प्राप्त किए गए। इन देहदानियों में गिरधारीलाल भूतड़ा झोटवाड़ा, कांतादेवी सामरिया जयपुर, अरुणा शारदा जयपुर, सरला साबू जयपुर, राजेंद्र शारदा जयपुर, कृष्णकुमार मोदानी जयपुर, नारायण गट्टाणी जयपुर, प्रेमलता गट्टाणी जयपुर, मुरलीमनोहर शाह (राठी) जयपुर व स्नेहलता तोतला जयपुर शामिल हैं। उक्त जानकारी सुरेंद्र बजाज व जुगलकिशोर सोमाणी ने दी।

**जिस मनुष्य के पास 'समाधान करने की शक्ति' जितनी ज्यादा होती है, उसके 'रिश्तों की सीमाएं' उतनी ही विशाल होती है।**

## जिला सभा के चुनाव संपन्न

अविनाश चांडक

संदीप धूत

**सूरत.** जिला माहेश्वरी सभा के छठवें सत्र (2019-22) हेतु कार्यकारी मंडल, कार्यसमिति एवं पदाधिकारियों की चुनाव प्रक्रिया हाल ही में सर्वसम्मति से संपन्न हुई। इसमें जिलाध्यक्ष अविनाश चांडक, मंत्री संदीप धूत, कोषाध्यक्ष राधेश्याम बजाज, संगठन मंत्री पवन बजाज, उपाध्यक्ष दुर्गाप्रसाद भट्टड़, योगेश भांगड़िया, अशोक राठी, परसराम मूंदड़ा एवं संयुक्त मंत्री अनिल मूंदड़ा, महेश भूतड़ा, सूरजरतन पेड़ीवाल एवं रामअवतार झंवर निर्विरोध निर्वाचित हुए। कार्यालय मंत्री के रूप में मधुसुदन राठी की नियुक्ति गई। इससे पूर्व सूरत जिला माहेश्वरी सभा के अंतर्गत सभी 12 क्षेत्रीय सभाओं की चुनावी प्रक्रिया भी निर्विरोध पूर्ण हुई।

## छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

**रायपुर.** छत्तीसगढ़ प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की नवीन कार्यकारिणी के चयन हेतु चुनावी सभा आयोजित हुई। इसमें आगामी तीन वर्षों के कार्यकाल हेतु भाटापारा निवासी रामरतन मूंधड़ा प्रदेशाध्यक्ष एवं रायपुर के सुरेश मूंधड़ा को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी प्राप्त हुई। चुनाव अधिकारी नरेंद्र लोहिया व उपचुनाव अधिकारी सुशील लखोटिया के अनुसार शांतिपूर्ण हुए चुनाव का कार्य महिला समिति ने संपन्न किया। प्रदेश के 2 उपाध्यक्ष एवं 2 संयुक्त मंत्री भी निर्विरोध निर्वाचित हुए। रायपुर जिले के उपाध्यक्ष एवं संयुक्त मंत्री का स्थान अभी भी रिक्त है।

## पक्षियों की मृत्यु की जांच की मांग

**भीलवाड़ा.** सांभर झील में 10 हजार पक्षियों की अकाल मौत हो जाना प्रदेश की सरकार के लिए शर्म की बात है। पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षियों की रहस्यमयी मौत अफसोसजनक है। पशुपालन और वन विभाग मिलकर भी पक्षियों की मौत का कारण पता नहीं लगा पाए हैं तथा जिम्मेदार अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। श्री जाजू ने आरोप लगाते हुए पक्षियों की मौत के कारणों की उच्चस्तरीय जांच कराने व लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग प्रदेश के मुख्यमंत्री से की है।

# जिला सभा के चुनाव संपन्न

**परभणी.** गत 10 नवंबर को परभणी जिला माहेश्वरी सभा का निर्विरोध पर्यवेक्षक चुनाव प्रदेश उपाध्यक्ष चिरंजीलाल दागड़िया, जिला मुख्य चुनाव अधिकारी गोविंद सोमाणी तथा सहचुनाव अधिकारी गोपाल लड्ढा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसमें जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम मदनलाल धूत परभणी, उपाध्यक्ष व्यंकटेश श्यामसुंदर काबरा सेलू, बालकिशन गंगाप्रसाद दरक परभणी, गोकुलदास सत्यनारायण डाड परभणी, संयुक्त मंत्री ओमप्रकाश बाहेती पालम, किशन बिरला बोरा, विजयकुमार रतनलाल बांगड़ मानवत, संगठन मंत्री कैलाश अजमेरा परभणी, सांस्कृतिक मंत्री शिवप्रसाद सोनी पुणे चुने गए।

# जिला सभा के चुनाव संपन्न

**अलीगढ़.** गत 11 नवंबर को जिला माहेश्वरी सभा की एक अति आवश्यक बैठक में चुनाव अधिकारी गिर्राज गोदानी द्वारा प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षक जयप्रकाश माहेश्वरी सासनी वाले व नरेंद्र माहेश्वरी की देखरेख में चुनाव करवाए गए। इसमें निर्विरोध अध्यक्ष संजीव गोदानी, मंत्री रघुवंश राठी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र माहेश्वरी, संगठन मंत्री योगेश माहेश्वरी व प्रचार मंत्री सुधीर हरकुट चुने गए।

# तिरुपति बालाजी में दीपदान

**इंदौर.** कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर ज्यों ही सूर्य देवता अस्ताचल की ओर बढ़े गुमाश्ता नगर स्थित श्री तिरुपति बालाजी वैंकटेश देवस्थान मंदिर का आंगन टिमटिमाते दीयों की रोशनी से जगमगा उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंच कर दीपदान की परंपरा का निर्वाह किया। मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी पुरुषोत्तम पसारी व रामस्वरूप मूंदड़ा ने बताया कि झालरिया पीठाधीश्वर स्वामी श्री घनश्यामाचार्यजी की पावन प्रेरणा से यह उत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर बाबू झंवर, गोपालदास राठी, विपिन मुछाल, कैलाश लखोटिया, अजय सोमानी आदि कई श्रद्धालु मौजूद थे।

# दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**हावड़ा.** मुख्य अतिथि अजय सादानी आरपीएफ कमिश्नर की उपस्थिति में माहेश्वरी क्लब द्वारा दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। माहेश्वरी क्लब सभापति घनश्याम करनानी ने अतिथियों एवं सदस्यों का अभिनंदन किया। मंत्री नरेंद्र करनानी ने समाज के युवाओं को क्लब से जोड़ने की बात रखी। कार्यक्रम को सफल बनाने में घनश्याम दम्मानी, सोहनलाल बागड़ी, जगमोहन डागा, किशनलाल सोनी, मदनमोहन दम्मानी, विजय ओझा (पार्षद), सपन बर्मन, पुरुषोत्तमदास मूंधड़ा, सुशील गांधी, ओमप्रकाश झंवर, बुलाकीदास मिमानी, गोपालदास चांडक आदि समस्त सदस्यों का योगदान रहा।

# राम लेखन कार्यशाला का सतत आयोजन

**नागपुर.** कविता डागा की राम लेखन कला की कार्यशाला का सतत आयोजन हो रहा है। इसमें अकोला में 7 नवंबर, अकोला वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ खामगांव में 8 नवंबर, अग्रसेन महिला मंडल अमरावती में 9 नवंबर, जय गोविंदा मित्र मंडल एवं बीकानेरी माहेश्वरी मंडल तथा नागपुर में 11 नवम्बर को राजस्थानी महिला मंडल द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें में 700 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। 7 वर्ष के बच्चों से लेकर 80 वर्ष तक के प्रतिभागी शामिल थे। विशेषता यह रही कि सभी समाज के लोगों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि यह राम लेखन कार्यशाला निःशुल्क रहती है।

**'मजबूर' और 'मजबूत' में ज्यादा फर्क नहीं है**
**'स्वार्थी' मनुष्य से दोस्ती करोगे तो**
**वो आपको 'मजबूर' बना देग।**
**और.. 'सच्चे' मनुष्य से दोस्ती करोगे**
**तो वो आपको 'मजबूत' बनाएगा ।।**

# दीपावली मिलन समारोह एवं नवनिर्वाचित महिला संगठन का पदग्रहण समारोह

**इंदौर.** जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं समस्त क्षेत्रीय संगठन द्वारा बनवारीलाल जाजू सभागृह में दीपावली मिलन समारोह एवं नवनिर्वाचित महिला संगठन का पदग्रहण समारोह आयोजित हुआ। अतिथि सोनल जेठा एवं मंजुला मुछाल थीं। संस्था अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा एवं सचिव सुमन सारडा आदि द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। शपथ अधिकारी गीता मूंदड़ा एवं सुशीला काबरा द्वारा जिला संगठन की कार्यसमिति एवं समस्त क्षेत्रीय संगठनों को सामूहिक शपथ दिलाई गई। इसमें 190 सदस्यों ने ''पर्यावरण के साथ दोस्ती करो'' स्लोगन के साथ प्रतिबद्धता की शपथ ली। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमन सारडा एवं सचिव नम्रता राठी ने अपनी पूरी टीम के साथ शपथ ली।

# 10 महिला संगठनों ने ली एक साथ शपथ

**इंदौर.** जहां सौ हाथ मिलते हैं, वहां सौहार्द बनता है। जहां सौ लोग मिलते हैं, वहां सौजन्य बनता है और जहां सौहार्द व सौजन्य दोनों मिलते हैं, वहां सौभाग्य बनता है। उक्त उद्गार माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने माहेश्वरी महिला संगठन इंदौर द्वारा इंदौर के मुख्य महिला संगठन सहित नौ क्षेत्रों के सामूहिक शपथ विधि समारोह के आयोजन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। कार्यक्रम की अतिथि सोनल जेठा ने महिलाओं को टेक्नो फ्रेंडली होने पर जोर देते हुए कहा कि भविष्य में वे ही महिलाएं आगे बढ़ सकेंगी, जो इस क्षेत्र में कुशल होंगी। इस अवसर पर मंजुला मुछाल ने भी संबोधित किया। निवर्तमान संस्था अध्यक्ष प्रमिला भूतड़ा ने सभी के सहयोग का धन्यवाद दिया। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गीतादेवी मूंदड़ा ने सभी संगठनों की 190 महिला सदस्याओं को शपथ दिलाई। साथ ही इस कार्यकाल की थीम 'पर्यावरण के साथ दोस्ती करो' का पालन करने का संकल्प भी लिया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत प्रमिला भूतड़ा, सुमन सारड़ा, पुष्पा मौलासरिया, दमयंती मणियार, डॉ. दीप्ति भूतड़ा व अर्चना माहेश्वरी ने किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुमन सारड़ा व सचिव नम्रता राठी ने अपनी टीम के साथ पद की शपथ ली।

**हम 'चाहे' जितने भी अच्छे काम कर ले,**
**''लेकिन''..**
**याद 'तभी' आएंगे,**
**जब दोबारा 'जरूरत' होगी..!!!**

# कलश को सिंगापुर की छात्रवृत्ति

**जलगांव.** कुमारी कलश पंकज भैया सुपौत्री नवलकिशोर भैया (जलगांव जामोद) को सिंगापुर शिक्षा मंत्रालय की ओर से युवा छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। भारत से मात्र 4 विद्यार्थियों का इसके लिए चयन हुआ है। उनमें से एक कलश है। वह अपनी अगली 4 वर्ष की शिक्षा ग्रहण करने हेतु 2 दिसंबर को सिंगापुर के लिए प्रस्थान करेंगी।

# 10 वर्षीय प्रणय बने झंवर

**जयपुर.** समाज सदस्य प्रशांत मालपानी के सुपुत्र तथा एसी मालपानी के 10 वर्षीय पांचवीं कक्षा में अध्ययनरत पौत्र प्रणय ने बाल दिवस के विशेष अवसर पर 'फर्स्ट इंडिया टीवी' के एक शो में एंकर की भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि प्रणय राघाणी ग्रुप के एक विज्ञापन व इंडिया कीड्स के मॉडलिंग शो में भी भाग ले चुके हैं।

# दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**नागदा.** माहेश्वरी समाज नागदा का दीपावली मिलन समारोह माहेश्वरी भवन जवाहर मार्ग पर संपन्न हुआ। समाज द्वारा ठाकुरजी को 56 भोग लगाया गया व महिला मंडल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डांडियारास गरबा खेल गया व तत्पश्चात आरती की गई। कार्यक्रम का संचालन उपाध्यक्ष घनश्याम राठी ने किया। अध्यक्ष रमेश मोहता ने समाज को संबोधित किया। सचिव मुकेश नवाल ने समाजजनों का आभार माना।

# तुलसी तीरथ कार्यक्रम संपन्न

**वरंगल.** माहेश्वरी महिला मंडल वरंगल द्वारा कार्तिक मास के उपलक्ष्य में सामूहिक तुलसी तीरथ कार्यक्रम का आयोजन गत 08 नवंबर को किया गया। माहेश्वरी महिला मंडल की मंत्री सरिता सोमाणी ने बताया कि यह सामूहिक कार्यक्रम समाज के सभी बंधुओं के सहयोग से संपन्न किया गया। इसके अंतर्गत 7 महिलाओं ने तीन दिन तक सिर्फ तुलसी और तीरथ लेकर उपवास करने का संकल्प लिया। उपवास के तृतीय दिवस को भगवान शालिग्राम जी एवं माता तुलसी के विवाह का आयोजन भव्य रूप से प्रगतिशील मारवाड़ी समाज भवन में किया गया। इसके अंतर्गत भगवान शालिग्राम जी को श्री लक्ष्मीनारायण देवस्थान से श्री रुक्मिणी विट्ठल मंदिर लाया गया। तुलसी विवाह के उपलक्ष्य पर ब्राह्मण भोज का आयोजन भी किया गया। इसमें 51 जोड़े ब्राह्मणों को भोजन करवाकर वस्त्र आदि दक्षिणा विधिवत दी गई। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्षा माधुरी लाहोटी ने मंडल उपाध्यक्ष चंदा सोनी सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

# सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

**इंदौर.** समाजोत्थान की कोई भी योजना महिला संगठन के सहयोग के बिना सफल नहीं हो सकती। उक्त उद्गार माहेश्वरी समाज इंदौर जिला के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेश मूंगड़ ने छत्रीबाग स्थित माहेश्वरी विद्यालय में महिला संगठन द्वारा आयोजित समाज के पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में व्यक्त किए। महिला संगठन की ओर से प्रमिला भूतड़ा व सुमन सारड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों ने तिलक लगाकर उपस्थित समाजजनों का सम्मान किया। इस अवसर पर समाज के मंत्री विजय लड्ढा बाजा, सत्यनारायण बाहेती, बीडी भट्टर, प्रह्लाद सेठ, अमरचंद सोनी आदि उपस्थित थे। आभार प्रचार मंत्री डॉ. दीप्ति भूतड़ा ने व्यक्त किया। माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा समाज के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।

# दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**भीलवाड़ा.** मरूधरा माहेश्वरी संस्थान द्वारा शास्त्रीनगर माहेश्वरी भवन में 'दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम' आयोजित किया गया। संस्थान के सचिव दिनेश राठी ने बताया कि कार्यक्रम में बुजुर्गों का सम्मान, बच्चों की फैंसी ड्रेस काम्पीटिशन, बच्चों के प्रतिभा सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष दामोदर सिंगी ने बताया कि कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा के पूर्व राष्ट्रीय सभापति रामपाल सोनी, वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सोनी, सचिव संदीप काबरा, आर.एल. नौलखा, राधेश्याम चेचाणी, देवकरण गग्गड़, राजेंद्र कचौलिया, लक्ष्मीनारायण डाड आदि ने भी शिरकत की। कार्यक्रम में श्याम चांडक, राधाकिशन सोमाणी, नंदू झंवर, राधेश्याम सोमानी, जगदीश लोहिया, सोहनलाल लढ़ा, अनिल परवाल, गोपाल झंवर, गजानंद बजाज, श्रीवल्लभ चांडक आदि कई समाजजन मौजूद थे। जानकारी सचिव दिनेश राठी ने दी।

# दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**अमरावती.** माहेश्वरी पंचायत द्वारा दीपावली मिलन अन्नकूट समारोह गत 3 नवंबर को मनाया गया। श्री राधाकृष्ण मंदिर में 56 भोग प्रसाद अन्नकूट का रखा गया। पूजा-अर्चना आरती के बाद सरपंच केसरीमल झंवर तथा उनके सहयोगियों तथा समाज के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने प्रसाद वितरण किया। जो मंदिर में आने में समर्थ नहीं हैं, ऐसे लोगों के लिये टिफिन व्यवस्था रखी गई थी जिससे वे भी प्रसाद का लाभ ले सकें। करीब समाज के 4 हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

**पद और पैसा तय नहीं करते कि आप श्रेष्ठ हैं..... बल्कि..... आपके विचार और व्यवहार तय करते हैं कि आप कितने श्रेष्ठ हैं...**

## जागोटिया बने नगर अध्यक्ष

**भीलवाड़ा.** केदार जागेटिया श्रीनगर माहेश्वरी सभा के तीन वर्ष के लिए निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। चुनाव राधेश्याम सोमाणी, रोशनलाल तोतला व तेजकरण बहेड़िया, रतनलाल मंडोवरा के सान्निध्य में हुए। 15 क्षेत्रीय माहेश्वरी सभाओं के 35 कार्यसमिति सदस्य भी निर्विरोध चुने गए व 5 सदस्य अध्यक्षीय कोटे से कार्यकारिणी मंडल के बनाए गए। श्री नगर माहेश्वरी सभा की 11 पदाधिकारियों की कार्यकारिणी व 30 कार्यसमिति सदस्य भी निर्विरोध चुने गए। इनमें मंत्री अतुल राठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम सोमाणी, उपाध्यक्ष गोविंदनारायण राठी, महावीर समदानी, अभिजीत सारडा, संयुक्त मंत्री रामकिशन सोनी, मनोज नवाल, राजेंद्रकुमार काल्या, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद्र बिड़ला व संगठन मंत्री गोपालाल नराणीवाल, कार्यालय मंत्री राधेश्याम अजमेरा चुने गए।

## भोपाल में बनेगा देश का प्रथम वैश्य भवन

**धार.** वैश्य महासम्मेलन मध्यप्रदेश की 24वीं प्रदेश कार्यकारिणी बैठक भोपाल में गत 16 व 17 नवंबर को आयोजित हुई। उक्त बैठक में प्रदेश के महामंत्री महेश माहेश्वरी धार सहित प्रदेश के कई पदाधिकारियों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। श्री माहेश्वरी ने बताया कि भारत का सर्वप्रथम वैश्य भवन रायसेन रोड भोपाल में चार मंजिला बनाया जाएगा। इसका भूमिपूजन दैनिक भास्कर समूह के संचालक एवं वैश्य कल्याण ट्रस्ट अध्यक्ष गिरीश अग्रवाल एवं वैश्य महासम्मेलन के प्रदेशाध्यक्ष उमाशंकर गुप्ता द्वारा किया गया। साथ ही बैठक में वैश्य कैलेंडर वर्ष 2020 का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री व धार संभाग प्रभारी श्री माहेश्वरी ने आजीवन सदस्यों के फॉर्म भी प्रदेशाध्यक्ष को दिए। धार जिले को प्रदेश में 1008 आजीवन सदस्यों वाला जिला घोषित किया गया।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**हैदराबाद.** तेलंगाना पुलिस विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक संतोष मेहरा (आईपीएस) के मुख्य आतिथ्य में राजस्थानी प्रगति समाज का दीपावली सम्मेलन आयोजित हुआ। अतिथि भरत सोनी (आईपीएस), अक्षय काबरा (आईआरएस), प्रगति समाज के मानद मंत्री गोविंद राठी, संयोजक रमेशकुमार बंग उपस्थित थे। कार्यक्रम में सीए लक्ष्मीनिवास शर्मा, सीए एसबी काबरा, रामपाल अट्टल, सोहनलाल कड़ेल, कमलनारायण राठी, गिरधारीलाल डागा आदि कई समाजजन मौजूद थे।

**रिश्तों में निख़ार सिर्फ हाथ मिलाने से नहीं आता, विपरीत हालतों में हाथ थामें रहने से आता है.**

## नानीबाई का मामेरा का आयोजन

**कोट ( रायपुर ).** कस्बे में आयोजित नानीबाई के मायरे में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। आसपास के सभी गांवों से भी श्रद्धालु कथा सुनने को कोट (रायपुर) पहुंचे। इस दौरान 20 मिनट के लिए आई जोरदार बारिश में भी सभी श्रद्धालु भक्ति के रस में भाव विभोर होकर पांडाल में बैठे रहे। बरसात के दौरान माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष प्रदीप चेचाणी व मंत्री अशोक ईनानी एवं माहेश्वरी युवा संगठन के कार्यकर्ता व्यवस्थाओं को चाक चौबंद करते नजर आए। कथा में नरेश चेचानी, अरुण चेचानी, रामवल्लभ चेचानी, अंकित चेचानी ने साधु एवं नरसिंह जी की भूमिका निभाकर इन दृश्यों को जीवंत रूप दिया। इस दौरानसिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को कम से कम करने एवं इस हेतु जागरुकता फैलाने के लिए ग्राम में कपड़े के थेले बांटे गए। सुबह सभी समाजजनों द्वारा संतश्री दिग्विजय रामजी महाराज के सान्निध्य में 200 पौधे लगाकर अपने जन्मोत्सव पर एक पौधा प्रतिवर्ष लगाने एवं उसकी पेड़ बनने तक देखभाल का संकल्प भी लिया गया।

## छत्तीसगढ़ प्रदेश को प्रथम स्थान

**बालोदा ( छग ).** माहेश्वरी महिला संगठन बालोद द्वारा प्रादेशिक स्तर पर गोपालजी सजाओ एवं नोट की पैकिंग स्पर्धाएं आयोजित हुईं। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महिला मंडल उपाध्यक्ष ज्योति राठी थीं। इसमें छग प्रदेश से 22 लोगों ने हिस्सा लिया था। इसमें बेमेतरा की स्मिता श्याम लाखोटिया ने कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्मिता ने बताया कि श्रीकृष्ण की इस झांकी को बनाने में 5 दिनों का समय लगा।

# डॉ. सोमानी का हुआ अभिनंदन

**वरंगल.** स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा स्थानीय प्रगतिशील मारवाड़ी एवं माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट भवन में भारत सरकार में ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया डॉ. वेणुगोपाल गिरधरलाल सोमाणी का अभिनंदन किया गया। माहेश्वरी समाज के मंत्री नवलकिशोर मणियार ने बताया कि डॉ. सोमाणी ने अन्य पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अंतर्गत वरंगल आने पर माहेश्वरी समाज के आग्रह पर इस कार्यक्रम में आने की स्वीकृति प्रदान की थी। कार्यक्रम में डॉ. सोमाणी का अभिनंदन पारंपरिक रूप से शॉल-पगड़ी, हार, श्रीफल और सम्मान-पत्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी समाज अध्यक्ष संपतकुमार लाहोटी द्वारा संदेश में डॉ. सोमाणी का आभार व्यक्त किया गया।

# 'बूझो तो जानें' कार्यक्रम का आयोजन

**अहमदाबाद.** माहेश्वरी सखी संगठन अहमदाबाद द्वारा 'बूझो तो जानें' कार्यक्रम का आयोजन माहेश्वरी प्रगति मंडल, गिरधर नगर शाहीबाग में किया गया। इसमें कार से 'ट्रेजर हंट' और 'कार डेकोरेशन 'काम्पीटिशन मुख्य आकर्षण रहे। ट्रेजर हंट में आठ टीम थी और हर टीम में चार प्रत्याशी ने भाग लिया। कार डेकेरेशन में हर टीम को 1.30 घंटे में थीम के अनुसार कार सजानी थी। बाकी मेंबर्स के लिए ज्ञानवर्धक गेम का आयोजन किया गया। ट्रेजर हंट के विजेता प्रथम उर्मिला कलंत्री, उषा सोमानी, सरिता लाहोटी, वंदना बिड़ला तथा कार डेकेरोशन के विजेता प्रथम राजश्री बागड़ी, सुषमा डागा, जया जेठा, मनीषा सांवल रहीं। संगठन की निर्देशिका का विमोचन डॉ. पूरवी राठी द्वारा किया गया। उक्त जानकारी अध्यक्ष नीलिमा मालू, सचिव दीपा धूत द्वारा दी गई।

# प्रोफेशनल फोरम की कार्यकारिणी गठित

**भीलवाड़ा.** एक निजी रिसोर्ट में आगामी सत्र हेतु माहेश्वरी प्रोफेशनल फोरम की कार्यकारिणी का गठन समाज के वरिष्ठ लोगों के बीच किया गया। नवीन कार्यकारिणी में संरक्षक राधेश्याम चेचानी और जगदीश कोगटा को मनोनीत किया गया है। साथ ही अध्यक्ष प्रदीप लाठी, सचिव सीए सुनील सोमानी, उपाध्यक्ष महेश देवपुरा, सहसचिव निशा सोनी, संयुक्त सचिव ललित पोरवाल, मीडिया प्रभारी आलोक पलौड़, सोशल मीडिया प्रभारी सोनेश काबरा, कोषाध्यक्ष मनोज चेचानी एवं कनुप्रिया बंग, नवीन कोगटा तथा नवनीत तोतला को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया।

# दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**हैदराबाद.** माहेश्वरी सेवा संघ सिकंदराबाद के दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम के अवसर पर सिकंदराबाद समाजबंधुओं के लिए गोल्ड कार्ड लांच किया गया। शुभारंभ समाजसेवी गोपाल बल्दवा ने किया। सभी का स्वागत संघ के अध्यक्ष गोपाललाल बंग ने किया। कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मूंदड़ा, संयोजक बालाप्रसाद नावंदर, महिला मंडल अध्यक्ष सुनीता मंत्री, युवा मंडल के लड्डू गोपाल बंग ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मंत्री पीडी जाखोटिया ने बताया कि सिकंदराबाद में निवास करने वाले बंधुओं के लिए गोल्ड कार्ड योजना लागू की गई है। इसके माध्यम से कई ऑफर एवं डिस्काउंट प्राप्त किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में माहेश्वरी सेवा संघ, माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी युवा संगठन, माहेश्वरी युवती संगठन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

**हैदराबाद.** श्री बालाजी राजस्थानी मंडल, अमीरपेट का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम अमीरपेट स्थित श्री बालाजी राजस्थानी भवन में संपन्न हुआ। मंडल सचिव श्यामसुंदर सोनी ने बताया कि सर्वप्रथम कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत भक्कड़ ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। अध्यक्ष गुलाबसिंह राजपुरोहित, श्री बालाजी राजस्थानी मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष किशन मूंदड़ा, मंडल के आजीवन ट्रस्टी श्रीनिवास सोनी, जीके काबरा व मुख्य अतिथि नवनीत काबरा मंचासीन थे। मंचासीन अतिथियों का माला, शॉल व पगड़ी द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर मंडल के पूर्व अध्यक्ष वासुदेव काबरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन लोहिया, उपाध्यक्ष श्रीकांत भक्कड़, सचिव श्यामसुंदर सोनी, कोषाध्यक्ष बालाप्रसाद लड्ढा, कार्यकारिणी सदस्य आदित्य मानधना, आशीष माहेश्वरी, लक्ष्मीकांत झंवर, जयप्रकाश सोमानी आदि कई समाजजन मौजूद थे।

**कलम तभी साफ साफ और अच्छा लिख पाती जब वो थोड़ा झुक कर चलती है,ठ**
**ही हाल ज़िन्दगी में इंसान का है, बस समझ लोगों को देर से आता है।**

## गोपाष्टमी पर किया गोपूजन

**हावड़ा.** स्थानीय नागरिक समिति द्वारा गोपाष्टमी पर हजारों की संख्या में पुरुष-महिलाओं एवं बच्चों ने गौ-पूजन, एवं गौआरती की। समाजसेवी किशनगोपाल मोहता ने गौमाता की महिमा के बारे में बताया। अतिथि प्रकाश जैन, उमेश राय, देवकिशन मूंदड़ा एवं गीता राय मौजूद थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से हावड़ा नागरिक समिति अध्यक्ष घनश्याम करनानी, प्रकाश अग्रवाल, श्यामलाल खैतान, आशादेवी अग्रवाल, जमना हेड़ा आदि ने अपना योगदान दिया। मंच संचालन रेखा मिमानी ने किया।

## बसेर अध्यक्ष व मूंदड़ा मंत्री

**मांडलगढ़.** 10 नवंबर को हुए तहसील माहेश्वरी सभा मांडलगढ़ के निर्विरोध चुनाव संपन्न हुए। इसमें रमेशचंद्र बसेर को अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष सतीशचंद्र सोमानी बरूंदनी, मंत्री मानसिंह मूंदड़ा मांडलगढ़, संयुक्त मंत्री रामेश्वर मूंदड़ा बीगोद, संगठन मंत्री गोपाल सोमानी वरुधनी, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश लड्ढा माल का खेड़ा चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन हुआ।

## माहेश्वरी गर्जना का विमोचन

**परली बैजनाथ ( जिला बीड़ ).** दीपावली पाड़वा के शुभ अवसर पर मारवाड़ी एवं हिंदी भाषा में प्रकाशित मासिक पत्रिका माहेश्वरी गर्जना का विमोचन संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में जयप्रकाश कलंत्री भूतपूर्व जिलाध्यक्ष माहेश्वरी सभा बीड़, रामानंद लड्ढा संपादक साप्ताहिक माहेश्वरी भूषण व दैनिक गंगोत्री माया माजलगांव, चंदूलाल बियानी जिलाध्यक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस बीड़, सुरेंद्र बियानी (चैरिटी कमिश्नर औरंगाबाद), नंदकिशोर तोतला (भूतपूर्व जिला सचिव माहेश्वरी सभा, शिवप्रसाद भूतड़ा चेयरमैन जय महेश प्रालि माजलगांव, जयप्रकाश लड्ढा नगर परिषद सदस्य परली बैजनाथ, कमलकिशोर लड्ढा कार्यकारी संपादक सप्ताहिक माहेश्वरी भूषण, एडवोकेट रमेशचंद्र जैथलिया आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

## कोगटा अध्यक्ष, लोहिया सचिव

**भीलवाड़ा.** जिला माहेश्वरी महिला संगठन के चुनाव माहेश्वरी भवन नागौरी गार्डन में संपन्न हुए। अध्यक्ष अनिला अजमेरा ने बताया कि सीमा कोगटा को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया व प्रीति लोहिया को निर्विरोध सचिव चुना गया। सरस्वती रांधड़, चंदा नामधर ने चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई।

## संगमनेर पहुंची सोनी टीम

**संगमनेर.** अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के अध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी तथा उनके सहयोगियों ने संपर्क अभियान के तहत देश के 27 प्रदेश में 45 हजार किमी का भ्रमण किया। इस अभियान का शुभारंभ 3 नवंबर को हुआ, तो समापन 23 नवंबर को होगा। इसके तहत महासभा अध्यक्ष श्री सोनी तथा संदीप काबरा, आरएल काबरा, अजय काबरा, अशोक बंग व सुरेंद्र मानधने ने अहमदनगर जिले के संगमनेर तथा अहमदनगर में समाजजनों से भेंट की। संगमनेर में मालपाणी हाउस तथा अहमदनगर में मोहनलाल मानधना के निवास स्थान पर उनका स्वागत किया गया।

## कोठारी बने पार्षद

**उदयपुर.** सीए आशीष कोठारी उदयपुर नगर निकास के वार्ड 25 से भारी मतों से पार्षद निर्वाचित हुए। श्री कोठारी मिलनसार और हंसमुख समाज सेवी के रूप में बहुत लोकप्रिय रहे हैं। श्री माहश्वेरी टाईम्स के प्रतिनिधि मुरलीधर गट्टानी सहित समाज के कई गणमान्यजनों ने उनका अभिनंदन किया।

**सवाल जहर का नहीं था..**
**वो तो मैं पी गया,**
**तकलीफ लोगों को तब हुई,**
**जब मैं जहर पी के भी जी गया.**

## माधुरी सुदा को पद्मश्री पुरस्कार

**अमरावती.** गत दिनों शिर्डी (महाराष्ट्र) में 12वें अभा प्रतिभा सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें जगदीश सुदा की पुत्रवधू माधुरी स्व. श्री आशीष सुदा को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

## माहेश्वरी महिला गौरव की सेवा

**उदयपुर.** माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा ओरियंट पैलेस में गरबा रास का आयोजन किया गया। इसी क्रम में पर्यावरण बचाओ प्लास्टिक हटाओ अभियान में शामिल होकर माहेश्वरी महिला गौरव द्वारा सभी को कपड़े के थैले वितरित किया गया। इस मौके पर संरक्षित कौशल्या गट्टानी, जनक बांगड़, आशा नरानीवाल, सीमा लाहोटी आदि मौजूद थीं। बाल दिवस पर माहेश्वरी महिला गा।रव द्वारा यूरो किड्स स्कूल में बाल दिवस का आयोजन भी किया। सभी बच्चों को गिफ्ट व खाने-पीने का सामान प्रदान किया गया। बच्चों को तरह-तरह के गेम्स खिलाए। इस मौके पर सरिता न्याती, आशा नरानीवाल, कला गट्टानी, रेणु मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

## संपादक मंडल का अभिनंदन

**परतुर.** स्थानीय समाज द्वारा गत 21 वर्षों से समाज के मुखपत्र 'माहेश्वरी मंत्र' मासिक का प्रकाशन किया जा रहा है। इसके सफल संपादन के लिए संपादक नंदलाल राठी तथा श्याम सोनी का अभिनंदन उनके रिश्तेदारों तथा मित्र परिवारों द्वारा किया गया।

'मुस्कुराना' सीखना पड़ता है ...!
'रोना' तो पैदा होते ही आ जाता हैं


With Best Compliments From

Sunil Sarda

Sumit Sarda

**SRI BALAJI BEARING CORPN.**

(House of all types of Bearings & Manufacturer of Conveyer Rollers)

*Stockist for -* **ZKL, URB, China**
*Distributor for -* **China Pillow Block**
*Manufactures of -* **Conveyer Rollers, Guide Rollers, Cone Rollers, Rubber Rollers,Drum Pully**

# 5-5-79/G-1G, Sri Srinivasa Commercial Complex,
Ranjigunj, Secunderabad (Telangana)-03
Ph. : (O) 040-66381050, M. 9849010850, 9985516422
E-mail : sunilmsarda@gmail.com

हार्दिक शुभकामनाएं.....

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ग्रेड-ए
सच्चा साबू एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

## पनपालिया अध्यक्ष, मोदाणी जिला सचिव

पवन पनपालिया

प्रशांत मोदाणी

**आर्णी.** यवतमाल जिला माहेश्वरी संगठन की हाल ही में दिग्रस में सभा हुई। जिला नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। आर्णी के पवन पनपालिया अध्यक्ष तो दिग्रस के प्रशांत मोदाणी सचिव पद पर निर्विरोध रूप से चयन किया गया। चुनाव अधिकारी एड श्याम भट्टड तथा सह चुनाव अधिकारी विनोद पनपालिया ने चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करवाई। पूरी कार्यकारिणी का भी निर्विरोध निर्वाचन हुआ।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**इंदौर**। माहेश्वरी समाज संयोगितागंज इन्दौर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह का आयोजन 2 नवम्बर को स्थानीय माहेश्वरी भवन नवलखा पर आयोजित किया गया। किसी भी समाज द्वारा पारम्परिक आयोजन हिन्दू संस्कृति को निरंतर आगे बढ़ाने में पूर्ण योगदान देता है माहेश्वरी समाज का देश की आर्थिक स्थिति एवं समग्र विकास में बड़ा योगदान रहता है, माहेश्वरी समाज सदैव देश के विकास में अग्रणिय रहने वाला समाज है, माहेश्वरी समाज जैसे सभी समाजदेश के चहुमुखी विकास में आगे आये जिससे समाज मजबूत हो तो राष्ट्र सुद्रढ़ एवं मजबूत होगा। अध्यक्षता समाज अध्यक्ष मुकेश असावा ने की। समाज मंत्री केदार हेड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर भवन के नवीन कार्यालय का शुभारंभ इन्दौर शहर की महापौर मालिनी गौड़, क्षेत्रीय विधायक आकाश विजयवर्गीय, इन्दौर जिला समाज अध्यक्ष राजेश मूंगड़, महेश सार्वजनिक ट्रस्ट के अध्यक्ष मुकुटबिहारी झंवर व मंत्री अश्विन लखोटिया के द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र में निवासरत समाजजन, इन्दौर जिला एवं सभी क्षेत्रों के पदाधिकारी एवं वरिष्ठजन का साथ युवा एवं महिला शक्ति सपरिवार अन्नकूट एवं दीपावली मिलन समारोह में शामिल हुए।

## 2 लाख परिंदों का जीवन बचाएं

**भीलवाड़ा.** पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने विश्वविख्यात सांभर झील में मौजूद लगभग 2 लाख विदेशी व देशी परिंदों को बचाने के जतन करने की गुहार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से लगाई है। उन्होंने बताया कि सर्द ऋतु शुरू हो चुकी है व 50 से अधिक प्रजातियों के लगभग एक लाख विदेशी पक्षी और आने वाले हैं। जिन पर भी मौत का खतरा मंडरा रहा है। सरकार द्वारा परिंदों की मौत का आंकड़ा 20 हजार बताया जा रहा है जो झूठा है, जबकि इसके अतिरिक्त 30 हजार से अधिक परिंदे भी मौत के मुंह में समा गए हैं, जिनके शव नजर नहीं आ रहे हैं। ये खारे पानी में घुल चुके हैं।

## दिव्या बनीं मिसेस इंडिया

**श्री डूंगरगढ़.** समाज के वरिष्ठ भंवरालाल बिहानी की पौत्रवधू तथा राजकुमार, कैलाश व प्रकाश की बहू एवं आकाश की पत्नी दिव्या बिहानी 'मिसेज इंडिया 2020 में विजेता के तौर पर पहचान बनाई है। अपनी पहचान अहमदाबाद स्थित उम्मेद पैलेस होटल में चली स्पर्धा में देशभर से 100 ज्यादा महिलाएं फाइनल में पहुंची थीं।

## सुखी रहने के 7 सूत्रों का आयोजन

**इंदौर।** शांति और सुख का अनुभव वस्तुओं से नहीं होता, मन की सोच से होता है। यह उद्‌गार स्वामी मुकुन्दानंद जी ने ए.बी. रोड़ इन्दौर स्थित मां आंनदमयी आश्रम में आंतरिक खुशी एवं सफलता के सात सूत्र विषय पर आयोजित आलोकिक व्याख्यान में कहीं वे श्री माहेश्वरी समाज संयोगितागंज, इन्दौर एवं माहेश्वरी समाजपूर्वी क्षेत्र इन्दौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित व्याख्यानमाला में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुकेश असावा, केदार हेड़ा, ओमप्रकाश पसारी, संजय मानधन्या, दिनेश मण्डोवरा, नन्दकिशोर अटल ने स्वामी जी का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजक गोविन्द गिलड़ा, राधेश्याम सोमानी, सुनील कुमार खण्डेलवाल, दीपक भूतड़ा, सौरभ राठी ने स्वामीजी का शॉल श्रीफल से सम्मान किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से रामेश्वरलाल असावा, राजेश मूंगड़, विजय लड्ढा सहित कई वरिष्ठ समाज बन्धु भी उपस्थित थे।

**'न मैं गिरा**
**और न मेरी उम्मीदों के मीनार गिरे..!!**
**पर.. लोग मुझे गिराने में कई बार गिरे...!!'**

# निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं सेनेटरी नेपकिन मशीन भेंट

**उज्जैन.** लायंस क्लब उज्जैन महाकाल एवं लायंस क्लब उज्जैन अनंता ने शासकीय कन्या माध्यमिक छात्रावास की लगभग 190 छात्राओं का नेत्र परीक्षण कर पीड़ित छात्राओं के अगले परीक्षण एवं निःशुल्क चश्मा वितरण की जिम्मेदारी लेने के साथ पौधारोपण आदि कर बच्चों को कैंसर विषय पर जागरूक रहने के लिए उपस्थित डॉक्टर द्वारा जानकारी दी गई एवं उनके खून की जांच भी निःशुल्क की गई। यह जानकारी क्लब अध्यक्ष लायन कैलाश डागा ने दी। इस अवसर पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन आनंदकांत भट्ट, बलवीरसिंह साहनी, डिस्ट्रिक्ट कैबिनेट सचिव लायन राकेश शर्मा, रीजन चेयरमैन राजशेखर शर्मा, जोन चेयरमैन देवाशीष रॉय, क्लब सदस्य कैलाश डागा, अजीत बैराठी, पुष्पेंद्र जैन, श्याम माहेश्वरी, गुरदीप सैनी, संजीव गाडगिल क्लब अनंता से अंजू जैन, अनीता डागा सहित अन्य क्लबों के भी सदस्य मौजूद रहे। क्लब द्वारा छात्रावास में सेनेटरी नेपकिन मशीन भेंट की गई। कार्यक्रम का संचालन लायन श्याम माहेश्वरी ने किया।

*पूरा हो न सका ये अलग बात है...*
*दिखाने वाला तेरा*
*हर एक ख्वाब लाजवाब था.*

# पश्चिमी यूपी माहेश्वरी सभा के चुनाव संपन्न

**अलीगढ़.** पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के चुनाव में दोबारा अध्यक्ष का ताज कमलेंद्र माहेश्वरी (मुजफ्फनगर) के सिर पर सजा है, जबकि प्रदेश मंत्री पद पर सुभाष बाहेती (बिल्सी, बदायूं) विजयश्री रहे। बाकी पदों पर उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए। जीटी रोड स्थित जंक्शन फंक्शन में मुख्य चुनाव अधिकारी राकेश मोहता और चुनाव पर्यवेक्षक विनीता बाहेती (दिल्ली) की देखरेख में अध्यक्ष और मंत्री पद के लिए चुनाव हुए। वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोदचंद केला (मेरठ), उपाध्यक्ष विनोद राठी (सराहनपुर), महेंद्र डागा (आगरा), सुरेंद्र केला (कासगंज), संगठन मंत्री अजय माहेश्वरी (मोदी नगर), कोषाध्यक्ष नवनीत माहेश्वरी (छर्रा, अलीगढ़), संयुक्त मंत्री अजय दीवान (मथुरा), गोपाल माहेश्वरी (गाजियाबाद) व मुकेश माहेश्वरी (कांठ, मुरादाबाद) चुने गए।

# राजस्थानी महिला मंडल के चुनाव संपन्न

बीना बोहरा मंजू लाहोटी चंचल सोनी

**वरंगल.** राजथानी महिला मंडल के चुनाव गत 16 नवंबर को प्रगतिशील मारवाड़ी समाज के भवन में निर्विरोध संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी संपतकुमार लाहोटी एवं विष्णुकुमार बल्दवा थे। अध्यक्ष बीना बोहरा, सह अध्यक्ष इंद्रा मणियार, देवकन्या सोनी, मंत्री मंजू लाहोटी, सह मंत्री पूनम खंडेलवाल, अनिता मानधनी, कोषाध्यक्ष चंचल सोनी, सह कोषाध्यक्ष कविता सोनी, सांस्कृतिक मंत्री माधुरी डोंडिया, सह सांस्कृतिक मंत्री अर्चना सारड़ा सर्वसम्मति से चुनी गईं। कार्यकारिणी सदस्याओं का भी चयन किया गया।

*With Best Compliments from...*

*Sri Arun Laddha*
*Director*

JRL
GROUP
Creating Wealth
Preserving Values

*Sri Jodh Raj Laddha*
*Chairman*

**J. R. Laddha Financial Services Pvt. Ltd.**

**The Trusted Corporate Financial Advisor For Last Four Decades**

- Wealth Management
- Corporate Finance
- Investment Banking

Our focus has always been on twin aspects of preserving Values in business and creating wealth for our customers.

**Corporate Office**

5th Floor, Nehru Center, Worli, Dr. Annie Basant Road, Mumbai - 400 018
Ph.:(022) 4025 9000 Fax: +91 22 4025 9001

**Registered Office**

"Everest House", 8th Floor, 46C, Jawaharlal Nehru Road, Kolkata 700 071 Ph.:(033) 2288 2990/91/93 Fax: +91 33 2288 2994

**BRANCH OFFICE : NEW DELHI**

*info@jrladdha.in • www.jrladdha.in*

# महासमर में 'सेवा' के लिये

# महासंग्राम

## परिवर्तन
## या
## फिर वही?

समाज के शीर्ष संगठन अ.भा. माहेश्वरी महासभा के आगामी 29वें सत्र हेतु ''सेवा'' के लिये ''चुनावी जंग'' की तैयारी हो चुकी है। इसमें सेवा पथ के महायोद्धा अपनी-अपनी टीम के साथ आकर तैयार हो चुके हैं। इस चुनाव में महासभा के शीर्ष सभापति पद के साथ ही कार्यकारिणी के कुल 14 पदों पर चुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनावी महासमर में समाज सेवा ही इन योद्धाओं की शक्ति होगी और लक्ष्य होगा समाज का सर्वांगीण विकास। आईये डालें एक नजर इस ''सेवा पथ'' के ''महासमर'' में बिछी बिछात पर चुनावी मैदान में तैयार महायोद्धाओं के व्यक्तित्व, सेवा और उनके भावी लक्ष्य पर।

## सभापति पद के लिए नये उम्मीदवार

# रामअवतार जाजू

इस बार अ.भा. माहेश्वरी महासभा के "चुनावी रण" में इंदौर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी रामअवतार जाजू अपनी उत्कृष्ट सेवाभावना के साथ चुनावी मैदान में उतरे हैं। इस पद के लिये वैसे तो वे नये उम्मीदवार हैं, लेकिन समाज के लिये नये नहीं हैं। अपनी 70 वर्ष की जीवन यात्रा में श्री जाजू ने अपनी तमाम व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद दीर्घ अवधि से सतत् समाज को अपनी सेवा दी है। श्री जाजू व्यावसायिक रूप से दाल उत्पादन व वितरण से संबंधित हैं। श्री जाजू ने अपना व्यावसायिक जीवन सन् 1965 में, मध्यप्रदेश के इंदौर शहर से प्रारम्भ किया। इसके 12वें वर्ष सन् 1977 में महाराष्ट्र राज्य के जलगाँव में प्रथम दाल मिल इकाई की स्थापना की। इस व्यवसाय का सफलता पूर्वक नेतृत्व और संचालन करते हुए न केवल दाल मिलों की संख्या में वृद्धि की बल्कि निर्यात के क्षेत्र में भी अपने कार्यक्षेत्र का विस्तार विश्व के लगभग 40 देशों तक किया। वर्तमान समय में इनकी दाल मिलों की संख्या 7 है। इंदौर, जलगाँव व मुंबई से संचालित इनके व्यवसाय आदर्श ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज को सामूहिक रूप से आदर्श ग्रुप के नाम से जाना जाता है, वे इस ग्रुप के चेयरमेन पद पर आसीन हैं। आदर्श ग्रुप की प्रमुख कंपनी 'आदर्श ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड' भी है, जिसे भारत सरकार द्वारा एक 'निर्यात सदन' के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। इस कंपनी के माध्यम से उच्च गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ तथा मसालों आदि का निर्यात भी विश्व के लगभग 40 देशों को किया जाता है। श्री जाजू अनेक विश्व व्यापार सम्मेलनों में भी भाग ले चुके हैं। अपनी इस व्यावसायिक सेवा के लिये श्री जाजू "राष्ट्रीय निर्यात पुरस्कार", "भारतीय उद्योग रत्न", "निर्यात श्री गोल्ड ट्रॉफी", "रजत ट्रॉफी" आदि से सम्मानित हो चुके हैं।

### पिता से मिली सेवा की प्रेरणा

श्री जाजू का जन्म 25 जुलाई 1949 को स्व. श्री जयनारायण जाजू के यहाँ हुआ था। आपके पिताश्री ने आज से 56 वर्ष पूर्व ब्यावर में श्री बालमंदिर बालिका विद्यालय की स्थापना की थी, तबसे निरंतर संचालित इस विद्यालय की वर्तमान कार्यकारिणी में श्री जाजू मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं। इस विद्यालय में अध्ययनरत सभी समाजों की बालिकाओं की संख्या वर्तमान में 2500 तक पहुंच गई है। साथ ही आपने अपने जीवनकाल में अनेक धार्मिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं में सक्रियता से योगदान दिया तथा अनेक संस्थाओं के अध्यक्ष व अन्य पदों पर रहे। आपने कई सार्वजनिक धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजनों में विशेष भूमिका निभाई। अपने पिता स्व. श्री जयनारायणजी जाजू के पद चिह्नों पर चलते हुए अपने कर्मपथ पर विभिन्न सामाजिक पदों और दायित्वों की समर्पित भाव से सेवा कर रहे हैं। रोटरी क्लब, श्री अहिल्या माता गौशाला इंदौर, समन्वय परिवार इंदौर, ब्रह्मर्षि वेद विद्यापीठ पुष्कर, केद्रम ऑफ ट्रामवल सोसायटी, देवी अहिल्या वेद विद्यालय, श्री महर्षि वेद व्यास प्रतिष्ठान पुणे, श्री भारतीय संस्कृति शिक्षण संस्थान इंदौर आदि कई संस्थाओं से सम्बद्ध होकर अपनी सतत सेवा देते रहे हैं।

### समाज को दी सतत् सेवा

महासभा के 23 वें सत्र के अर्थमंत्री के रूप में अपनी पहचान रखने वाले श्री जाजू अ.भा. माहेश्वरी महासभा से 20 वें सत्र में कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में सम्बद्ध हुए और 22 वें तथा 24 वें सत्र में भी अपनी सेवा दी। 21 वें, 25 वें, 26वें, 27 वें तथा 28 वें सत्र में कार्य समिति सदस्य रहे। वे श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र के संस्थापक सदस्य हैं व वर्ष 1999-2007 तक कोषाध्यक्ष रहे। महासभा के 27 वें सत्र में माहेश्वरी बोर्ड नागपुर के चेयरमेन रहे। ए.बी. माहेश्वरी एजुकेशन ट्रस्ट व श्री महेश जनसेवा ट्रस्ट इंदौर के चेयरमेन के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। चंदीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र भीलवाड़ा व श्री जयनारायण जाजू चेरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के प्रबंध न्यासी, श्री माहेश्वरी जनकल्याण ट्रस्ट इंदौर के संस्थापक ट्रस्टी तथा ए.बी. माहेश्वरी एजुकेशन एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट कोटा के सचिव व ट्रस्टी हैं। अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर, श्रीमती केसर बाई सोनी माहेश्वरी छात्रावास मुंबई, श्रीमती लक्ष्मीदेवी बालचंद मोदी बालिका छात्रावास कोटा, श्री रुक्मिणी चतरा माहेश्वरी महिला सशक्तिकरण ट्रस्ट, म.प्र. पश्चिमांचल माहेश्वरी पारमार्थिक न्यास इंदौर, अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट द्वारिका आदि कई संस्थाओं से भी सम्बद्ध हैं।

### चुनावी दंगल में स्थिति

कॉमर्स स्नातक श्री जाजू लंबे समय से अपने व्यवसाय के साथ ही विभिन्न सेवा संस्थाओं को भी नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। उनके कुशल प्रबंधन व सबको साथ लेकर चलने के स्वभाव की समाज में मिसाल दी जाती है। स्वभाव से वे अनुशासन पसंद अवश्य हैं, लेकिन उनका सेवा संस्थाओं में प्रबंधन का तरीका कार्पोरेट ढंग से अत्यधिक कठोर नहीं है। वे सभी के विचार जानकर चलना पसंद करते हैं। समाज में श्री जाजू की विशिष्ट छवि पद्मश्री बंशीलाल राठी की तरह "कलेक्शन मास्टर" के रूप में भी है। श्री जाजू ने महासभा में अर्थमंत्री तथा श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र में कोषाध्यक्ष रहते हुए कोष वृद्धि में जो योगदान दिया था, वह उनके लिये अत्यंत सकारात्मक है। श्री जाजू महासभा की योजनाओं में अपनी इस क्षमता का भरपूर योगदान दे सकते हैं। श्री जाजू पूर्व में सभापति पद पर नहीं रहे हैं। अतः उनसे नाराज कोई पक्ष भी नहीं है। ऐसे में परिवर्तन की सोच उन्हें अवसर प्रदान करवा सकती है।





## सभापति पद के लिए फिर उम्मीदवार

# श्यामसुन्दर सोनी

वर्तमान 28 वें सत्र के सभापति श्यामसुंदर सोनी भी इस चुनावी जंग में पुनः सभापति पद के उम्मीदवार हैं। श्री सोनी 27 वें सत्र में महामंत्री रहे एवं 28 वें सत्र में सर्वसम्मति से सभापति निर्वाचित हुए। वैसे तो वे इस पद पर 3 वर्ष अपनी सेवा दे चुके हैं लेकिन उनका सपना है, अपने द्वारा प्रारंभ योजनाओं को पूरा करना। श्री सोनी पूर्व सभापति रामपाल सोनी की तरह सतत् दूसरे सत्र के लिये चुनावी मैदान में उतरे हैं। बी.टेक तक उच्च शिक्षा प्राप्त श्री सोनी व्यावसायिक रूप से उद्यमी हैं और मात्र नायलोन रोप के कारखाने से प्रारंभ श्री सोनी का व्यवसाय उनकी तीक्ष्ण सूझबूझ व असीम प्रतिभा के कारण वटवृक्ष की तरह विस्तारित होता गया तथा कॉटन यार्न के लिए नागपुर के साथ जबलपुर, बुरहानपुर, मालेगांव आदि में आपके कार्यालय कार्यरत हैं। श्री सोनी इस समय न्यू पोर्ट ट्रेडलिंक एंड लॉजिस्टिक प्रालि के चेयरमेन तथा पाइसेस कंटेनर्स लाईंस (इंडिया) प्रा.लि. के डायरेक्टर हैं। उनके व्यवसाय की लगभग सभी प्रमुख शहरों व बंदरगाहों पर शाखाएं हैं। श्री सोनी वर्तमान में अपनी अधिकांश व्यावसायिक जिम्मेदारी पुत्र शरद को सौंपकर अपना अधिकांश समय समाज को ही दे रहे हैं।

### बचपन से ही राजनीति देखी पर खुद उतरे नहीं

श्री सोनी के पिताजी अपने परिवार के साथ ननिहाल की जिम्मेदारी भी सम्भाल रहे थे। अतः वे व उनके भाई नागपुर में ही स्थापित हो गये। यहीं पर 2 अक्टूबर 1953 को श्री मदनलाल सोनी के यहाँ श्यामसुंदर सोनी का जन्म हुआ। 22 वर्ष की अवस्था में महाराष्ट्र के दिग्रस में श्री माणिकलाल बंग की सुपुत्री उषा के साथ परिणय सूत्र में बंध गये। रूढ़िवादिता के विरोध के रूप में उनके विवाह में पर्दा प्रथा का पूर्ण निषेध ही रहा। बचपन से श्री सोनी पारिवारिक तौर पर राजनीतिक माहौल में रहे और कॉलेज शिक्षा के दौरान भी छात्र राजनीति में सक्रिय रहे। अतः श्री सोनी का राजनीति की ओर रुझान हमेशा ही रहा, लेकिन विवाह के बाद न सिर्फ पिताजी बल्कि धर्मपत्नी ने भी राजनीति में बढ़ते उनके कदमों को रोककर उन्हें समाजसेवा में सक्रिय होने के लिये प्रेरित किया। यह उनके योगदानों का ही नतीजा है कि श्री सोनी अत्यंत कम आयु में ही समाज की सेवा से सम्बद्ध हो गये।

### कार्यकर्ता से समाज सेवा की शुरुआत

श्री सोनी ने मात्र 19 वर्ष की अवस्था में सन् 1972 में कोलकाता अधिवेशन के दौरान एक सामान्य कार्यकर्ता के रूप में समाज संगठन को अपना योगदान देना प्रारंभ किया तो फिर उनकी यह सेवा यात्रा कभी थमी नहीं। प्रारंभ में युवा संगठन से 18वें सत्र के दौरान कार्यसमिति सदस्य के रूप में जुड़े तो फिर युवा संगठन विदर्भ प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष, राष्ट्रीय अर्थमंत्री तथा 20वें सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। इसके पश्चात महासभा से भी जुड़े और 21वें सत्र में विदर्भ प्रादेशिक सचिव, 22वें सत्र में महासभा के कार्यसमिति सदस्य, 23वें सत्र में संगठन मंत्री तथा फिर 24वें व 26वें सत्र में महामंत्री रहे। युवा संगठन से जुड़ाव के कारण श्री सोनी की प्रतिष्ठा युवा वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में रही है। इसके पश्चात वर्तमान 28 वें सत्र में सभापति के रूप में सेवा दे रहे हैं।

### चुनावी दंगल में स्थिति

श्री सोनी युवा संगठन से लंबे समय से सम्बद्ध रहे हैं। अतः उनकी सबसे बड़ी शक्ति युवा वर्ग का साथ है। वर्तमान में महासभा में भी उनके समय के कई युवा साथी सक्रिय हैं, यह उनके लिये सकारात्मक पक्ष है। वे वर्तमान सत्र में महासभा के सभापति रहे हैं। अतः अपने इस कार्यकाल में किये गये कार्य उनकी उपलब्धियों में शामिल हैं। ये कार्य श्री सोनी के लिये सकारात्मक व नकारात्मक दोनों ही भूमिका निभाएँगे। इस सत्र में महासभा ने कई नये ट्रस्टों व योजनाओं की शुरुआत की। यह इनके कार्यकाल की उपलब्धि है, लेकिन इनमें से जो आम समाजजन तक नहीं पहुंच पायी वे नकारात्मक प्रभाव भी प्रकट करेंगी। इस सत्र का सबसे बड़ा काम सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण है, जिसके आधार पर "सामाजिक आर्थिक विकास की योजनाएँ" तैयार की जाएँगी। इस सर्वेक्षण को मतदान के अधिकार से भी जोड़ दिया गया है। सूत्रों की जानकारी पर विश्वास करें तो यह सर्वेक्षण अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। ऐसे में इससे कई समाजजन मतदाता सूची से ही बाहर हो गये हैं। यह स्थिति श्री सोनी को नुकसान पहुंचा सकती है।

# लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
# हमारी वेबसाइट है
# इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

**माहेश्वरी समाज के लिए**
**60 हजार से अधिक**

**जैन समाज के लिए**
**70 हजार से अधिक**

**अग्रवाल समाज के लिए**
**1 लाख से अधिक**

**Website**
**www.maheshwari.org**
**www.jain2jain.org**
**www.agarwal2agarwal.org**

Registration Free

Registration Free

## अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

# श्यामसुंदर मंत्री

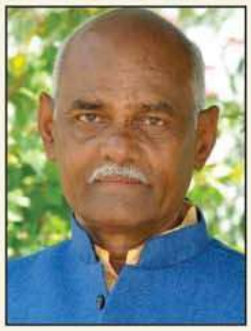

जाजू पैनल की ओर से महामंत्री पद हेतु अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में निर्विरोध पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री रहे श्यामसुंदर मंत्री प्रत्याशी हैं। कुचामन सिटी (राजस्थान) निवासी श्री मंत्री का जन्म 26 नवंबर 1955 को स्व. श्री कल्याणचंद्र व श्रीमती रामेश्वरी देवी मंत्री के यहां हुआ। श्री मंत्री एक ऐसे ख्यात समाजसेवी हैं, जिन्हें विकलांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है। स्नातक तक शिक्षित श्री मंत्री मार्बल व्यवसाय से संबद्ध हैं। धर्मपत्नी शोभा मंत्री तथा 1 पुत्र व 2 पुत्रियां भी उनकी सेवा गतिविधियों में सहयोगी बने हुए हैं। श्री मंत्री को रक्तदान जागरुकता के लिए भी राज्यपाल तथा भास्कर समूह द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। संयुक्त मंत्री के रूप में पश्चिमांचल का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने जो कार्य किए वे इस चुनाव में उनके लिए सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

## समाजसेवा में योगदान

श्री मंत्री कई समाजसेवी संस्थाओं से संबद्ध होकर अपना योगदान दे रहे हैं। इसके अंतर्गत प्रदेश मंत्री मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, संयोजक पश्चिमांचल सामाजिक आचार संहिता एवं अनुशासन समिति (महासभा), संयुक्त महामंत्री राजस्थान प्रदेश वैश्य महासम्मेलन, अध्यक्ष नारायण सेवा संस्थान शाखा कुचमान सिटी, अध्यक्ष श्री कुचामन गोशाला, अध्यक्ष श्री जनकल्याण ट्रस्ट, प्रांतीय सभापति जल संरक्षण लायंस प्रांत 323 ई-2, उपाध्यक्ष कुचामन विकास समिति कुचमान सिटी, ट्रस्टी श्री कुचामन पुस्तकालय, संरक्षक भारतीय संगीत सदन के साथ कार्यकारिणी सदस्य कुचामन महाविद्यालय व जिला सदस्य बंधक श्रमिक सतर्कता समिति नागौर के रूप में भी सेवा दे चुके हैं। वर्तमान में वे महासभा के पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं।

## विशिष्ट योगदान

व्यापार जगत में कामयाबी के पश्चात लायंस क्लब कुचामन सिटी की सदस्यता ग्रहण की एवं नगर क्षेत्र में अंधत्व निवारण तथा अन्य सेवा प्रकल्पों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 1999 में नारायण सेवा संस्थान की शाखा के संस्थापक अध्यक्ष बने व पोलिया शल्य चिकित्सा के माध्यम से पूरे क्षेत्र को पोलिया मुक्त कराकर ही दम लिया। रक्त का महत्व समझते हुए रक्तदान जागरूकता में विशेष रुचि ली एवं कुचमान नगर को स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में पूरे प्रदेश में एक अलग पहचान दिलाई। वैश्य संगठन एवं माहेश्वरी समाज में वृहद स्तर पर प्रतिभावान छात्रों के सम्मान एवं कॅरियर गाईडेंस शिविर आयोजित किए। वर्ष 2008 से 2013 तक नागौर जिला माहेश्वरी सभा के जिलाध्यक्ष रहे एवं इस अवधि में अनेकों समाज हित के प्रकल्प संपादित किए गए। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के महामंत्री रहे। कुचमान विकास समिति द्वारा संचालित महाविद्यालय में विद्यार्थियों के खेल संवर्द्धन हेतु नागौर जिले के प्रथम इंडोर स्टेडियम में अंशदान कर अपने स्व. पिताश्री कल्याणचंद मंत्री के नाम से इंडोर स्टेडियम बनवाया। श्री कुचामन गौशाला के अध्यक्ष के रूप में गौशाला की लगभग 400 बीघा भूमि पर बाउंड्रीवॉल का निर्माण करवाया एवं लावारिस गायों की पालन संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि की। गर्भस्थ शिशु संरक्षण के लिए अध्यक्ष के रूप में भ्रूणहत्या बंद करवाने के लिए लगातार जनआंदोलन चलाया।

# संदीप काबरा

सोनी पैनल की ओर से महासभा के वर्तमान 28वें सत्र के निर्विरोध महामंत्री संदीप काबरा पुनः इसी पद के उम्मीदवार हैं। उनकी टक्कर जाजू पैनल के श्यामसुंदर मंत्री से है। श्री काबरा की पहचान लंबे समय से युवा संगठन से जुड़े होने के कारण समाज में वर्तमान में भी युवा नेता के रूप में है। छात्र जीवन के दौरान राजस्थान के इतिहास में वर्ष 1989 में दस जमा दो पद्धति के खिलाफ हुए सबसे बड़े छात्र आंदोलन में छात्र संगठन के प्रदेश महासचिव के रूप में भी श्री काबरा ने इसका नेतृत्व किया था।

## समाजसेवा में योगदान

श्री काबरा महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में महामंत्री हैं तथा 27वें सत्र में संगठन मंत्री एवं महासभा के 26वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य रहे हैं। वर्ष 2010-12 में अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर में प्रबंध समिति सदस्य, वर्ष 2000-09 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन में कार्यकारी मंडल सदस्य, वर्ष 1992-2000 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन व वर्ष 1992-2000 में राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारी मंडल सदस्य, वर्ष 2000-03 में अभा माहेश्वरी युवा संगठन कार्यसमिति सदस्य, माहेश्वरी पंचायत जोधपुर सदस्य तथा श्री माहेश्वरी भवन जोधपुर में प्रबंध समिति सदस्य, वर्ष 2007-12 में भी माहेश्वरी पंचायत सभा जोधपुर में सहवृत सदस्य रहे हैं।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री काबरा ने महासभा के 27वें सत्र के संगठन मंत्री के रूप में महासभा की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी का नतीजा था कि उन्हें 28वें सत्र में सर्वसम्मति से महामंत्री निर्वाचित किया गया। वर्तमान सत्र में उन्होंने महामंत्री पद की जिम्मेदारी निभाई। अब मतदाता तय करेंगे कि उन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन कितनी सफलता के साथ किया। इस सत्र में उन्होंने वर्तमान कार्यकारिणी के 'सेनानायक' की तरह अपना योगदान दिया है। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण जोधपुर महासम्मेलन आदि के आयोजन में इन्होंने अहम भूमिका निभाई। अतः उनके इन कार्यों के सकारात्मक व नकारात्मक दोनों परिणाम चुनावों में नजर आऐंगे।

# माणकचंद काबरा

जाजू पैनल की ओर से महासभा के इस चुनाव में कोषाध्यक्ष पद पर मुंबई व सूरत में 38 वर्षों से प्रैक्टिस कर रहे ख्यात सीए माणकचंद काबरा प्रत्याशी हैं। यदि सोनी पैनल ने सीए को इस पद का प्रत्याशी बनाया है तो श्री माणकचन्द काबरा भी इसी योग्यता व अनुभव को रखते हुए उनके सशक्त प्रतिद्वंद्वी हैं। अपनी व्यस्ततम सेवाओं के बावजूद श्री काबरा लंबे समय से विभिन्न समाज संगठनों से संबद्ध होकर अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं। समाज संगठन में उनकी पहचान मुंबई प्रदेश माहेश्वरी सभा के सतत 2 वर्षों से कार्यरत सफल प्रदेशाध्यक्ष के रूप में है।

## समाजसेवा में योगदान

श्री काबरा गत 40 वर्षों से समाज संगठनों को अपनी सेवा दे रहे हैं। समाज में उनकी पहचान एक उत्कृष्ट कॅरियर मार्गदर्शक के रूप में भी है। माहेश्वरी प्रगति मंडल मुंबई की व्यवस्थापिका सभा में 14 वर्ष का कार्यकाल रहा, जिसमें सदस्य, 2 वर्ष संयुक्त मंत्री एवं 2 वर्ष अर्थमंत्री के रूप में कार्य किया। माहेश्वरी प्रगति मंडल के न्यास मंडल के सदस्य के रूप में गत 15 वर्षों से कार्यरत हैं। मुंबई प्रदेश माहेश्वरी सभा में गत 15 वर्षों से सक्रियता से कार्यरत रहते हुए प्रोफेशनल सेल (अभा माहेश्वरी महासभा) के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री, प्रदेश मंत्री एवं वर्तमान में गत 2 सत्र से प्रदेशाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। गत 15 वर्षों से अ.भा.माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल के सदस्य भी हैं।

## अन्य विशिष्ट योगदान

माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे के कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में लगभग 8 वर्ष से कार्यरत हैं एवं गत 2 वर्षों से प्रबंधकारिणी के सदस्य हैं। मंडल द्वारा संचालित एलएल मूंदड़ा होस्टल की स्थानीय समिति के गत 10 वर्ष तक सदस्य रहे एवं वर्तमान में पदेन सदस्य हैं। इसके साथ ही माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल के अंतर्गत ऐरोली, नवी मुंबई में निर्माणाधीन महिला छात्रावास धन संग्रह समिति के संयोजक के रूप में कार्य कर रहे हैं। आपने मात्र तीन माह में 6.5 करोड़ के आश्वासन दानदाताओं से प्राप्त कर लिये हैं। माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल पुणे के अंतर्गत स्कॉलर अवार्ड कमेटी 2019-20 के मार्गदर्शक एवं पदेन सदस्य भी हैं। वेस्ट इंडिया रीजनल कौंसिल ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेट्स को सबकमेटी मेंबर के रूप में सेवा दे रहे हैं। काबरा परिवार कुलमाता सेवा समिति के गत 16 वर्षों से प्रबंधक न्यासी हैं। उन्होंने वर्ष 2015-16 में महाराष्ट्र राज्य के कई जिलों में भीषण सूखे की स्थिति में मुंबई प्रदेश के समाजबंधुओं से धन संग्रह कर पीड़ितों की सहायता करवाई थी।

# रामेश्वरलाल काबरा

सोनी पैनल की ओर से अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र के कोषाध्यक्ष मुंबई निवासी सीए रामेश्वरलाल काबरा पुनः इसी पद के प्रत्याशी हैं। 18 जून 1951 में चित्तौडगढ़ (राजस्थान) में जन्में 68 वर्षीय श्री काबरा डायरेक्ट लॉ, इंटरनेशनल टैक्स प्लानिंग, कंपनी लॉ, कार्पोरेट टैक्सेशन, पब्लिक व प्राइवेट सेक्टर ऑडिट्स आदि क्षेत्र के एक ऐसे विशेषज्ञ हैं, जिनकी विशेषज्ञता का लाभ 35 से अधिक देशों के उनके क्लाइंट ले रहे हैं। इतना ही नहीं देश की कई ख्यात बैंकें ही नहीं बल्कि शासन ने भी उनकी विशेषज्ञता का सम्मान करते हुए आवश्यकता होने पर हमेशा ही उनकी सेवा ली है। महासभा को भी इन्होंने अपनी ऐसी ही विशिष्ट सेवाएं देने का अपने कार्यकाल में प्रयास किया है।

## समाजसेवा में योगदान

अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद श्री काबरा समाजसेवा में अपना योगदान देने में भी कभी पीछे नहीं रहे। वर्ष 1999-2003 में मेवाड़ माहेश्वरी मंडल मुंबई अध्यक्ष व वर्ष 2003-05 में ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन रहे। वर्तमान में वर्ष 2006 से अभा माहेश्वरी महासभा में प्रोफेशनल सेल के संयोजक, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के उपाध्यक्ष हैं। इसके साथ ही महासभा के होस्टलों को संचालित करने वाले अभा माहेश्वरी एजुकेशनल ट्रस्ट, श्री बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केंद्र व श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं को ट्रस्टी के रूप में महत्वपूर्ण सेवा दे रहे हैं। कोषाध्यक्ष के रूप में तो महासभा के वर्तमान सत्र में सेवा दे ही रहे हैं।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री काबरा रेपीड मेट्रो (गुड़गांव) लि., रेपीड मेट्रो (गुड़गांव साउथ) लि. गुड़गांव व दिल्ली तथा रामकी इन्वायरो इंजी. लि. हैदराबाद जैसी पारिवारिक कंपनियों में स्वतंत्र डायरेक्टर पद की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके साथ ही एशियन ऑइल फील्ड लि. बिरला पेरुचित्र सहित कई कंपनियों को डायरेक्टर के रूप में सेवा दे रहे हैं। व्यावसायिक रूप से ग्लोबल कन्सल्टिंग फर्म के चेयरमेन भी हैं। डायरेक्ट टैक्स, टैक्स प्लानिंग, कंपनी लॉ आदि विषयों पर अपने आलेखों द्वारा भी श्री काबरा मार्गदर्शन दे रहे हैं। आईसीएआई की विभिन्न समितियों में सदस्य के रूप में भी अपना अति-महत्वपूर्ण योगदान रहे हैं।

## संगठन मंत्री पद पर आमने-सामने

# कमल भूतड़ा

जाजू पैनल की ओर से संगठन मंत्री पद पर अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के पूर्व अध्यक्ष कमल भूतड़ा सशक्त प्रत्याशी हैं। अपने युवा संगठन अध्यक्ष के सफल कार्यकाल के कारण उनकी ख्याति आम समाजजन तक भी पहुंची है। 12 नवम्बर 1976 को आर.आर. ग्रुप के ख्यात उद्यमी श्री रामरतन-सुशीला भूतड़ा के यहाँ जन्मे श्री भूतड़ा ने बी.कॉम. तक शिक्षा ग्रहण की और अपने पैतृक उद्योग में संलग्न हो गये। वर्तमान में कमल भूतड़ा आर.आर. ग्रुप के मेनेजिंग डायरेक्टर हैं और टेक्सटाईल एवं लेमिनेट उद्योगों का संचालन कर रहे हैं। औद्योगिक संस्थाओं के अन्तर्गत दी सर्दन गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, दी साउथ टेक्सटाईल प्रोसेसर्स एसोसिएशन तथा दी सचिन इण्डस्ट्रीज कॉ-आपरेटिव सोसायटी लि. के सदस्य हैं।

### समाज सेवा में योगदान

श्री भूतड़ा अपने सेवा के पारिवारिक संस्कारों के कारण वर्ष 1993 से ही लियो क्लब के माध्यम से समाजसेवा से सम्बद्ध हो गये थे, लेकिन समाज संगठन में शुरुआत वर्ष 1995 से हुई। वर्ष 1996 में संस्थापक अध्यक्ष के रूप में माहेश्वरी क्लब सूरत की शुरुआत की। प्रारंभ में उसके मात्र 10-15 सदस्य ही थे। श्री भूतड़ा ने इसके लिये सघन जनसम्पर्क किया। इसका परिणाम यह रहा कि धीरे-धीरे लोग जुड़ते चले गये और कारवां बढ़ता ही चला गया। बाबरी मस्जिद कांड के बाद उन्होंने देश की अखंडता के लिये भव्य साईकिल रैली निकाली, जिसमें बड़ी संख्या में आम नगरवासी शामिल हुए। वर्ष 2006-09 तक गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी युवा संगठन के उपाध्यक्ष तथा वर्ष 2009-12 तक अध्यक्ष रहे। उनके उपाध्यक्षीय कार्यकाल में संगठन ने कच्छ में आये भूकंप के पीड़ितों के पुनर्वास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में युवा संगठन द्वारा आयोजित अ.भा.क्रीड़ा प्रतियोगिता की मेजबानी की। अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन को सातवें सत्र से राष्ट्रीय कार्यकारी सदस्य के रूप में सतत् सेवा दे रहे हैं। दसवे सत्र में राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री के रूप में भी अपना योगदान दिया। इसके पश्चात 11वें सत्र में सर्वसम्मति से अ.भा. माहेश्वरी युवा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

### अन्य विशिष्ट योगदान

वर्ष 2009 से 2014 तक श्री माहेश्वरी भवन समिति, सूरत के सफल अध्यक्ष रहे। इसके साथ ही श्री भूतड़ा श्रीकृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र, माहेश्वरी विद्यापीठ, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, अ.भा. माहेश्वरी एजुकेशन एवं चेरिटेबल ट्रस्ट (माहेश्वरी होस्टल कोटा, भिलाई, इंदौर), अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन (पुष्कर), श्री माहेश्वरी सेवा कुंज (द्वारिका), श्री माहेश्वरी समाज अतिथि गृह (सोमनाथ), श्री माहेश्वरी भवन बालासोर (उड़ीसा), अ.भा. माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट (लोहार्गल भवन), वैश्य महासम्मेलन, राजस्थान चेरिटेबल ट्रस्ट, श्री श्यामबाबा मंदिर (सूरत), सिविल हॉस्पिटल सूरत के साथ ही भारत भर की सैकड़ों समाजसेवा व लोक कल्याण संस्थाओं को ट्रस्टी रूप में सेवायें दे रहे हैं। बीकानेर के रोग निदान सेवा ट्रस्ट से अध्यक्ष के रूप में सम्बद्ध होकर श्री भूतड़ा सरकारी अस्पतालों में आने वाले रोगियों की सेवा के प्रति तन-मन-धन से समर्पित हैं। इस ट्रस्ट द्वारा रोगियों व उनके परिवारजनों को मात्र 5 रुपए में भरपेट शुद्ध सात्विक भोजन उपलब्ध करवाया जाता है।

# अजय काबरा

सोनी पैनल से अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में संगठन मंत्री रहे अजय काबरा पुनः 29वें सत्र के लिए भी इसी पद के प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में हैं। भदौही निवासी श्री काबरा समाज संगठन में विभिन्न पदों पर रहे हैं, लेकिन फिर भी उनकी विशिष्ट पहचान समाजसेवी के साथ प्रतिष्ठित व्यवसायी के रूप में भी है। महासभा के गत दो सत्रों में श्री काबरा कार्यकारी मंडल सदस्य रहे हैं। उनको समाज संगठन में जब उन्हें उत्तरांचल के संयुक्त मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई, जो उन्होंने बखूबी निभाई थी। यह चुनाव यह सिद्ध करेगा कि श्री काबरा वर्तमान सत्र में संगठन मंत्री के रूप में कितने सफल रहे हैं। संगठन मंत्री पद के दौरान उन्होंने वृंदावन में सभी प्रदेशों की कार्यसमिति व कार्यकारी मंडल की बैठक करवाई।

### समाजसेवा में योगदान

श्री काबरा समाज के विभिन्न संगठनों से संबद्ध होकर अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद अपना योगदान देने का प्रयास कर रहे हैं। इसके अंतर्गत श्री काबरा पूर्वी उप्र माहेश्वरी सभा से वर्ष 2007-10 में सचिव तथा श्री महेश सेवा ट्रस्ट से वर्ष 2010-13 में सचिव के रूप में संबद्ध रहे हैं। समाज के शीर्ष संगठन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा से 25वें सत्र से ही कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संबद्ध हैं और 26वें सत्र में भी कार्यकारिणी सदस्य रहे। धर्मपत्नी उषा काबरा पूर्वी उप्र माहेश्वरी महिला संगठन की सचिव रही हैं। महासभा के 27वें सत्र में श्री काबरा उत्तरांचल संयुक्त मंत्री रहे और वर्तमान सत्र में महासभा के संगठन मंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

श्री काबरा माहेश्वरी समाज के साथ-साथ अन्य समाजसेवी गतिविधियों में भी सक्रिय रहे हैं। इसके अंतर्गत लायंस क्लब भदौही वरुणा में वर्ष 1987 से चार्टर्ड मेंबर तथा एमजेएफ मेंबर हैं। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ई के वर्ष 2000-03 में जोन चेयरपर्सन व वर्ष 2004-05 में रीजन चेयरपर्सन रहे। व्यावसायिक संगठनों के अंतगर्त वर्ष 2004-06 एवं वर्ष 2006-08 तक दो सत्रों में ऑल इंडिया कार्पोरेट यॉर्न स्पिनर्स एंड डीलर्स एसोसिएशन के महासचिव रहे तथा इसी संगठन में वर्ष 2010-12 में उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारियों का निवर्हन किया। धर्मपत्नी श्रीमती काबरा वर्ष 2011-12 में लायंस क्लब भदोही वरुणा की अध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2012-13 में लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ई में श्रीमती काबरा जोन चेयरपर्सन रही हैं।

# पवनकुमार मंत्री

जाजू पैनल की ओर से पूर्वांचल उपसभापति पद पर बिहार-झारखंड प्रदेश सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रांची निवासी पवनकुमार मंत्री चुनावी मैदान में है। श्री मंत्री का जन्म 9 नवंबर 1953 को झारखंड (तत्कालीन बिहार) के जिला गुमला (तत्कालीन जिला रांची) में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा गुमला में तथा विवि की उच्च शिक्षा रांची में हुई। फिर परिवहन व्यापार गुमला में शुरू किया, जिसका बाद में रांची में मुख्य कार्यालय बना। अतः व्यावसायिक कारणों से वे सपरिवार रांची में निवास करने लगे।

## समाजसेवा में योगदान

श्री मंत्री अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद वर्ष 1983 से समाज को अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं। वे वर्ष 1983 में स्थानीय माहेश्वरी सभा से कार्यकारिणी सदस्य के रूप में संबद्ध हुए तो फिर समाज ने उनकी सेवाओं की सराहना शुरू कर दी। इसी का यह परिणाम है कि उन्होंने समाज संगठनों में स्थानीय व जिला स्तर पर कई पदों पर सेवा दी। फिर सत्र 2010-13 में बिहार-झारखंड प्रदेश सभा अध्यक्ष के रूप में अपनी समर्पित सेवा दी। अभा माहेश्वरी महासभा से कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में भी संबद्ध हैं।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री मंत्री की सेवाएं सिर्फ समाज तक ही सीमित नहीं रहीं। उन्होंने कई सामाजिक एवं व्यावसायिक संस्थाओं जैसे मारवाड़ी सहायक समिति, फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, वनवासी कल्याण केंद्र, रेडक्रॉस सोसाइटी, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, नागरमल मोदी सेवा सदन अस्पताल आदि को अपनी सेवा दी हैं। वर्तमान में व्यावसायिक क्रियाकलापों को पुत्रों को सौंपकर उनका मार्गदर्शन करने के साथ बचा हुआ समय पूरी तरह सामाजिक कार्यों में समर्पित कर रखा है।

# कैलाश काबरा

सोनी पैनल की ओर से स्व. श्री रामकरण काबरा के यहां 15 जनवरी 1957 को जन्मे गुवाहाटी (असम) निवासी कैलाश काबरा पूर्वांचल से उपसभापति पद के प्रत्याशी हैं। इसके पीछे उनका लक्ष्य असम का महासभा में प्रतिनिधित्व करना है।

श्री काबरा खाद्य तेल के वृहद व्यवसाय व उद्योग से संबंधित हैं।

श्री काबरा स्वयं तो गत 30 वर्षों से सततृ रूप से समाज को अपनी समर्पित सेवा दे ही रहे हैं। साथ ही उनकी धर्मपत्नी सरला काबरा भी अपना सक्रिय योगदान दे रही हैं। श्रीमती काबरा स्थानीय महिला समिति तथा पूर्वोत्तर स्तर पर मंत्री रही हैं और वर्तमान में अभा माहेश्वरी महिला संगठन में पूर्वांचल की उपाध्यक्ष के रूप में सेवाएं दे रही हैं। उन्होंने लगातार दो सत्रों तक अभा मारवाड़ी महिला संगठन की अध्यक्ष के रूप में भी सराहनीय योगदान दिए हैं।

# पुरुषोत्तमदास मूंधड़ा

जाजू पैनल की ओर से पूर्वांचल संयुक्त मंत्री पद पर कोलकाता निवासी पुरुषोत्तमदास मूंदड़ा सोनी पैनल के श्यामसुंदर राठी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरे हैं। स्व. श्री गिरधारीलाल मूंधड़ा के यहां 7 जून 1959 को जन्मे श्री मूंधड़ा बीकॉम तक शिक्षित होकर कोरियर तथा रियल ईस्टेट व्यवसाय से संबद्ध हैं। दीर्घ अवधि से समाज संगठनों के साथ उनका जुड़ाव इस चुनावी समर में उनके लिए संबल सिद्ध होगा।

## समाजसेवा में योगदान

श्री मूंधड़ा वैसे तो एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में लंबे समय से समाज से संबद्ध रहे हैं, लेकिन वर्ष 1998 से जिम्मेदारियों का दौर प्रारंभ हुआ। इस वर्ष वे माहेश्वरी सभा कलकत्ता के उपमंत्री बने, फिर वर्ष 1990-91 में सेवा समिति के मंत्री रहे। अभा माहेश्वरी महासभा के वर्ष 2002-2013 तक कार्यकारी मंडल सदस्य रहे तथा वर्ष 2016 से पुनः कार्यकारी मंडल सदस्य हैं। मध्य कलकत्ता माहेश्वरी सभा के मंत्री तथा अध्यक्ष रहे। वृहत्तर कलकता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के वर्ष 2006-2009 तक सहमंत्री रहे हैं। माहेश्वरी सभा कलकता के वर्तमान में भी मंत्री हैं।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री मूंदड़ा का विशिष्ट लगाव माहेश्वरी संगठनों से ही रहा। यही कारण हैकि वे लंबे समय से समाज संगठनों में विभिन्न पदों पर अपनी सेवा देते रहे हैं। जिन पदों पर भी रहे श्री मूंधड़ा ने संगठन स्तर पर संचालित विभिन्न समाज हित की योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने में निःस्वार्थ भाव से अपना योगदान दिया। उनकी ये सेवाएं इस चुनाव में भी उनके लिए सकारात्मक सिद्ध होंगी।

# श्यामसुंदर राठी

सोनी पैनल की ओर से माहेश्वरी सभा हावड़ा के अध्यक्ष श्यामसुंदर राठी मध्यांचल संयुक्त मंत्री पद के प्रत्याशी हैं। बीकॉम तक शिक्षित श्री राठी का जन्म 19 मई 1959 को श्री बलदेवचंद राठी तथा श्रीमती गीतादेवी राठी के यहां हुआ था। श्री राठी कोलकाता में अपने व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। नौखा (बीकानेर) राजस्थान का मूल निवासी उनका परिवार वर्तमान में हावड़ा में निवासरत है। कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में आपकी छवि एक ऐसे समाजसेवी के रूप में है, जिनमें विशिष्ट प्रबंधन क्षमता है।

## समाजसेवा में योगदान

श्री राठी अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं व माहेश्वरी सभा हावड़ा के अध्यक्ष भी हैं। माहेश्वरी सभा हावड़ा को श्री राठी मंत्री तथा उपाध्यक्ष के रूप में सेवा भी दे चुके हैं। महासभा को 25वें सत्र से लेकर 27वें सत्र तक कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में सेवा दे चुके हैं। माहेश्वरी युवा मंच हावड़ा को अध्यक्ष तथा वृहत्तर कोलकाता प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन को उपाध्यक्ष तथा कोषाध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री राठी श्री गवरजा माता हावड़ा समिति के संरक्षक, माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट हावड़ा के संस्थापक ट्रस्टी व पूर्व अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। उनकी विशिष्ट नेतृत्व क्षमता वर्ष 2008 में समाज ने देखी। इस वर्ष हावड़ा में युवा महाधिवेशन का आयोजन हुआ। माहेश्वरी युवा मंच अध्यक्ष के रूप में उस आयोजन का प्रबंधन करने का उन्हें मौका मिला। इसमें उन्होंने संस्था के कार्यालय की स्थापना भी की। इस सफल आयोजन के फलस्वरूप माहेश्वरी युवा मंच हावड़ा को सर्वश्रेष्ठ अंचल के रूप में सम्मानित किया गया।

## उत्तरांचल उपसभापति पद पर आमने-सामने

# प्रेमचंद माहेश्वरी

जाजू पैनल की ओर से उत्तरांचल उपसभापति पद पर प्रेमचंद माहेश्वरी उम्मीदवार हैं। श्री माहेश्वरी की पहचान बुलंदशहर के ऐसे समाजसेवी के रूप में है,जो गत 10 वर्षों से अभा माहेश्वरी महासभा में कोलकाता का सशक्त प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। 64 वर्षीय श्री माहेश्वरी का जन्म स्व. श्री मोतीलाल माहेश्वरी के यहां पर हुआ था। श्री माहेश्वरी का बचपन संघर्षमय गुजरा। पिता जी के देहावसान इनके जन्म से 4 माह पूर्व ही हो गया था। अतः मां ने ही तमाम संघर्षों के साथ श्री माहेश्वरी व इनके भाई-बहनों का लालन-पालन किया। इंटरमीडिएट तक शिक्षित श्री माहेश्वरी थोक कपड़ा व्यवसाय में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। उनकी धर्मपत्नी आभा माहेश्वरी भी समाजसेवा में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान दे रही हैं।

### समाजसेवा में योगदान

श्री माहेश्वरी अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद गत 20 वर्षों से समाज को अपनी निःस्वार्थ सेवा दे रहे हैं। इसके अंतर्गत 9 वर्ष तक माहेश्वरी सेवक समाज बुलंदशहर के अध्यक्ष तथा 6 वर्ष जिला अध्यक्ष रहे हैं। इसके साथ अभा माहेश्वरी महासभा में कोलकाता प्रदेश की ओर से सतत गत 9 वर्षों से अ.भा. माहेश्वरी महासभा में कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इस चुनाव में भी समाज के गरीब वर्ग के उत्थान का लक्ष्य लेकर चुनाव मैदान में उतरे हैं।

### विशिष्ट सेवा

श्री माहेश्वरी 4 वर्षों तक बहुजन समाज पार्टी बहिचर कमेटी वैश्य समाज के अध्यक्ष रहे हैं। पश्चिम उप्र उद्योग व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष, व्यास शिक्षा समिति बुलंदशहर व बाल शिक्षण समिति जहांगीराबाद के कार्यकारिणी सदस्य, भारत विकास परिषद बुलंदशहर व श्याम सेवा समिति के अध्यक्ष रहे हैं। इसी प्रकार मंगला करम सेवा समिति बुलंदशहर व श्याम मंदिर समिति सदस्य तथा चमेलीदेवी हाईस्कूल बुलंदशहर के कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी सेवा दे चुके हैं। प्राकृतिक विपदाओं जैसे बाढ़ आदि के समय अर्थसंग्रह कर आपने तन-मन-धन से पीड़ितों की सेवा की है।

# अशोक सोमानी

सोनी पैनल की ओर से अभा माहेश्वरी महासभा के 28वें सत्र में उत्तरांचल के निर्विरोध उपसभापति रहे रेवाड़ी (हरियाणा) निवासी स्टोन व्यवसायी अशोक सोमानी फिर इसी पद पर चुनावी मैदान में उतरे हैं। 28 नवंबर 1953 को स्व. श्री आरडी सोमानी के यहां जन्मे अशोक सोमानी क्षेत्र के प्रतिष्ठित स्टोन निर्यातक हैं। सोमानी नेचुरल स्टोन्स इंडिया प्रा.लि., सोमानी इंपेक्स, अशोक सोमानी एंड कंपनी, लक्जरी फ्लोर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं मां संतोषी खनिज उद्योग, मसनोता, राजस्थान आदि का संचालन कर रहे हैं। इसके साथ ही सोमानी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेनेजमेंट का संचालन भी कर रहे हैं। समाज में उनकी विशिष्ट पहचान एक ऐसे समर्पित समाजसेवी के रूप में है, जिन्होंने अपने प्रदेश संगठन 'हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा' को दो सत्रों में प्रदेशाध्यक्ष के रूप में सेवा दी है।

### समाजसेवा में योगदान

श्री सोमानी अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद समाजसेवा के क्षेत्र में कई संस्थाओं से संबद्ध होकर तन-मन-धन से योगदान प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में माहेश्वरी समाज के अंतर्गत अभा माहेश्वरी महासभा उत्तरांचल के उपसभापति के रूप में सेवा दे रहे हैं। हरियाणा-पंजाब-हिमाचल-जम्मू कश्मीर प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सतत दो सत्र में वर्ष 2010 से 2016 तक प्रदेशाध्यक्ष रहे। इसे इनके सफल कार्यकाल की उपलब्धि ही कहा जा सकता है कि वे दो बार प्रदेशाध्यक्ष बने। वर्ष 2010 से अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य हैं। आप श्री बंसीलाल जाजू स्मारक ट्रस्ट के उपाध्यक्ष, बद्रीलाल सोनी माहेश्वरी शिक्षा सहयोग के ट्रस्टी, श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के ट्रस्टी, ए.बी.एम.एम. माहेश्वरी रिलीफ फाउंडेशन के डायरेक्टर, ए.बी.एम. माहेश्वरी एज्युकेशन ट्रस्ट मुंबई के ट्रस्टी तथा अ.भा. माहेश्वरी एज्युकेशन एंड चेरिटेबल ट्रस्ट कोटा के ट्रस्टी के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

### विशिष्ट योगदान

समाजसेवी गतिविधियों के अंतर्गत लायंस क्लब रेवाड़ी के चार्टर्ड सदस्य हैं तथा 2 सत्रों तक अध्यक्ष रहे। अ.भा. वैश्य महासभा के मुख्य संरक्षक अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन के सदस्य, महाराजा अग्रसेन मेडिकल एजुकेशन एंड साइंटिफिक रिसर्च सोसायटी के सदस्य है। आपने अपने पिताजी के नाम पर स्व. श्री आरडी सोमानी शिक्षण संस्था सोसायटी बनाई। इनके अनुज विजय सोमानी जो राजनीति क्षेत्र में सक्रिय हैं तथा हरियाणा में भाजपा के उपाध्यक्ष पद पर रहे हैं। अपनी माताजी के नाम पर लीलावती सोमानी एजुकेशन ट्रस्ट के तहत पब्लिक स्कूल का संचालन कर रहे हैं। पुत्र अमर सोमानी स्कूल संभाल रहे हैं। एवं पुत्र आकाश सोमानी एक्सपोर्ट का बिजनेस देख रहे हैं व कार्यकारी मंडल सदस्य भी हैं। उनका परिवार क्षेत्र की युवा पीढ़ी की दक्षता को बढ़ाने के लिए सोमानी तकनीकी शिक्षण संस्थान का संचालन भी कर रहा है।

# केदारनाथ चांडक

जाजू पैनल की ओर से उत्तरांचल संयुक्त मंत्री पद पर कानपुर निवासी केदारनाथ चांडक प्रत्याशी के रूप में चुनावी मैदान में हैं। स्व. श्री मुरलीधर चांडक व श्रीमती रामेश्वरीदेवी चांडक के सुपुत्र श्री चांडक बीकॉम, एलएलबी तक शिक्षित होकर अपने पैतृक किराना व्यवसाय व वृहद सुपारी व्यवसाय का संचालन कर रहे हैं। सुपारी व्यवसाय में श्री चांडक देश का एक जाना-माना नाम हैं। वर्तमान में श्री चांडक कानपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष भी हैं।

## समाजसेवा में योगदान

श्री चांडक श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल के माध्यम से समाज से लंबे समय से संबद्ध होकर अपनी सेवा देते रहे हैं। कानपुर माहेश्वरी जिला सभा में पिछले 2 सत्र से महामंत्री पद पर रहकर समाज को एक नई पहचान दी। वर्तमान में आप कानपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। पिछले सत्र में भी कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में समाज की समस्याओं को हमेशा समाज के सामने रखा।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री चांडक की समाज में एक ऐसे समाजसेवी के रूप में पहचान है, जो समाजहित के मुद्दे पर सदैव आगे रहे हैं। महासभा में वर्तमान में कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा देते हुए भी श्री चांडक ने सशक्त रूप से समाजहित के मुद्दे उठाए हैं। बीकॉम, एलएलबी करने के पश्चात वर्ष 1978 से अपने पारिवारिक व्यवसाय एवं केमिकल के क्षेत्र में आकर व्यापार की शुरुआत की। वर्तमान में किराना के थोक विक्रेता के रूप में एवं भारत वर्ष में सुपाड़ी के प्रमुख व्यवसायी के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

# विनीत केला

सोनी पैनल की ओर से उत्तरांचल संयुक्त मंत्री पद पर अलीगढ़ (उप्र) निवासी विनीत केला प्रत्याशी हैं। श्री केला का जन्म 12 मई 1966 को स्व. श्री मोहनस्वरूप केला के यहां हुआ था। श्री केला ने डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा से स्नातक तक शिक्षा प्राप्त की, फिर नौकरी की तरफ कदम न बढ़ाते हुए अपने पारिवारिक व्यवसाय के प्रति समर्पित हो गए। वर्तमान में श्री केला 'स्वरूप फार्मास्युटिकल प्रा.लि., मेनसेफ हेल्थकेयर प्रा.लि., श्री जगदंबा आईस एंड कोल्ड स्टोरेज तथा श्री जगदंबा फिलिंग स्टेशन आदि व्यवसायों का संचालन कर रहे हैं।

## समाजसेवा में योगदान

श्री केला अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद लंबे समय से समाज को अपना यथासंभव योगदान देते आए हैं। अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र में राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही जिला माहेश्वरी सभा अलीगढ़ को अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। समाज में उनकी छवि एक ऐसे समाजसेवी के रूप में है, जिन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई, उन्होंने वह निभाने का प्रयास किया। वैसे महासभा में अभी तक बड़ा कोई जिम्मेदारी का पद ग्रहण नहीं किया है।

## अन्य विशिष्ट योगदान

श्री केला समाज संगठनों के साथ ही श्रीकृष्ण लीला महोत्सव कमेटी तथा रोटरी क्लब अलीगढ़ आदि कई स्वयंसेवी संस्थाओं से संबद्ध हैं। उनका पूरा परिवार जिसमें आयात-निर्यात व्यवसाय से सम्बद्ध भाई पुनीत केला, धर्मपत्नी अंशु केला, पुत्र मुकुंद व गोविंद स्वरूप सभी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से समाजसेवा में अपना योगदान दे रहे हैं।

## मध्यांचल उपसभापति पद पर आमने-सामने

# त्रिभुवन काबरा

जाजू पैनल से गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा के प्रदेशाध्यक्ष व ख्यात उद्यमी त्रिभुवन काबरा मध्यांचल उपसभापति पद के लिए चुनाव मैदान में हैं। श्री काबरा का जन्म 07 अगस्त 1954 को नेपाल स्थित विराटनगर में ख्यात समाजसेवी दम्पत्ति श्री रामेश्वरलाल व श्रीमती रत्नीदेवी काबरा के यहां हुआ। आप बहुमुखी प्रतिभा के धनी के रूप में समाज में जाने जाते हैं। बचपन से ही जुझारू रहे। अतः किसी एक स्थान पर नहीं रुके तथा निरंतर नई ऊंचाइयों को सफलतापूर्वक छूते हुए आखिर में संस्कार नगरी वडोदरा को अपना स्थायी निवास बनाया व कई व्यापारिक संघर्षों को सफलतापूर्वक पार किया। बचपन से ही हमेशा पारिवारिक मूल्यों का आदरपूर्वक सम्मान एवं पालन किया है। छोटे से रीटेल व्यवसाय से व्यापार की शुरुआत कर आज आरआर ग्लोबल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमेन के रूप में देश-विदेश में एक सफल बिजनेसमेन के रूप में ख्याति प्राप्त व्यक्तित्व हैं। आपको आदर से स्नेहीजनों द्वारा भाईजी के नाम से संबोधित किया जाता है।

### समाजसेवा में योगदान

श्री काबरा को समाजसेवा विरासत में मिली है। पिता श्री रामेश्वरदयाल काबरा तथा माता श्रीमती रत्नादेवी काबरा समाज की सेवा के क्षेत्र में ऐसा जाना माना नाम है, जिनकी सेवाओं के सामने हर कोई नतमस्तक हो जाता है। अतः पारिवारिक रूप से ही उन्हें समाजसेवा सौगात के रूप में मिली है। आप सदैव निःस्वार्थ भाव से समाज को अपनी सेवा देते रहते हैं। वर्तमान में गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा अध्यक्ष तथा महेश सेवा ट्रस्ट संरक्षक के रूप में सेवा दे रहे हैं। वर्ष 1986-90 तक माहेश्वरी समाज वडोदरा मंत्री तथा वर्ष 1991-94 में अध्यक्ष रहे हैं तथा वर्ष 2013-16 तक गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा (दक्षिण) के सहमंत्री के रूप में सेवा दे चुके हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

व्यावसायिक क्षेत्र में श्री काबरा पुणे में आदित्य बिरला ग्रुप के श्रेष्ठ इंडस्ट्रियलिस्ट के अवॉर्ड, वर्ष 2017 में दिव्य भास्कर के इंटरनेशनल एक्सीलेंस, बरोडा मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा श्रीमती राजश्री बिरला के हाथों श्रेष्ठ इंडस्ट्रियलिस्ट अवॉर्ड से सम्मानित हुए। वर्ष 2017 में आईआईएमएम वडोदरा द्वारा ऑनरी फैलोशिप, औरंगाबाद में आयोजित इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर तथा वर्ष 2018 में फेडरेशन ऑफ गुजरात इंडस्ट्रीज वडोदरा द्वारा केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के हाथों आउटस्टैंडिंग इंटरप्रेन्योर अवॉर्ड से सम्मानित हो चुके हैं। श्री काबरा अपनी समाजसेवी गतिविधियों के अंतर्गत कई स्वयंसेवी संस्थाओं से संबद्ध रहकर मानवता की सेवा करते रहे हैं। इसके अंतर्गत वर्तमान में भी फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसायटी के उत्तर गुजरात भाग अध्यक्ष तथा एमआरकेएम महिला सशक्तिरण ट्रस्ट के चेयरमैन हैं। इसके साथ ही ट्रस्टी के रूप में ब्रह्मा सावित्री वेद विद्यापीठ पुष्कर न्यास, रत्नीदेवी काबरा चेरिटेबल ट्रस्ट, रामरत्ना इंटरनेशनल डे स्कूल मुंबई, यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज, विद्या मंदिर मुंबई, सेठ जगन्नाथ काबरा माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा (राजस्थान) तथा स्वामी गोविंददेव गिरि वेद संस्कृत पाठशाला, वाघोड़िया वडोदरा से संबद्ध हैं।

# बाबूप्रसाद खटोड़

सोनी पैनल की ओर से मध्यांचल उपसभापति पद पर अहमदाबाद निवासी बाबूप्रसाद खटौड़ चुनावी मैदान में हैं। श्री खटौड़ का जन्म उदयपुर (राजस्थान) में 30 मार्च 1942 को श्री रामदयाल खटौड़ के यहां हुआ था। वहीं के कॉलेज से शिक्षा प्राप्त कर श्री खटौड़ ने अहमदाबाद (गुजरात) को अपनी कर्मस्थली बना लिया। श्री खटौड़ बीआर मेटल एंड ऐलोपड़ी प्रालि, घनश्याम मेटल उद्योग, बीरआर लैंड डेवलपर्स प्रालि, श्रीनाथ ट्रेक हाउस, बीएमजे केबल्स लि. अहमदाबाद, रीवेरी एन्टरप्राईजेस दिल्ली व रामदेव मिनरल्स आमेर (राजस्थान) आदि का संचालन कर रहे हैं।

### समाजसेवा में योगदान

श्री खटोड़ श्रीकृष्णदास जाजू सेवा ट्रस्ट में संयुक्त मंत्री तथा अभा माहेश्वरी महासभा में कार्यकारी मंडल व कार्यसमिति सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। माहेश्वरी सेवा समिति अहमदाबाद को लगातार 17 वर्षों तक अध्यक्ष के रूप में सेवा दे चुके हैं। अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के लगातार 7 वर्षों तक उपाध्यक्ष तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे हैं। माहेश्वरी सदन सोमनाथ, बद्रीनारायण सोनी एजुकेशनल ट्रस्ट, बांगड़ वेलफेयर ट्रस्ट, बालचंद मोदी होस्टल (कोटा), केसरबाई होस्टल (मुंबई), महेश सेवा समाज अहमदाबाद, बीआर जनसेवा ट्रस्ट व राजस्थान हॉस्पिटल अहमदाबाद के ट्रस्टी के रूप में सेवा दे रहे हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

समाज संगठन हों या अन्य स्वयंसेवी संस्था श्री खटोड़ की छवि एक सेवाभावी दानदाता के रूप में अधिक रही है। उन्होंने अपने पैतृक गांव में सेठ श्री रामदयाल खटौड़ रेफरल हॉस्पिटल का निर्माण, चारभुजाजी मंदिर का पुनर्निर्माण तथा बालिका विद्यालय भवन का निर्माण करवाया एवं गौशाला का संचालन कर रहे हैं। निजी खर्च से सामूहिक विवाहों का आयोजन भी कर चुके हैं। अहमदाबाद में माहेश्वरी भवनों तथा माहेश्वरी सेवा सदन के भवनों, आरोग्य भवन जोधपुर, रामेश्वर सेवा कुंज तथा महेश सेवा कुंज द्वारिका, जगन्नाथपुरी आदि के निर्माण हेतु आर्थिक सहयोग दे चुके हैं।

## मध्यांचल संयुक्त सचिव पद पर प्रत्याशी आमने-सामने

# विजय राठी

जाजू पैनल की ओर से इटारसी निवासी मप्र पूर्वी क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष विजय राठी मध्यांचल संयुक्त सचिव पद के प्रत्याशी हैं। श्री राठी का जन्म 19 अक्टूबर 1966 को स्व. श्री सीताराम व सरजूदेवी राठी के यहां हुआ था। पूर्व सभापति पद्मश्री बंशीलाल राठी के परिवार से होने के कारण श्री राठी को समाजसेवा विरासत में ही मिली है। व्यावसायिक रूप से वृहद रूप से वेयर हाउस संचालन से संबद्ध श्री राठी मध्यक्षेत्रीय वेयर हाउस ऑनर्स एसोसिएशन मप्र के अध्यक्ष हैं। कन्फेडेरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के नर्मदांचल सभा अध्यक्ष के साथ ही ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, होशंगाबाद जिला रेडक्रॉस सोसायटी सदस्य तथा रोटरी क्लब इटारसी डिस्ट्रिक्ट 3040 के सदस्य भी हैं। होशंगाबाद हरदा जिला शिक्षा ट्रस्ट के ट्रस्टी तथा गंगाधर बंशीलाल राठी चेरिटेबल ट्रस्ट चेन्नई के संचालक हैं।

### समाजसेवा में योगदान

समाज संगठनों से संबद्ध होकर निःस्वार्थ सेवा देने के कारण श्री राठी समाज के लिए एक जाना माना नाम हैं। श्री राठी वर्तमान में मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष के साथ महासभा को पदेन कार्यसमिति सदस्य के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। अभा माहेश्वरी महासभा से वर्ष 1997 में 23वें सत्र से सतत रूप से कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में संबद्ध हैं। श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई के सदस्य, मप्र महेश सेवा ट्रस्ट से ट्रस्टी तथा श्री गंगाधर बंशीलाल चेरिटेबल राठी ट्रस्ट चेन्नई के संचालक के रूप में संबद्ध होकर राठी हास्पिटल इटारसी का संचालन कर रहे हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

श्री राठी दीर्घावधि से समाज संगठन से संबद्ध रहे हैं। इसके अंतर्गत वे वर्ष 1986-90 में माहेश्वरी युवा संगठन को सचिव तथा वर्ष 1990-94 में अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं। माहेश्वरी समाज इटारसी के वर्ष 1996-2005 में सचिव तथा 2005-2008 तक अध्यक्ष, वर्ष 1997-2001 तक होशंगाबाद हरदा जिला माहेश्वरी सभा सचिव, वर्ष 2001-2005 तक मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री तथा वर्ष 2009-2013 तक श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई को प्रदेश संयोजक के रूप में सेवा दे चुके हैं। युवा संगठन को दी गई सेवाएं उनके लिए इस चुनाव में सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं।

# लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी

सोनी पैनल की ओर से मध्यांचल संयुक्त मंत्री पद पर भोपाल (मप्र) निवासी लक्ष्मेंद्र माहेश्वरी प्रत्याशी हैं। श्री माहेश्वरी की पहचान वर्तमान में दीर्घअवधि से समाजसेवा कर रहे समाजसेवी के रूप में है, जो वर्तमान में मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा को मानद मंत्री के रूप में सेवा दे रहे हैं। बीकॉम व एलएलबी तक शिक्षित श्री माहेश्वरी का जन्म 9 नवंबर 1958 को एडवोकेट श्री द्वारिकाप्रसाद व रत्नाप्रभा माहेश्वरी के यहां हुआ था। आप व्यावसायिक कारणों से अमेरिका, इंग्लैंड, इटली, रशिया, जापान, ओमान, हांगकांग, सिंगापुर, मलेशिया, श्रीलंका, भूटान, नेपाल आदि कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। श्री माहेश्वरी की इस पद पर टक्कर विजय राठी जैसे सशक्त प्रत्याशी से है।

### समाजसेवा में योगदान

श्री माहेश्वरी मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री के रूप में अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान सत्र में पदेन विशेष आमंत्रित कार्यसमिति सदस्य हैं तथा 25वें सत्र से लगातार कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र चेन्नई से सदस्य तथा मप्र महेश सेवा ट्रस्ट से ट्रस्टी के रूप में संबद्ध हैं। माहेश्वरी समाज भोपाल के वर्ष 2007 से 2010 तक तथा भोपाल जिला सभा के वर्ष 2010 से 2013 तक अध्यक्ष रहे हैं। वर्ष 2013 से 2016 तक मप्र पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री तथा वर्ष 1996 से 2007 तक माहेश्वरी सभा के संयुक्त मंत्री तथा वर्ष 1996 से 2007 तक माहेश्वरी समाज भोपाल के मुखपत्र 'शिवांशु दर्पण' की व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष रहे हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

श्री माहेश्वरी वर्तमान में विश्व संवाद केंद्र मप्र अध्यक्ष (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य भारत प्रांत का मीडिया सेंटर), उपाध्यक्ष इनकम टैक्स पेयर्स एसोसिएशन भोपाल, कोषाध्यक्ष लाज भोजपाल नं.372 (सन 2010 से लगातार), संयुक्त मंत्री सेवा भारती मध्य भारत प्रांत, मैनेजिंग कमेटी मेंबर फेडरेशन ऑफ मप्र चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (सन् 1996 से लगातार) के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके साथ ही वनबंधु परिषद भोपाल चैप्टर, भदभदा विश्राम घाट समिति, भोपाल, प्रेरणा सेवा ट्रस्ट, भोपाल व मप्र रोज सोसायटी भोपाल के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। अभी तक आप अध्यक्ष मातृछाया शिशु कल्याण केंद्र, अध्यक्ष मप्र रोज सोसायटी, अध्यक्ष महेश सेवा समिति (2007 से 2014), उपाध्यक्ष वनबंधु परिषद भोपाल चैप्टर (2011 से 2018), सचिव विश्व संवाद केंद्र (2002 से 2015), सचिव आनंद धाम वृद्धजन सेवा केंद्र (2003 से 2010) तथा सचिव वनबंधु परिषद (भोपाल चैप्टर) 2004-2010 के रूप में सेवा दे चुके हैं।

## पश्चिमांचल उपसभापति पद के निर्विरोध प्रत्याशी

# राजेशकृष्ण बिरला

दोनों पैनल की ओर से पश्चिमांचल उपसभापति पद पर कोटा निवासी राजेशकृष्ण बिरला निर्विरोध प्रत्याशी है। अतः उनका इस पद पर आसीन होना तो बिलकुल तय ही है। महासभा पदाधिकारियों के निर्वाचन के 14 पदों में से मात्र इसी पद पर निर्विरोध निर्वाचन की स्थिति बनी है।

श्री बिरला की पहचान राजस्थान के वरिष्ठ सहकार नेता के रूप में है। आपका जन्म 3 दिसम्बर 1953 को कैथूनीपोल कोटा में पिता श्रीकृष्ण बिरला एवम् माता स्व. श्रीमती शकुन्तला बिरला के 6 पुत्रों एवं 3 पुत्रियों में ज्येष्ठ पुत्र के रुप में हुआ। आपने बी.एस.सी., एम.ए., एल.एल.बी. की परीक्षा उत्तीर्ण की। आप कोटा-बूंदी लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय युवा सांसद व वर्तमान में माननीय लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सबसे बड़े भ्राता है। राजनीति के क्षेत्र में आपकी शुरुआत कक्षा प्रतिनिधि बनने के बाद राजकीय महाविद्यालय कोटा में 1971 में सर्वप्रथम छात्र कार्यकारिणी सदस्य, सत्र 1977-78 में इतिहास परिषद का अध्यक्ष और सत्र 1978-79 में वाइस प्रेसिडेन्ट के रूप में हुई। सन् 1978 से 1980 तक जनता युवा मोर्चा के शहर महामंत्री एवं सन् 1980 से 1986 तक भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारिणी सदस्य रहें। इस प्रकार राजनैतिक क्षेत्र में युवावस्था से ही सक्रिय रहते हुए अपने अनुज ओमकृष्ण बिरला को राजनीति के उच्च स्तर तक पहुँचाने में सहायक रहे।

सामाजिक क्षेत्र में शुरुआत महेश युवा मंडल के अध्यक्ष के रूप में हुई और यह क्रम लगातार जारी है। कालान्तर में सन् 1984-85 में श्री माहेश्वरी समाज कोटा के मंत्री रहे। तत्पश्चात आज तक महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य एवं कार्यसमिति के सदस्य है। आपकी लोकप्रियता के कारण आप सन् 1990 से लगातार माहेश्वरी प्रगति मंडल दादाबाड़ी कोटा के अध्यक्ष पद पर और सन् 2012 से लगातार श्री माहेश्वरी समाज, कोटा के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं दे रहे हैं।

आर्थिक एवं शिक्षा के क्षेत्र में सन् 1991 से 1998 तक बैंकिंग और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही राजस्थान प्रदेश की एक मात्र स्वायत्तशासी संस्था श्री हितकारी विद्यालय सहकारी शिक्षा समिति लि., कोटा के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं दी और सन् 1998 से आज तक एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर के पद पर अपनी सेवाऐं दे रहे है। सन् 1992 से 1995 तक कोटा नागरिक सहकारी बैंक लि. में डॉयरेक्टर पद पर और सन् 1995 के बाद हुए कोटा नागरिक सहकारी बैंक लि. कोटा के चुनाव में जुलाई 2015 से अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं दे रहे है। दि राजस्थान अरबन कॉपरेटिव बैंक्स फेडरेशन लि., जयपुर में भी डॉयरेक्टर के पद पर सेवाऐं दे रहे है। सन् 2009 से 2014 तक कोटा जिला सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार के भी आप अध्यक्ष रहें। आप सन् 2012 से लगातार सी.बी.एस.ई. मान्यता प्राप्त - माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, कोटा के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं दे रहे हैं।

साहित्यिक क्षेत्र में हाड़ोती संभाग की प्रमुख साहित्यिक संस्था श्री भारतेन्दु समिति कोटा को पूरे भारत वर्ष में एक नई पहचान दिलाई। इस संस्था में सन् 2003 से 2013 तक अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं दी और सन् 2013 से लगातार समन्वयक के रुप में अपनी सेवाऐं दे रहे हैं।

स्वास्थ्य सेवा के लिए प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय संस्था - इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जो युद्ध या प्राकृतिक आपदा के समय शांति और सेवा का कार्य करती है, इस संस्था की कोटा यूनिट में सन् 1998 से फरवरी 2017 तक लगातार ट्रेजरार के पद पर अपनी सेवाऐं दी और मार्च 2017 से अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाऐं दे रहे हैं। भवन निर्माण के क्षेत्र में कार्य करते हुए सन् 2004 में कोटा बिल्डर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष रहते हुए कोटा शहर में मल्टीस्टोरीज अपार्टमेन्टस् का निर्माण कराया।

वर्तमान में, आप कोटा नागरिक सहकारी बैंक लि., माहेश्वरी प्रगति मंडल दादाबाड़ी कोटा एवं श्री माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष पद पर, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी कोटा यूनिट के चेयरमेन पद पर, दी राजस्थान अरबन कॉपरेटिव बैंक्स फेडरेशन लि., जयपुर मे डॉयरेक्टर के पद पर, श्री हितकारी विद्यालय सहकारी शिक्षा समिति लि., कोटा में एक्जीक्यूटिव डॉयरेक्टर के पद पर और श्री भारतेन्दु समिति कोटा में समन्वयक के पद पर अपनी सेवाऐं दे रहे है।

## पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री पद पर प्रत्याशी आमने-सामने

# सुनीलकुमार मूंदड़ा

जाजू पैनल की ओर से पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री पद पर अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के पूर्व महामंत्री अजमेर निवासी सुनीलकुमार मूंदड़ा चुनावी मैदान में है। बीकॉम तक शिक्षित श्री मूंदड़ा का जन्म स्व. श्री बिशनलाल व तुलसीदेवी मूंदड़ा के यहां 29 जुलाई 1960 को हुआ था। व्यावसायिक रूप से श्री मूंदड़ा कृषि उपकरण निर्माण, ऑटोमोबाइल आदि जैसे उद्योगों से संबद्ध हैं। तीन सत्रों तक उन्होंने अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर को महामंत्री के रूप में जो समर्पित सेवा दी, उसने उन्हें समाज में एक विशिष्ट पहचान दी है।

### समाजसेवा में योगदान

श्री मूंदड़ा अपनी व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद लंबे समय से समाज को अपनी समर्पित सेवा दे रहे हैं। इसके अंतर्गत वे श्री अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर के तीन सत्रों तक महामंत्री तो रहे ही साथ ही अजमेर जिला माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष तथा श्री माहेश्वरी मंडल अजमेर अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवा दे चुके हैं। अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य हैं और कार्यसमिति सदस्य रह चुके हैं। श्री नगर माहेश्वरी नवयुवक मंडल के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

तहसील अध्यक्ष एवं अत्याचार भ्रष्टाचार अन्वेषण संस्थान दिल्ली, प्रदेश महासचिव-मानव अधिकार परिषद के साथ ही अभा वैश्य महासम्मेलन दिल्ली, अजमेर जिला ऑटोमोबाइल्स डीलर एसोसिएशन अजमेर व लायंस क्लब अजमेर के सदस्य हैं। श्री सीता गौशाला पहाड़गंज, अजमेर को संयुक्त महामंत्री व मुंदल माता समिति तथा आनंदम क्लब अजमेर को भी सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। उन्होंने श्रीनगर में माहेश्वरी समाज एवं अन्य सभी आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दिलवाकर उन बच्चों के उज्जवल भविष्य को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका यह अभियान अभी-भी सतत चल रहा है।

# कैलाश सोनी

सोनी पैनल की ओर से पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री पद पर पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष रहे जयपुर निवासी 57 वर्षीय कैलाश सोनी प्रत्याशी हैं। उनकी टक्कर इस पद पर जाजू पैनल के सुनील मूंदड़ा से है। श्री सोनी का जन्म 20 जनवरी 1962 को स्व. श्री सागरमल सोनी के यहां डूंगरगढ़ (बीकानेर) में हुआ था। बीकॉम तक शिक्षित श्री सोनी ने कॅरियर के रूप में स्व व्यवसाय को ही चुना। व्यावसायिक रूप से श्री सोनी 'बॉल बैरिंग तथा रोड कन्स्ट्रक्शन व माईनिंग में उपयोग में आने वाली हेवी अर्थ मूविंग मशीन्स के स्पेयर पार्ट्स के व्यवसाय से संबंधित है। वर्तमान में आपके दिल्ली व जयपुर आदि स्थलों पर कार्यालय हैं।

### समाजसेवा में योगदान

श्री सोनी अपनी व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद समाज संगठन में हमेशा ही सक्रिय सहयोग देते आए हैं। वर्तमान में श्री सोनी जयपुर जिला माहेश्वरी सभा के आजीवन सदस्य तथा अभा माहेश्वरी महासभा के वर्तमान 28वें सत्र के कार्यकारी मंडल तथा पदेन कार्यसमिति सदस्य हैं। वर्ष 2012-2016 में पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के संगठन मंत्री तथा वर्ष 2016-2019 में प्रदेशाध्यक्ष रहे हैं। अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर को सत्र 2012-2016 तथा 2016-2020 तक मंत्री तथा 27वें सत्र में भी कार्यकारी मंडल सदस्य रहे हैं।

### कल्पना एवं उद्देश्य

संयुक्त मंत्री के पद पर रहकर पश्चिमांचल के अंतर्गत सभी प्रदेशों का दौरा करना। संगठन आपके द्वार की परिकल्पना के आधार पर प्रदेश के हर परिवार को संगठन से जोड़कर जरूरतमंद परिवारों को महासभा द्वारा संचालित ट्रस्टों से हर संभव सहायता दिलवाना। दानदाता परिवारों को महासभा के विभिन्न ट्रस्टों से जोड़ना। सभी प्रदेशों में प्रदेश ट्रस्टों का निर्माण करना। सामाजिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण के कार्य को निरंतर जारी रखना। मुखपत्र "माहेश्वरी" को जन-जन तक पहुंचाना। महासभा द्वारा पारित सभी व्यवस्थाओं को प्रचारित एवं प्रसारित करना।

## दक्षिणांचल उपसभापति पद पर प्रत्याशी आमने-सामने

# विनयकिशोर कासट

जाजू पैनल की ओर से तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी प्रादेशिक सभा के पूर्व उपाध्यक्ष पांडिचेरी निवासी विनय किशोर कासट दक्षिणांचल उपसभापति पद के उम्मीदवार हैं। 1 जुलाई 1935 को जन्मे पीपाड़ शहर राजस्थान के मूल निवासी श्री कासट बीकॉम तक शिक्षित होकर ज्वैलरी एवं ऑटोमोबाइल व्यवसाय से संबद्ध हैं। श्री कासट की कुशल नेतृत्व क्षमता के समाज में सभी मुरीद हैं। श्री कासट अपने छात्र जीवन के दौरान भी एमएमके कॉलेज कॉमर्स एसोसिएशन में महामंत्री तथा अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे और सेवा दी। यह उनकी विशेषता ही कही जा सकती है कि तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा में वे सतत 5 सत्र तक उपाध्यक्ष रहे।

### समाजसेवा में योगदान

श्री कासट वर्ष 1996 से 2013 तक 5 सत्रों में तमिलनाडु, केरल, पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष तथा वर्ष 1994 से 2019 तक सदस्य रहे। चार-चार सत्रों में श्री माहेश्वरी समाज पांडिचेरी को अध्यक्ष तथा सचिव के रूप में सेवा दे चुके हैं। श्री माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट पांडिचेरी को 2001 से 2014 तक सचिव के रूप में भी सेवा दे चुके हैं। अभा माहेश्वरी महासभा में 22वें सत्र से लगातार कार्यकारी मंडल सदस्य हैं तथा 26वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य रहे हैं। अभी तक वे केंद्रीय चुनाव समिति, केंद्रीय विवाद निवारण समिति तथा आचार संहिता व अनुशासन समिति में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवा दे चुके हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

समाज के साथ ही श्री कासट कई अन्य समाजसेवी संस्थाओं से भी संबद्ध रहे हैं। इसके अंतर्गत राजस्थान वेलफेयर एसोसिएशन पांडिचेरी को उपाध्यक्ष व अध्यक्ष, राजस्थान वेलफेयर एसोसिएशन चेरिटेबल ट्रस्ट पांडिचेरी को उपाध्यक्ष व अध्यक्ष, राजस्थान एसोसिएशन तमिलनाडु को कार्यसमिति सदस्य, संयुक्त सचिव व उपाध्यक्ष, करुणा इंटरनेशनल पांडिचेरी शाखा को अध्यक्ष, श्री वैष्णव समाज पांडिचेरी को सचिव व अध्यक्ष तथा श्री बाबा रामदेव समिति पांडिचेरी को सलाहकार के रूप में सेवा दे चुके हैं। राजस्थान वेलफेयर एसोसिएशन चेरिटेबल ट्रस्ट, महेश सेवा ट्रस्ट, श्री माहेश्वरी फाउंडेशन व श्री जयलक्ष्मी सेवा ट्रस्ट के आजीवन ट्रस्टी, श्री रामकृष्ण मिशन हायर सेकंडरी स्कूल, सोसायटी ऑफ प्रीवेशन ऑफ क्यूरीलिटी टू एनीमल्स, राजस्थान वेलफेयर एसोसिशन व चेरिटेबल ट्रस्ट के आजीवन सदस्य हैं। इसके साथ ही कई संस्थाओं से संबद्ध है। उन्हें उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए समाज रत्न व राजस्थान रत्न आदि से पुरस्कृत करने के साथ ही कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

# अशोक बंग

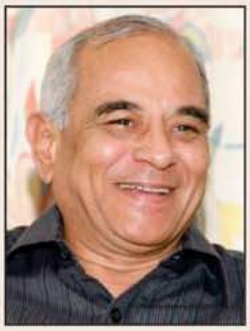

सोनी पैनल की ओर से नासिक निवासी अशोक बंग दक्षिणांचल उपसभापति पद के उम्मीदवार हैं। श्री बंग गत सत्र के चुनाव में भी इसी पद के उम्मीदवार थे और इससे पूर्व सत्र के चुनाव में महामंत्री पद के प्रत्याशी रहे। उन्हें आशा है कि मतदाता इस बार उन्हें सेवा का मौका अवश्य देंगे। श्री बंग दक्षिणांचल सचिव तथा चेतना लहर के राष्ट्रीय संयोजक भी रहे हैं। श्री बंग का जन्म एक स्वतंत्रता सेनानी परिवार में स्व. श्री बंकटलाल व स्व. श्रीमती जानकीबाई बंग के यहां हुआ था। पुणे विश्वविद्यालय से वर्ष 1974 में एम.बी.ए. की उपाधि प्राप्त श्री बंग पैकेजिंग उद्योग तथा कन्स्ट्रक्शन व्यवसाय से सम्बंधित हैं। अपने प्रयासों से श्री बंग ने व्यावसायिक जगत में एक अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित की। माहेश्वरी समाज संगठनों से सतत् जुड़ाव है। समाज संगठन में वे विभिन्न स्तर पर कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं।

### समाजसेवा में योगदान

समाज संगठन से श्री बंग वर्ष 1980 से तब से सम्बद्ध हैं, जब महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा की स्थापना हुई थी। समाज ने जो भी जिम्मेदारी दी, उसे उन्होंने निभाया। स्थानीय संगठन में श्री बंग नाशिक माहेश्वरी युवक मंडल तथा नाशिक जिला माहेश्वरी सभा के मानद मंत्री अध्यक्ष रहे है। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा को संगठन मंत्री के रूप में अपनी सेवा दी और इसके बाद अ.भा. माहेश्वरी महासभा से कार्यसमिति सदस्य के रूप में सम्बद्ध हो गये। महासभा के 23 वें सत्र में प्रथम बार गठित राष्ट्रीय प्रोफेशनल सेल के राष्ट्रीय सहसंयोजक, 24 वें सत्र में कार्यकर्ता प्रशिक्षण समिति के राष्ट्रीय संयोजक तथा 25 वें सत्र में महेश उच्च शिक्षा अभियान के भी राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। महासभा के 26वें सत्र में श्री बंग दक्षिणांचल-संयुक्त मंत्री और "चेतना लहर अभियान" के राष्ट्रीय संयोजक भी थे।

### अन्य विशिष्ट योगदान

अपनी अन्य समाजसेवी गतिविधियों के अन्तर्गत श्री बंग लायन्स क्लब नाशिक के अध्यक्ष, नाशिक इण्डस्ट्रीज मेन्युफेक्चरिंग ऐसोसिएशन के उपाध्यक्ष तथा महाराष्ट्र में अपनी 19 शाखाओं के माध्यम से दृष्टिहीनों के लिये कार्य कर रही संस्था नेशनल एसोसिएशन फॉर दी ब्लाईंड के प्रदेश अध्यक्ष रहे हैं। वर्तमान में नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। व्यावसायिक संस्थाओं के अन्तर्गत श्री बंग "नाशिक इण्डस्ट्रियल कोऑपरेटिव इस्टेट" तथा "नाशिक इंजीनियरिंग क्लस्टर लिमिटेड" इन दोनों ही संस्थाओं से डायरेक्टर के रूप में सम्बद्ध हैं। व्यवसाय जगत की प्रतिष्ठित संस्था महाराष्ट्र चेम्बर ऑफ कॉमर्स से सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध होकर अपनी सेवा देते रहे हैं।

## दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री पद पर प्रत्याशी आमने-सामने

# जुगलकिशोर लोहिया

जाजू पैनल की ओर से दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री पद पर परली बैजनाथ निवासी जुगलकिशोर लोहिया चुनावी मैदान में हैं। बीएससी तक शिक्षित श्री लोहिया का जन्म 3 सितंबर 1958 को श्री रामपाल लोहिया के यहां हुआ था। महासभा के 26वें सत्र से कार्यकारी मंडल सदस्य श्री लोहिया की विशिष्ट पहचान भाजपा से संबंधित एक ऐसे राजेनता के रूप में है, जिन्होंने राजनीति में भी समाजसेवी की तरह अपनी सेवा ही दी है। श्री लोहिया परली शहर के तीन बार भाजपा अध्यक्ष रहे। इसके अतिरिक्त नगर परिषद में दो बार सर्वाधिक मतों से पार्षद निर्वाचित होने की उपलब्धि भी इनके नाम अंकित है। जून 2000 से दिसंबर 2011 तक श्री लोहिया नगर परिषद के नगराध्यक्ष रहे हैं।

### समाजसेवा में योगदान

श्री लोहिया अपनी व्यावसायिक व राजनीतिक व्यस्तताओं के कारण समाज संगठन के किसी पद पर चाहे रहे अथवा नहीं, लेकिन निःस्वार्थ भाव से अपना सहयोग अवश्य देते रहे। कृषि उत्पादों के व्यवसाय से संबंधित श्री लोहिया कृषि उत्पन्न बाजार समिति परली बैजनाथ के वर्ष 1990 से सतत रूप से संचालक हैं। शैक्षणिक क्षेत्र में जवाहर शिक्षण संस्था के कोषाध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष रहे एवं वर्तमान में अध्यक्ष हैं। भेल सेकंडरी स्कूली परली बैजनाथ संचालन समिति के सलाहकार व सदस्य रहे तथा वर्तमान में सचिव हैं। समाज संगठन अंतर्गत श्री लोहिया माहेश्वरी सभा परली के वर्ष 2001 से 2012 तक तालुकाध्यक्ष तथा 2013 से 2016 तक जिलाध्यक्ष रहे हैं। उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए श्री लोहिया परभणी के ख्यात 'कालाणी' पुरस्कार से भी सम्मानित हो चुके हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

श्री लोहिया द्वारा मुंबई के प्रसिद्ध नेत्र विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ. सत्यनारायण लहाने व डॉ. रागिनी पारेख के सहयोग से परली में नेत्र शस्त्र क्रिया शिविर का आयोजन निरंतर किया जाता है। इस शिविर में अभी तक 5000 मरीजों की चिकित्सा की गई एवं 400 मरीजों की मुंबई स्थित जेजे अस्पताल में नेत्र शस्त्र क्रिया की गई। बार्शी के नर्सिंग दत्त मेमोरियल ट्रस्ट रूग्णालय के सहकार्य से शहर में कैंसर रोग निदान व उपचार शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 3800 रोगियों का सहभाग रहा तथा चुनिंदा रोगियों का बार्शी में उपचार हुआ। सेवाभावी संस्था के सहयोग के माध्यम से शहर में नागरिकों के लिए स्वर्गरथ (शवाहिका) उपलब्ध कराई गई।

# सुरेंद्र मानधने

सोनी पैनल की ओर से दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री पद पर सुरेंद्र मानधने जाजू पैनल के जुगलकिशोर लोहिया के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले श्री मानधने का जन्म श्री रामेश्वर मानधने के यहां 6 अक्टूबर 1950 को महाराष्ट्र प्रदेश के नांदेड़ जिला के हदगाव तहसील में, केवल 50 घरों के नेवरवाड़ी नामक ग्राम के एक किसान परिवार में हुआ। ग्राम में पाठशाला न होने कारण पड़ोस के शेवाला नामक ग्राम से 8वीं कक्षा तक और कक्षा नौवीं से बीकॉम तक की पढ़ाई नांदेड़ शहर से पूर्ण की। श्री मानधने पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त होने के पूर्व वर्ष 2003 से ही सक्रिय रूप से समाज को अपनी सेवा दे रहे हैं।

### समाजसेवा में योगदान

श्री मानधने वर्ष 2008 में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त हुए और इसके बाद अपना पूरा जीवन समाज को ही समर्पित कर दिया। सेवानिवृत्ति से पूर्व वर्ष 2003 से 2004 तक माहेश्वरी प्रगति मंडल नवी मुंबई के अध्यक्ष रहे। वर्ष 2008-11 तक पुनः इसी संस्था के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली। वर्ष 2011 से 2016 तक थाना जिला माहेश्वरी सभा अध्यक्ष तथा वर्ष 2016 से वर्तमान तक महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी सभा उपाध्यक्ष (कोकण विभाग) के रूप में सेवा दे रहे हैं। अभा माहेश्वरी महासभा को 26वें सत्र से कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं तथा वर्तमान 28वें सत्र में कार्यसमिति सदस्य हैं।

### अन्य विशिष्ट योगदान

श्री मानधने श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य तथा अभा माहेश्वरी महासभा केशरबाई सोनी मेमोरियल माहेश्वरी छात्रावास मुंबई के प्रपोज्ड ट्रस्टी हैं। इसके साथ ही नवी मुंबई व नांदेड़ माहेश्वरी भवन के संस्थापक ट्रस्टी हैं। वर्ष 2015 से लायंस क्लब से संबंद्ध रहते हुए डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन व जोन चेयरपर्सन जैसे पदों पर सेवा देकर वर्तमान में लायंस क्लब न्यू बॉम्बे वाशी के डायरेक्टर हैं। पतंजलि योगपीठ व राजस्थानी यात्री संघ आदि से भी आजीवन सदस्य के रूप में संबद्ध है। पुलिस सेवा में आप सहायक पुलिस अधीक्षक जैसे महत्वपूर्ण पद पर रहे। अपनी पुलिस सेवा के दौरान आंध्रा, कर्नाटक व महाराष्ट्र के डकैतों का उन्मूलन किया। इसके साथ ही सुरक्षा मामलों में कई महत्वपूर्ण व साहसिक जिम्मेदारियां निभाईं, जिनके लिए उन्हें सम्मानित किया जाता रहा।

॥ जय श्री कृष्ण ॥

भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजभूमि गोवर्धन में परिक्रमा मार्ग में

'श्री गिरिराजधरण माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट'

द्वारा संचालित अत्याधुनिक सुविधायुक्त माहेश्वरी भवन

# माहेश्वरी भवन, गोवर्धन

आन्योर परिक्रमा मार्ग, दानघाटी के पास, गोवर्धन 281502 (उ.प्र.)

दूरभाष- 0565-2815832, मो. 88591-11222

www.mbgoverdhan.com

E-mail : mbgoverdhan@gmail.com

**आप अपना आरक्षण ऑन लाईन अथवा फोन से करवा सकते हैं**

## उपलब्ध सुविधायें

- 26 डीलक्स ए.सी. कमरे (डबल-बेड) इन कमरों में ए.सी., गीजर, मिनिफ्रीज, डिजिटल लॉकर, टॉवेल आदि की सुविधायें
- 26 एसी कमरे (डबल बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 4 ए.सी. कमरे (3 बेड) गीजर की सुविधा सहित।
- 2 एसी मिनी हॉल (10बेड)
- 46 कूलर युक्त कमरें (डबल बेड)
- 2 मिनी हॉल (6बेड) एयर कूलर सहित
- 1 डोरमेट्री (24बेड) एयर कूलर सहित
- 1 एसी डाइनिंग हॉल एवं किचन
- सभी कमरों में अटेच लेट-बॉथ की सुविधा।
- सत्संग हॉल 200 व्यक्तियों की बैठकर कथा सुनने की व्यवस्था (शीघ्र एसी युक्त होगा)
- 2000 स्क्वेयर फीट का किचन एवं डाइनिंग हॉल निजी उपयोग के लिये, जिसमें यात्री अपने रसोइयों द्वारा भोजन बनवा सकते हैं।
- दोनों भवनों में लिफ्ट की सुविधा।
- कारों एवं बसों की सुरक्षित पार्किंग का स्थान।
- पॉवर कट के समय निरंतर विद्युत सप्लाई के लिये 125 केवीए एवं 25 केवीए के जनरेटर।

**बजरंगलाल बाहेती** (अध्यक्ष)
मो.- 98290-79200

**विनोद कुमार बांगड** (महामंत्री)
मो. 094142-12835

**जुगल किशोर बाहेती** (कोषाध्यक्ष)
मो. 98291-56858

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

# द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित

अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

# माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड,
देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111
E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

## उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

**श्यामसुंदर कासट**
अध्यक्ष
मो.- 098315-55555

**रामस्वरूप जेथलिया**
कार्यकारी अध्यक्ष
मो.- 096490-79999

**विनोद कुमार बांगड**
महामंत्री
मो. 094142-12835

**गोविंद गोपाल सोनी**
कोषाध्यक्ष

# ''माँ कहते हैं और माँ को ही बाहर कर दिया''

**समाज संगठन में अभा माहेश्वरी महिला संगठन की पूर्व अध्यक्ष समाज की वरिष्ठ श्रीमती रत्नीदेवी काबरा को मां के रूप में सम्मान दिया जाता है। श्रीमती काबरा ने भी वास्तव में समाज के लिए मां की तरह ही अपने कर्तव्यों को निभाया और कई समाजसेवी गतिविधियों में तन-मन ही नहीं बल्कि धन के मामले में भी सदैव मुक्त हस्त से सहयोग दिया। वर्तमान में हो रहे महासभा चुनावों की मतदाता सूची में दुर्भाग्यवश श्रीमती काबरा का नाम भी शामिल नहीं है। आईये जानें उन्हीं की जुबानी, क्या हुआ और आखिर यह सब कैसे हुआ?**

**आपको समाज के विभिन्न संगठनों से संबद्ध रहते हुए कितना समय हो गया है?**

समाज संगठन से संबद्ध रहते हुए मुझे कितना समय हो गया, यह बता पाना तो मेरे लिए बहुत मुश्किल है। कारण यह है कि मैंने तो हमेशा ही समाजहित में काम करने का हरसंभव प्रयास किया, चाहे मैं किसी पद पर रही या नहीं। फिर भी मुझे याद है कि मैं संभवतः सर्वप्रथम बार मुंबई से कार्यसमिति सदस्य के रूप में पद पर आई थी। मुंबई महिला समिति का गठन भी उसके बाद हुआ। फिर महिला संगठन ने जो सेवा के अवसर दिए वे तो सबके सामने ही हैं। महासभा से कार्यकारी मंडल सदस्य के रूप में भी लंबे समय से संबद्ध रही हूं।

**सुनने में आ रहा है कि आपको भी महासभा की मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया है?**

हां, यह सच है कि मेरा नाम मतदाता सूची में नहीं है। इतना ही नहीं महिला संगठन अध्यक्ष तक का नाम इस सूची से हटा दिया गया है। यह वास्तव में हम जैसी समर्पित समाजसेवियों का सीधा-सीधा अपमान ही है।

**आखिर ऐसा क्यों हुआ? महासभा ने इसकी आपको कारण के साथ सूचना दी थी?**

जब मतदाता सूची से मेरा नाम हटाया गया, तो न तो मुझे कारण बताया गया और न ही इस संबंध में मुझे कोई सूचना दी गई। इसकी जानकारी तो मुझे परिचितों से मिली। अब जानकारी मिली है कि महासभा की बैठक में उपस्थिति कम होने से ऐसा किया गया। तो मैं पूछना चाहूंगी कि क्या इस संबंध में पूर्व में स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकती थी? मैं लगभग अधिकांश बैठक में उपस्थित रही ही हूं। मुझे आज भी नहीं मालूम की उनकी इस उपस्थिति के नियम के मापदंड क्या हैं? मतदाता सूची देखकर तो यही लगता है कि नियम कुछ लोगों के लिए हैं, कुछ के लिए नहीं।

**समाज में आपकी तरह कई ऐसे समर्पित वरिष्ठ सदस्य-सदस्या हैं, जो उम्र के इस उत्तरार्द्ध में शारीरिक परेशानियों के बावजूद भी समाज को अपनी सेवा दे रहे हैं। ऐसे में बैठकों में उपस्थिति की अनिवार्यता क्या अनुचित नहीं लगती? ऐसे निर्णय से क्या समाज ऐसे वरिष्ठजनों के सहयोग व मार्गदर्शन से वंचित नहीं हो जाएगा?**

निश्चित रूप से यह निर्णय तो अनुचित ही है। वरिष्ठावस्था में कई शारीरिक परेशानियां होती हैं, इसके बावजूद भी यदि कोई समाज के लिए कुछ करना चाहता है, तो उसका तो सम्मान होना चाहिए। ऐसा कदम उठाकर तो महासभा के कर्णधारों ने अपने अभिमान में समाज के वरिष्ठजनों का अपमान किया है। मुझे इस महासभा के कर्णधार ही मां कहते हैं और आशीर्वाद के लिए वे कई चक्कर लगा देते हैं। तो फिर उन्होंने ऐसा कदम क्यों उठाया, यह समझ से परे है? क्या हमारे वोट कमकर देने से उनका भला हो जाएगा? मेरे मन में ही आ रहा है कि अब इस उम्र में मुझे महासभा से क्या लेना और क्या देना? यही स्थिति सभी वरिष्ठों की भी बन रही है। अतः ऐसे फैसले से महासभा समाज को वरिष्ठजनों के सहयोग व मार्गदर्शन से वंचित कर देगी। मैं स्वयं वनबंधु परिषद की बैठक में गई, तो उन्होंने भी वरिष्ठता का सम्मान करते हुए अपनी सुविधा से ही आने के लिए कहा। क्या ऐसा महासभा का हमारे प्रति कर्तव्य नहीं बनता?

**कई सदस्यों को मतदाता सूची से बाहर करने का कारण उनका सदस्यता शुल्क जमा न होना बताया जा रहा है। क्या यह इस लक्ष्मीपुत्रों के समाज में अपमानजनक नहीं है?**

यह तो वास्तव में सीधे-सीधे उनका अपमान ही है। समाज संगठन वास्तव में एक परिवार ही है। इसमें मात्र सदस्यता शुल्क जमा न होने की स्थिति में किसी को मतदाता सूची से बाहर कर देना उचित नहीं है। जो लोग समाज की हर गतिविधि में तन-मन-धन से अपना सहयोग देते रहे हैं, क्या वे सदस्यता शुल्क जमा नहीं कर सकते? आखिर उन्हें व्यक्तिगत रूप से सूचित कर उनसे शुल्क जमा भी करवाया जा सकता था। याद रखें समाज संगठन सामंजस्य और सहयोग से ही चलते हैं। अभिमान के लिए संगठन में कोई जगह ही नहीं होती। चाहे वह महासभा हो, महिला संगठन अथवा युवा संगठन।

www.rathi.com

ANANDRATHI

Call us on 1800 200 1002 / 1800 121 1003 or log on to www.rathi.com

**Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd. / AnandRathi Advisors Ltd.**
**Regd. Office:** Express Zone, A Wing, 9th Floor, Western Express Highway, Opposite Oberoi Mall, Goregaon (E), Mumbai - 400063. India. Tel: 022 6281 7000
BSE (Mem.ID.949) CM: INB011371557 FO: INF010676931 BSE CD: Exchange Regn. | NSE (Mem.ID.06769) CM: INB230676935 FO: INF230676935 CD: INE230676935 | MSE (Mem ID.1014) CM: INB260676938 FO: INF260676938 CD: INE260676935 | DP- NSDL: IN-DP-NSDL-149-2000, CDSL: IN-DP-CDSL-04-99 | Research Analyst - INH000000834 | MCX: MCX/TCM/CORP/0525 Mem.ID.: ITCM8500 | NCDEX: NCDEX/TCM/CORP/0178 Mem.No.: TCM00147 | NCDEX SPOT: NCDEXSPOT/043/CO/08/10050 Mem.No.: 10050 | PMS: INP000000282 | MBD-INM000010478 | Investment Adviser: INA000000268 | AMFI: ARN-4478 is Registered under "Anand Rathi Share & Stock Brokers Ltd." | ARN-100284 is Registered under "AR Wealth Management Pvt. Ltd." | ARN-111569 is Registered under "AR Venture Fund management Pvt. Ltd." --We are a distributor of Mutual Fund. Anand Rathi Global Finance Limited is registered as NBFC Regn. No.: B-13.01682. Insurance is registered under "Anand Rathi Insurance Brokers Ltd." License No. 175. PMS registered under Anand Rathi Advisors Ltd. Insurance Products are distributed under Anand Rathi Insurance Brokers Ltd. PMS, PAS & Wealth Management are not offered in commodities segment. Commodities is registered under Anand Rathi Commodities Ltd. | *Anand Rathi Wealth Services Limited.

**Disclaimer:** Investment in securities market are subject to market risks, read all the related documents carefully before investing. Investments in Mutual Fund are subject to market risk, read all the related documents carefully before investing.

# महासभा का 28वाँ सत्र
# क्या खोया? क्या पाया?

रमेश काबरा, सम्पादक, समाज प्रवाह

**बीत रहे इस सत्र में समाज के प्रति निष्ठावान, समर्पित और चिन्तनशील कार्यकारी मंडल सदस्य जो अपने क्षेत्र से अपनी सेवाओं और समाज से जुड़े रहने के कारण चुनकर आते हैं, (ना कि धन-बल पर मनोनयन के पिछले दरवाज़े से,) उनको बोलने का अवसर ही नहीं दिया गया! मीटिंग में विशेष निमंत्रित बड़बोले हुकुम फरमाबदार लोगों द्वारा निष्ठावान सदस्यों का अनादर कर, ऐसे हुकुम फरमाबदार लोगों के भाषण में ही मीटिंग पूरी कर दी जाती।**

**वृंदावन की प्रथम मीटिंग-** इसमें महिला संगठन ने मना कर दिया था कि वह इस मीटिंग में नहीं भाग ले सकती क्योंकि उनकी अपनी बृजधाम यात्रा उस समय होगी। वहां भी कोई सामंजस्य नहीं बैठाया गया। महिला संगठन ने अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। महिला संगठन को उनकी बैठक के लिए एक घंटे का समय भी नहीं दिया जा रहा था। कोटा में महिला संगठन के सभी कार्यकारिणी सदस्यों को जबरदस्ती बुलाया गया सभी वहां उपस्थित हुए। यहां तक कि संरक्षक माँ रत्नीदेवी इस उम्र में 14 घंटे का रास्ता तय कर कोटा पहुंची और उस मीटिंग की उपस्थिति महिला संगठन को नहीं दी गई।

**नया चुनाव** घोषित होने के बाद सभी प्रत्याशी अपने पद से विमुक्त माने जाते हैं। नई सभा का गठन सभा निरस्त करके किया जाता है। यहां तो संपूर्ण टीम पद पर रहते हुए चुनाव लड़ रही है और हर जगह अपने आपको सभापति, महामंत्री आदि नामों से घोषित करवा रही है।

**महाधिवेशन** को लेकर स्वयं अपनी पीठ थपथपाई जा रही है। पर क्या यह बताएंगे कि महाधिवेशन के लिए महिला संगठन के कार्यक्रम और बैठक रद्द करवा दी गई? कोटा मीटिंग में बोला महाधिवेशन के समय तक साल भर कोई भी संगठन अपना कोई भी कार्यक्रम नहीं करेगा। यह सोचकर कि महासभा की भुजाएं हैं। संगठन ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। रायपुर का इतना बड़ा कार्यक्रम यूथ फेस्टिवल लंबित कर दिया, क्या महाधिवेशन में कहीं भी ये भुजाएं नजर आई। उनके बैठने की भी व्यवस्था नहीं थी। कौनसी उपलब्धियां उनके सेहरे पर बांधी गयी? क्या उनका भी कोई एक सत्र आहूत किया गया। सम्पूर्ण देश के युवा एवं महिला इतनी तादाद में थे, क्या उनकी कसक या पीड़ा को सुना गया या मंच पर सगंठन के पधाधिकारियों को बोलने का अवसर दिया गया?

**जोधपुर अधिवेशन-** समाज की परंपरा है कि जहां कार्यक्रम होता है वहां के गणमान्य व्यक्तियों को समाज आमंत्रित करता है। जोधपुर अधिवेशन निश्चित ही राजस्थान में था और इतने बड़े सम्मेलन में राजस्थान के मुख्यमंत्री को बुलाना समाज की परंपरा रही है किन्तु महा अधिवेशन में ऐसा नहीं किया गया, क्योंकि माहेश्वरी समाज का मंच कम समाज चंद लोगों की लाभपूर्ति हेतु एक पार्टी विशेष का ही मंच बना हुआ था। राजस्थान के मुख्यमंत्री अन्य पार्टी से थे, इसलिए उनको आमंत्रित नहीं किया गया। अब यह प्रश्नचिन्ह है कि ये महासभा का कार्यक्रम मंच था या निजी स्वार्थपूर्ति हेतु राजनीतिक मंच?

**किसी भी** सभा में स्थान की आवश्यकता को देखते हुए एवं उस स्थान के गणमान्य व्यक्तियों बुद्धिजीवियों कलाकारों को अपने सामाजिक कार्यक्रम में बुलाया जाए तो सभापति महोदय वहां मंच पर बैठे-बैठे उनके मान-सम्मान को ठेस पहुंचाने से नहीं चूकते क्यों? क्या वे माहेश्वरी नहीं है? सभापति महोदय जोधपुर अधिवेशन में गैर माहेश्वरी को ना केवल बुलाया अपितु कार्यक्रम का सबसे बड़ा पद स्वागत अध्यक्ष उस व्यक्ति को बना दिया जाए। हमारे समाज के गणमान्य नेता व्यक्ति वहाँ मंच पर उपस्थित रहे पर उन्हें बोलने का एक अवसर न दिया गया।

**सामाजिक** कुरीतियों, गलत प्रथाओं को हटाने हेतु महासभा सदैव तत्पर रही है और यह उसका उद्देश्य भी रहा है। इसी परंपरा के अंतर्गत उसने पर्दा प्रथा, विधवा विवाह, मौसर आदि कुरीतियों को हटाकर समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का सफल प्रयास किया परंतु यह कार्य सभी सभासदों की मंजूरी से किया गया। सोमनाथ बैठक में ऐसी कई विचार कार्य सूची में रखे गए। सभा से विचार-विमर्श नहीं किया गया, एकाएक महामंत्री घोषणा करते हैं। सभापति महोदय ने निर्णय लिया है कि आज से यह समाज प्रिवेड- शूटिंग को खारिज करता है। कदम सही था पर यदि विचार-विमर्श होता तो पूरे भारतवर्ष से आए प्रतिनिधि अपने-अपने स्थान पर जाकर समझा पाते कि यह कार्य क्यों नहीं करना है।

एक तानाशाह की तरह महासभा के मंच से सभापति महोदय ने हुक्म दिया- महिलाओं को 4 बच्चे पैदा करना चाहिए। लड़की की शादी 21 साल में करिए। लड़के की शादी की उम्र 24 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। जनसंख्या संभालने के लिए कुछ प्रयास बहुत जरूरी है। अनेकों देशों ने अपने नागरिकों को अनेकों सुविधाएं देकर इस कार्य के लिए प्रेरित किया है और सफलता भी पाई है। हमने यहां भी देश के नियम कानून कायदों को मानने की जरूरत ही नहीं समझी। अखबारों में छप गया तीसरा बच्चा होने पर 1,00,000 का इनाम दिया जाएगा। माहेश्वरी समाज को संपूर्ण भारतीय समाज के सामने कटघरे में खड़ा कर दिया गया। सरकार जनसंख्या कम करने की बात कर रही है और हम 4 बच्चों का ऐलान कर रहे हैं।

सोशियो इको सर्वे 28वें सत्र का एकमात्र कार्य। वह भी आधा अधूरा। किसी भी समाज को उसकी समाजजनों की सामाजिक आर्थिक हैसियत का अंदाजा होना चाहिए, पूरी जनगणना होनी चाहिए जो पहले भी होती आई है। परन्तु वह किस लिए, क्या होना चाहिए? यह क्या मनमर्जी, जिसने फॉर्म नहीं भरा उसे समाज की तरफ से दी जाने वाली सुविधाएं नहीं दी जाएगी। हम वैष्णव हैं पीर पराई जानने की बात करते हैं, पराई पीर को सरेआम बाजार में उड़ाने की बात नहीं करते। हम तो कहते हैं कि दान चुपचाप देना चाहिए। यहां तो पहले कार्ड बनवाओ और नहीं बनवाया तो ट्रस्ट की सहायता से बाहर। वोटिंग राइट से बाहर। हम समाज जोड़ने बैठे हैं या समाज तोड़ने। यदि यह सोशियो सर्वे है तो फिर मतदाताओं के नाम क्यों काटे गये?

एक चूल्हा एक वोट, एक चूल्हा से एक व्यक्ति, ही समाज में आएगा। क्या विडंबना है एक तरफ़ कहते हैं संयुक्त परिवार हो और दूसरी तरफ समाज में काम करने के लिए, समाज में आने के लिए भाई-भाई को, बाप-बेटे को अपना चूल्हा अलग जलाना पड़ेगा? इस भावना के पीछे किसके चूल्हे जल रहे हैं? समाज पूछना चाहता है, क्या यह नियम जो निजी ट्रस्टों के माध्यम से पिछले दरवाजे से आये हैं ओर एक ही परिवार से आये हैं, उनके लिये भी लागु होता है या नहीं? उनको अपने भविष्य की चिंता है कि कहीं हमारा वोट कम ना हो जाये और महासभा के अधिकारों से वंचित ना हो जाये।

समाज में ट्रस्ट समाजजनों की सुविधा सहायता के लिए बनाई जाती है। दानदाता इसके लिए दिल खोलकर दान देता है। चंद लोग ट्रस्ट को हथियाने की कोशिश करने लगे। हर ट्रस्ट में उनके और उनके लोगों का बोल बाला होने लगा। ट्रस्ट के मतों द्वारा पूरे समाज पर अपना अधिकार जमाने की कोशिश की जाए तो समाज कैसे आगे बढ़ पाएगा?

विधान में किया गया संशोधन महिला संगठन और युवा संगठन को अपने कार्यक्रमों की सूचना एवं लगने वाला खर्चा पहले महासभा को देना होगा और कार्यक्रम होने के बाद तुरंत पूरा हिसाब भेजना पड़ेगा। महासभा के इस सत्र में नियम क्या केवल दूसरों के लिए बनाए जाते हैं और अपने लिए? कितना समय हो गया महाधिवेशन को क्या कोई हिसाब अभी तक दिया गया है? जरा बिल सहित हिसाब उन लोगों को तो दे दीजिए जिनसे लाखों का अनुदान लिया है? चर्चा यह भी हो रही है कि जोधपुर में रोकड़ा अनुदान का कुछ हिसाब भी नहीं किया गया।

समाज के पद सेवा के पद होते हैं इसलिए सेवाभाव से जुड़ा व्यक्ति इन पदों पर आए इसलिए जन समुदाय उनसे प्रार्थना किया करता है। श्री श्यामजी सोनी युवा संगठन में कई बार पद पर आने के लिए लालायित रहे, कई बार हार का मुंह देखना पड़ा। महामंत्री पद के लिए भी चुनाव लड़े, हारे भी। अध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव लड़े और हार गए। जुगाड़ लगाकर जिस व्यक्ति के साथ महामंत्री बनने पर डेढ़ साल तक बात तक नहीं की, महासभा की डेढ़ साल तक कोई मीटिंग भी नहीं हुई। बाद में क्यों उसकी गोदी में जाकर बैठ गए। उन्होंने ही चयन के नाम पर हारने के बाद अगले सत्र में महासभा में पद पर बैठा दिया और अब चयन के नाम पर मिला पद छोड़ने को तैयार ही नहीं है। ये सेवा के पद हैं या लाभ के पद? क्यों महासभा को चुनाव की ओर अग्रसर किया?

सबका साथ सबका विकास करने वालों के पास सबके नाम पर क्या केवल चार व्यक्ति ही हैं और कोई नहीं जो विकास कर सके? अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा पर कुछ लोगों का ही वर्चस्व बना हुआ है। वर्तमान सभापतिजी भी महासभा में 6 चुनाव लड़ चुके हैं और लोगों को आगे आने का मौका ही नहीं देना चाहते! इसके पूर्व भी एक सभापतिजी ने दो कार्यकाल कर लिए उन पूर्व सभापति एवं उनके मंत्री वर्तमान सभापति के बीच सामंजस्य नहीं होने से विधान संशोधन के नाम पर केवल एक सभा पूरे सत्र में नागपुर में आमंत्रित की गई और चुनाव की तैयारी हो गई। इसी बीच दोनों का समझौता हो गया। परन्तु अपने अहंकार के कारण व माननीय सदस्यों को अवांछनीय समझने के कारण वर्तमान सभापतिजी कई चुनाव हार भी गए थे!

29वें सत्र में एक उपलब्धि ओर देखी गई कि मीटिंग की विषय सूची सिर्फ मोबाईल से जो उनके सदस्यों के वाट्स-अप ग्रुप बने हुये हैं। उसी में डाल कर अपने कार्य की इतिश्री कर ली। महासभा को इतनी हाई-टेक बना दी गई है। जिन सदस्यों के मोबाईल नम्बर में परिवर्तन हुआ है या महासभा के रिकॉर्ड में गलत फीडिंग हुई है, तो उनको कैसे सन्देश मिलेगा? क्या इतनी महत्वपूर्ण मीटिंग्स के लिये लिखित विषय सूची उनके रजिस्टर पते पर नहीं भेजी जानी चाहिए? अभी भी बहुत से सदस्य ऐसे हैं, जो स्मार्ट फोन का प्रयोग नहीं करते हैं। क्या महासभा के महामंत्री का यह दायित्व नहीं है कि सभी को लिखित रूप से ही एजेंडा भेजा जाए या उनको अपने मताधिकार से वंचित करवाने का ही एकमात्र उदेश्य था?

यह भी बड़ा आश्चर्य लग रहा है कि इस 29 वें सत्र के लिये पुनः वही उम्मीदवार जो 28 वें सत्र में चयन की चालाकी द्वारा आये थे, उसके अलावा कोई दूसरे उपयुक्त उम्मीदवार नहीं मिले। एक विचारणीय मुद्दा है। इतने वर्षों के बाद 28 वें सत्र में महासभा में चुनाव न होकर चयन से पदाधिकारियों को चुनने का अवसर आया था, लेकिन बड़े ही खेद की बात है कि 29 वें सत्र में अपने निजी स्वार्थ पूर्ति के लिये महासभा को चुनाव की भट्टी में झोंक दिया गया।

इतने बड़े सेवाभावी माहेश्वरी समाज, इतने बड़े ज्ञानी माहेश्वरी समाज, इतने जागरूक माहेश्वरी समाज, इतने बड़े व्यवसायी माहेश्वरी समाज की कि क्या आज यह स्थिति है। ढूंढने पर कोई दूसरा व्यक्ति पद पर बैठाने के लिए उन्हें नहीं मिल रहा? जबरदस्ती हथियाई गद्दी को बचाने के लिए संपूर्ण समाज को एक होकर समाज के प्रतिभावान, जुझारू, समझदार, योग्य व्यक्तियों से निवेदन करना पड़ रहा है कि हम नई टीम बनाये जो अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर निस्वार्थ भाव से समाज को एक नई दिशा दे।

**वास्तुदोष सभी सद्प्रयासों को निष्प्रभावी ही नहीं करते बल्कि प्रतिकूल भी कर देते हैं। समस्या तब अधिक होती है, जब हम आवास के वास्तुदोष को जानते तो हैं, लेकिन कुछ कर नहीं पाते। कारण उस भवन में तोड़-फोड़ करना हमारे हाथ में नहीं होता। आईये जानें ऐसी स्थिति में क्या करें हम?** - सरिता बाहेती

# बिना तोड़-फोड़ के भी सम्भव है वास्तुदोष का निदान

वास्तु शास्त्र अथर्व वेद का एक उपवेद है। इनके अनुसार वास्तु पुरूष एक भयानक दैत्याकार आकृति वाला एक महाशक्ति है। इस वास्तु पुरूष व उसके उपद्रव तथा उसकी शक्ति को दमन करने के लिये पैतालीस देवताओं ने उसका मुख नीचे की ओर कर उसे पृथ्वी में (भूमि) दबा रखा है। वास्तु पुरूष द्वारा ब्रह्मा की बहुत स्तुति की गई तो उन्होंने वास्तु पुरूष को वरदान दिया वह हर भूखंड के पूर्ण स्वामी अर्थात् मालिक के रूप में पूजा जायेगा और अन्य पैंतालीस देवता उसके विभिन्न अंगों के अधिष्ठान देवता कहलायेंगे। वास्तव में देखा जाऐ तो वास्तु दोष हर इंसान को अपनी लपेट में नहीं ले सकता। ज्यादातर यह दोष कंजूस, कड़वी वाणी वाले, चरित्रहीन, अधर्मी, विचारहीन तथा धार्मिक संस्थानों से खिलवाड़ करने वाले व्यक्ति तथा यज्ञहीन गाँव की जमीन को ही अपनी चपेट में ले सकता है।

## छोटे उपाय बड़े समाधान

चाहते तो हैं कि आप नये मकान में प्रवेश करते ही सुख, शांति, धन से पूर्ण रहें अगर ऐसा नहीं हो रहा है तो अवश्य कहीं ना कहीं वास्तु दोष या भूमि मिट्टी में दोष है। ऐसे मकान में रहने वाले ऊपर लिखित हवन करें। नये मकान में किसी कारण से आग्नेय कोण में सीढ़ी, शयन कक्ष, लेट्रिंग, बाथरूम या व्यापार स्थल बन चुका हो तो उस कमरे में जीरो पावर लाल बल्ब लगायें। उस मकान में रहने वाले व्यक्ति ज्यादा से ज्यादा गायत्री महामंत्र का जाप करें। भगवान विष्णु की पत्नी का नाम ही महालक्ष्मी है। उस मकान में महालक्ष्मी के निवास हेतु हर रोज तुलसी पत्ता सेवन कीजिये तथा मकान के चारों और या छत पर तुलसी पौधे का रोपण कीजिये। जो इंसान शीघ्र करोड़पति बनना चाहते हैं, वे ज्यादा से ज्यादा तुलसी के पौधे लगाए। तुलसी में धन की शक्ति भरी है। तुलसी की सुगंध से व हवन से उस सुगंधित क्षेत्र में अपने आप महालक्ष्मी देवी चली आती हैं। जैसे चंपा फूल के पेड़ जहां भी हों अपने आप नाग सर्प चले आते हैं। क्रोध भरे वातावरण से लक्ष्मी देवी चली जाती है।

## हवन का ले सहारा

प्रायः लोग पुराने मकानों में रहते हैं। ऐसे मकानों में वास करते हैं जहां 100 प्रतिशत वास्तु दोष है, गलत निर्माण किया गया है। फिर भी मकान को तोड़ना सम्भव नहीं है। ऐसे व्यक्ति वास्तु पुरुष के स्वामी ब्रह्मा अर्थात हवन-यज्ञ का सहारा लेवें। आप जिस किसी भी देवी-देवता को मानते हों उनका हवन माह में एक दिन अवश्य कीजिये तथा तुलसी के पौधे को मकान में ज्यादा से ज्यादा लगायें। हर महीने में एक दिन अपने मकान के अन्दर या गौशाला में गौमाता को अपनी शक्ति अनुसार अनाज या चारा खिलायें तथा गायत्री महामंत्र का जप करें। इससे वास्तु दोष आपके कर्म द्वारा अपने आप नष्ट हो जायेगा।

## इनका रखें विशेष ध्यान

आपके परिवार में कोई व्यक्ति बीमार हो या लड़का-लड़की की शादी ना होती हो तो उसे वायव्य कोण में कमरे में सुलायें। मकान के ठीक बीच के भाग को ब्रह्म स्थान कहा जाता है, इसे हमेशा साफ सुथरा रखे। इस भूमि के नीचे से लेट्रिंग पाइप को न ले जावें तथा इस स्थान के ऊपर लेट्रिंग न बनायें। अगर ऐसा हो चुका हो तो ऊपर लिखित कार्य करें। वास्तु दोषी मकान में रहने वाले व्यक्ति किसी भी साधु, संत के चरण में चले जाएं उन्हें शुभाशीर्वाद प्राप्त नहीं होगा। केवल अग्नि हवन से ही वह सुख शांति, धन प्राप्त कर सकेंगे। अपने पुत्र-पुत्रियाँ को हर रोज तुलसी पत्ता, सेवन करवाएं, पढ़ाई में आपके पुत्र-पुत्रियां तेजस्वी रहेंगे।

# बुलडाणा अर्बन

को-ऑप. क्रेडिट सोसायटी लि., बुलडाणा मल्टिस्टेट रजि.नं. २६७

www.buldanaurban.in | buldanaurban@rediffmail.com

ISO-9001 : 2000 एवंम
SA 8000-2002 मानांकित

☎:(07262) 242705, 243705

संस्था का कार्यक्षेत्र :- • महाराष्ट्र • राजस्थान • मध्यप्रदेश • छत्तीसगढ • गुजराथ • अंदमान-निकोबार

■ संस्था की वर्तमान स्थिती ■

| | |
|---|---|
| कुल जमाराशी | ७८१४ करोड |
| कुल ऋणराशी | ५६६३ करोड |
| कुल गोदाम | ३५० |
| कुल शाखा | ४५२ |
| कुल गोल्ड लोन | १६५२ करोड |
| कुल सदस्य | ७९८००० |

कार्यालय :- सहकार सेतु, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - ४४३ ००१ (म.रा.)

**संस्था की योजनाए**

- पुना में छात्रो के लिए छात्रानिवास
- उच्च शिक्षा लेनेवाले छात्रो के लिऐ विशेष ऋण योजना
- तिरुपती (आंध्रप्रदेश), माहुर एवं शिर्डी में भक्तनिवास
- बुलडाणा स्थित १२५ महिलाओं का छात्रानिकेतन
- ३५० वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
- बुलडाणा एवं मोर्शी गोरक्षण धाम
- बुलडाणा में वेदविद्यालय एवं जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित

## सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणिज्य महाविद्यालय

AQSR ISO 9001-2000 Registered

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा - ४४३ ००१

www.sahakarvidyamandir.in

(07262) 244707, 245705

वर्ग १ से १२ (विज्ञान शाखा)

**विशेषताए ■**

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी. अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण में ३० एकर विशाल परिसर में अनोखी स्कुल.
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीयम और सुविधाओं से पुरिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा.
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण, पर्वतरोहण, निशानेबाजी, स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी और भी बहोत कुछ....
- भारतीय संस्कृतीये आधारित एक परिपूर्ण शिक्षण, जहाँ आपका पाल्य शिक्षा एवंम् नैतिक मुल्यका खुदका विकास कर एक आदर्श नागरीक बने.
- छात्रावास :- छात्र एवंम् छात्राओं के लिए स्वतंत्र व्यवस्था. • बुलडाना जिल्हे में २० इग्लीश मिडीयम स्कुल जिसमें २५००० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते है ।
- मोशन क्लासेस कोटा (राजस्थान) के NEET / AIIMS / JEE / MHTCET / KVPY तथा Board Exam की ब्रांच बुलडाना में शुरु है ।

• विनित •

सौ. कोमल इंगवर
अध्यक्षा, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

राधेश्याम चांडक
संस्थापक अध्यक्ष, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ. सुकेश इंगवर
चिफ मॅनेजिंग डायरेक्टर, बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

सहकार की समृध्द परंपरा ..... बुलडाणा अर्बन....!

सहकार की समृध्द परंपरा ..... बुलडाणा अर्बन....!

मत सम्मत

## कितना सफल रहा?

# महासभा का आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण

**अ.भा. माहेश्वरी महासभा द्वारा इस सत्र में संपूर्ण समाज की जानकारी जुटाने के लिए आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण करवाया गया। इसका लक्ष्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आंकड़े जुटाकर उनके लिए योजनाएं बनाना तो था ही, साथ ही इसे समाजजनों की पहचान बनाकर मतदान के अधिकार से भी जोड़ा गया। इसकी पूर्णता के बाद कई प्रश्न खड़े हो गए हैं। क्या यह सर्वेक्षण संपूर्ण समाज तक पहुंच पाया? क्या इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लाभ पहुंच पाएगा? क्या इसे पूर्ण पारदर्शी ढंग से किया गया? इन सभी उत्तरों के आधार पर ही तय किया जा सकता है कि कितना सफल रहा 'आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण'? आईये जानें, इस स्तम्भ की प्रभारी मालेगांव निवासी सुमिता मूंदड़ा से उनके तथा समाज के प्रबुद्धजनों के विचार।**

### बिना रूपरेखा के कारण असफल

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा ने बड़े नेक दिल से माहेश्वरी समाज के उत्थान के लिए आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण करवाया। जिसका उद्देश्य समाजबंधु से जुड़ने के साथ-साथ समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक संबल प्रदान करना था। महासभा का सर्वेक्षण कराने का निर्णय दूरदर्शिता और सूझ-बूझ भरा था। निश्चित ही इसकी सफलता समाज के लिए हितकारी साबित होती पर आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण की यथोचित रूपरेखा तैयार नहीं होने के कारण ही सफल नहीं हो पाया। पूरे विश्व इतिहास में माहेश्वरी अपने एडमिनिस्ट्रेशन और मैनेजमेंट का लोहा मनवाता है, पर अपने ही कार्यक्षेत्र में वह खरा नहीं उतर पाया। इसके अंदरुनी कारणों से तो हम जैसे आम समाजबंधु अवगत नहीं हैं और सर्वेक्षण प्रतिनिधिमंडल के ऊपर उंगलियां उठाकर हम अपना विरोध जता रहे हैं। हर बड़े कार्य में कुछ ना कुछ खामियां तो रह ही जाती हैं। फिर यह तो इस विशाल माहेश्वरी समाज का लेखा-जोखा एकत्र करने जैसा अथाह कार्य था, पर इतना मुश्किल भी नहीं था। समाज के आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण का उत्तम विचार महासभा लेकर आई, योजना के तहत पारिवारिक सर्वेक्षण के फॉर्म जिन स्थानों पर घर-घर जाकर वितरित किए गये। अगर सभी समाजबंधु अपना सामाजिक-कर्तव्य समझकर इसमें अपना सहयोग देते तो भी यह कार्य आसान बन जाता। सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कार्य आज भी हमारे माहेश्वरी समाज की सबसे बड़ी जरूरत है।

**- सुमिता राजकुमार मूंधड़ा,** मालेगांव

### इसका उचित प्रचार-प्रसार नहीं हुआ

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा इस सत्र में आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण करने का ढिंढोरा पीटा गया था। इसका उद्देश्य महासभा के निर्धन परिवारों को आर्थिक मदद करना घोषित किया गया था। लेकिन सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण को मतदाता सूची से जोड़ना आश्चर्यजनक कदम है। बड़ा आश्चर्य हो रहा है कि यह आर्थिक सर्वेक्षण था या महासभा की जनसंख्या का। नाम के हिसाब से तो ऐसा लग रहा है कि यह आर्थिक सर्वेक्षण है और जिन समाजबंधुओं को कुछ मदद की जरूरत है, वे अपने को रजिस्टर करें। यह इको सर्वे अभी आधा अधूरा ही था कि इसे समाज पर थोप दिया गया व मताधिकार से वंचित किया गया, जो कतई उचित नहीं। इसके लिए ईमानदारी से प्रयास नहीं किए गए। सिर्फ सोशल मीडिया द्वारा ही इसका प्रचार-प्रसार करके इसकी खानापूर्ति कर दी गई।

**- रमेश काबरा**

### लक्ष्य हासिल ही नहीं हुआ

किसी भी संस्था द्वारा जब भी कोई कार्य किया जाता है तो निश्चित रूप से उसका लक्ष्य होता है जिसे वह पाना चाहती है। इसी तरह अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा इस सत्र में समाज की जानकारी जुटाने के लिए आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण कराया गया जिसका लक्ष्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आंकड़े जुटाकर उनके लिए योजनाएं बनाना था। सर्वेक्षण तो हुआ लेकिन उसका जो उद्देश्य था वह तो कहीं पर भी सफल होता नहीं दिखा। सर्वेक्षण पूरी तरह से असफल हुआ, क्योंकि जिस लक्ष्य प्राप्ति को लेकर उसका क्रियान्वयन किया गया, वह तो हासिल हुआ ही नहीं।

होगा भी कैसे? जब भी किसी कार्य को अखिल भारतीय स्तर पर करना होता है तो उसे प्रदेश, जिला, स्थानीय स्तर पर बांटा जाता है। उसी तरह समस्याओं का निवारण भी उसी स्तर ही किया जाएगा। स्थानीय आर्थिक सर्वेक्षण में आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की मदद के लिए पहले स्थानीय स्तर पर ही पहल करनी होगी अगर वह स्थानीय स्तर पर संभव ना हो तो जिला स्तर, प्रदेश स्तर और सबसे अंत में अखिल भारतीय स्तर पर निवारण होगा, लेकिन सर्वेक्षण का स्वरूप ही बिल्कुल विपरीत था। किसी को किसी भी तरह से पाबंद नहीं किया गया, कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई। सर्वेक्षण सफल होता है यदि उसका क्रियान्वयन सही तरीके से होता।

फिर बाद में उसे मतदान के अधिकार से भी जोड़ा गया। जब अभियान को शुरुआत में ही पारदर्शिता के साथ लागू नहीं किया तो मतदान जैसे संजीदा विषय के लिए जो उसे ठीक ठहराया ही नहीं जा सकता। निष्कर्ष यह है कि महासभा की मंशा अच्छी थी, लेकिन क्रियान्वयन के तरीके में खामियां-ही-खामियां थीं, इसलिए अभियान सफल नहीं कहा जाएगा।

**- स्वाति मानधना,** बालोतरा

**सज्जनता ऐसी विधा है**
**जो वचन से तो कम**
**किन्तु व्यवहार से**
**अधिक परखी जाती है!!**

## अधूरे सर्वेक्षण से लाभ कैसा?

वर्तमान में जो सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण हुआ है, वह अपूर्ण ही नहीं बल्कि कई बड़ी-बड़ी त्रुटियों से भरा है, तो इससे लाभ कैसा? इससे तो और भी परेशानियां ही बढ़ी हैं। समाज में विधवा बहनों का वास्तविक आंकड़ा 1000 से अधिक है, लेकिन इस सर्वेक्षण में मात्र जानकारी न होने से बड़ी संख्या में इस सर्वेक्षण में ये शामिल नहीं हो पाई। इससे इनका आंकड़ा मात्र 273 रहा गया, जो वास्तविक संख्या से लगभग 25 फीसदी ही है। ऐसे में लगभग 75 फीसदी विधवा महिलाएं सामाजिक आर्थिक सहायता पाने से वंचित हो गईं। ठीक इसी तरह चाहे परिवार की आर्थिक आय 1 लाख रुपए है, लेकिन उनका नाम 3 लाख आय वाली श्रेणी में डाल दिया गया। ऐसे में ऐसे कई परिवार समाज की योजनाओं से निःसंदेह बाहर हो जाएंगे।

अब यदि इस सर्वेक्षण की पूर्णता की बात करें, तो स्वयं सभापतिजी ने पूर्व में समाजजनों की संख्या एक बार 10 लाख व दूसरी बार 7 लाख बताई थी लेकिन इस सर्वेक्षण के आंकड़ों को देखा जाए तो इसके अनुसार यह संख्या मात्र 4 लाख 81 हजार आ रही है, जो वास्तविक संख्या की आधी भी नहीं हैं। इन्हें देखकर तो ऐसा ही लगता है कि लक्ष्य सिर्फ छापना और दिखाना भर था। इसका नतीजा यह रहा कि बड़ी संख्या में समाजजन इस अधूरे सर्वेक्षण के कारण समाज की वोटर लिस्ट तक से बाहर हो गए।

अब बात वोटर लिस्ट की की जाए तो उसे इस अधूरे सर्वेक्षण से जोड़ना तो गलत है ही, साथ ही जो नियम अपनाए गए, उसका भी मनमाना उपयोग हुआ। वर्तमान नियमों के अनुसार 'एक चूल्हा एक वोटर' का सिद्धांत समाज में लागू है, लेकिन हो यह रहा है कि कहीं किसी संयुक्त परिवार में भी मात्र एक वोटर है तो वहीं कुछ प्रभावशाली परिवारों में परिवार के अधिकांश सदस्य मतदाता बना दिए गए। इसी तरह ऐसे कई ट्रस्टों के प्रतिनिधियों को भी मतदाता बना दिया गया, जिन ट्रस्टों ने अभी तक कोई आर्थिक योगदान दिया ही नहीं है।

**- जेएम बूब,** जोधपुर

## सर्वेक्षण अधूरा और गलत भी

आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण के पीछे जो लक्ष्य बताए जा रहे थे, उनमें से कोई भी पूर्ण हुआ, ऐसा लगता नहीं है। कारण यह है कि शत-प्रतिशत से तो डाटा संग्रह अभी भी बहुत दूर है और जो डाटा संग्रहित किए गए हैं, उनमें से लगभग 20 प्रतिशत डाटा तो ऐसे हैं, जो गलत हैं। इससे समाज के परिवारों की सही जानकारी सामने आए, आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों को चिह्नित कर सकें तथा प्रोफेशनल का उचित उपयोग कर सकें ऐसा इन आंकड़ों के आधार पर लगता नहीं है। फिर जो हुआ वह तो सीधे लक्ष्य से भटकाव ही है। इन लक्ष्यों से अलग हटकर महासभा के कर्णधारों ने इस सर्वेक्षण को मतदाता सूची से जोड़ दिया। यह फरमान जारी कर दिया कि जिसका इसका सर्वेक्षण का आईडी नहीं है, वह वोटिंग नहीं कर पाएगा। ऐसा लगता है कि यह योजनाबद्ध ही था। इसके पीछे शायद लक्ष्य वह नहीं था, जो बताया जा रहा था, बल्कि लक्ष्य अपनों को ही मतदाता सूची में रखना था। वे चाहते हैं कि जिंदगीभर सत्ता उन्हीं के पास रहे। उन्होंने तो इसके लिए अति ही कर दी है।

**- अनिल मानधनी,** गोरखपुर

## उद्देश्यों पर सफल नहीं हुआ

पिछले दो-तीन वर्षों से सर्वेक्षण कार्य समाज में किया गया है। सामान्य जानकारी में नाम, पता, पारिवारिक विवरण, जन्म, स्थान, व्यापार-व्यवसाय, शिक्षा आदि विषयों पर जानकारी एकत्रित करने का कार्य तालुका अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष और प्रदेशाध्यक्षों के जिम्मे था। मान लो एक शहर में चार हजार परिवार हैं तो वहां चार हजार फॉर्म आए या नहीं, यह देखना भी तो अनिवार्य था। हर कार्य सही पद्धति से करते हैं, तो फिर सामाजिक सर्वेक्षण का कार्य क्यों नहीं किया गया? सर्वेक्षण में अवलोकन, प्रश्नावली और साक्षात्कार होना जरूरी है। समाज के निम्न स्तर पर जीवन यापन कर रहे समाज के नागरिक से शुरुआत होना चाहिए थी। सर्वेक्षण क्षेत्रों का चयन कर समाज के कार्यकर्ताओं को उनकी जिम्मेदारी देना अनिवार्य थी। इस कार्य का पूरा ब्योरा लेने की जिम्मेदारी समाज के वरिष्ठ पद पर बैठे व्यक्ति की थी, लेकिन ऐसा हुआ ही नहीं है। सभी समाजसेवी मंच पर भाषण, फोटो आदि दिखावे में जुटे हैं। जो सर्वे फॉर्म वितरित किए गए हैं, वे समाज के आम नागरिक तक पहुंचे ही नहीं। इसके लिए एक एप भी बनाया गया लेकिन बहुत खेद से कहना पड़ रहा है कि समाज के कार्यकर्ताओं को ही यह समझ नहीं आया। इसकी जानकारी पूछने पर वे सभी एक-दूसरे के नाम बताते हैं। यह सर्वेक्षण का कार्य सिर्फ और सिर्फ समाज के कुछ ही गिने-चुन व्यक्ति तक पहुंचा है। इससे समाज का यह कार्य निष्फल रहा व समय और पैसे सभी पानी में गए। सर्वेक्षण का नतीजा हुआ कि समाज की सही स्थिति सामने नहीं आई, न ही जनगणना पूरी हुई। समाज की आर्थिक स्थिति भी सही रूप से सामने नहीं आई। इस परिस्थिति में कोई भी समाज हित में लिया हुआ निर्णय समाज के लिए घातक भी हो सकता है।

**- अनिता मंत्री,** अमरावती

## अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा ही नहीं

समाज के चहुंमुखी विकास के उद्देश्य से 26वें सत्र में सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक सर्वेक्षण का कार्य प्रारंभ हुआ। उद्देश्य पावन था, अतः कार्यकर्ताओं ने सेवा के उद्देश्य से कुछ समय तो सकारात्मक प्रयास किए। उस समय प्रचारित आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि कई प्रदेशों में जो 60-70 प्रतिशत सर्वेक्षण हुआ, उसमें भी शत-प्रतिशत सही जानकारी नहीं थी। ऐसी विषम स्थिति को अनदेखा करते हुए भी तत्कालीन महामंत्रीजी ने इस सत्र में सभापति पद ग्रहण करते ही पुनः सर्वेक्षण का कार्य प्रदेश सभाओं के लिए अनिवार्य किया। कार्य की गंभीरता को न लेते हुए सदस्यों ने जो जानकारी जमा की यह केवल खानापूर्ति ही कही जा सकती है। विशेष रूप से महानगरों में तो यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि समाज के अंतिम घटक तक सर्वे करने वाले सदस्य पहुंचे ही नहीं। सर्वेक्षण में समाज के जरूरतमंद परिवारों की पहचान संभवतः पचास प्रतिशत भी सही नहीं हो पाई है। समाज के जरूरतमंद

परिवारों के कल्याण के नाम पर सक्षम सुहृदय दानदाताओं से अनुदान लेकर स्थापित ट्रस्टों की मूल भावना से हटकर इस सर्वेक्षण में पंजीकरण का अभाव लाभार्थी परिवार को ट्रस्ट से सहयोग पाने से भी वंचित कर रहा है। निःसंदेह यह न तो 26वें सत्र में लिए गए निर्णय की मूल भावना के अनुरूप है, और न ही समाज विकास के लिए सहायक।

**- रामपाल अट्टल,**
आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा

## सर्वेक्षण को चुनाव से जोड़ना अनुचित

जिस तरह बढ़ती आबादी देश के लिए चिंतन का विषय है, उसी प्रकार माहेश्वरी समाज की घटती आबादी महासभा के लिए चिंतन का विषय है। इसके लिए आर्थिक-सामाजिक सर्वेक्षण बहुत जरूरी था, लेकिन जैसे ही महासभा ने इस आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण को चुनाव से जोड़ा, जिस कार्य के लिए यह सर्वेक्षण कराया गया उसका महत्व कम हो गया। तेलंगाना प्रदेश के एक छोटे से जिले निजामाबाद में जहां लगभग 200 माहेश्वरी परिवार बसते हैं, वहां की जिला सभा ने भी महासभा के इस कार्य में भागीदारी करते हुए जिले के हर घर तक जाकर लगभग 70 प्रतिशत परिवारों के फॉर्म भरवाए थे। आज निजामाबाद जिले की यह स्थिति है कि यहां पर जिला सभा के चुनाव तीन बार स्थगित हो चुके हैं। कारण सर्वेक्षण डाटा से किसी ने छेड़खानी की, जैसे कि हेड ऑफ द फैमिली का नाम चेंज हो गया, नंबर ऑफ फैमिली मेंबर्स कम हो गए इत्यादि। इसके लिए आज भी माहेश्वरी समाज, प्रादेशिक एवं महासभा के महानुभाव के उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा है। जिस भावना से जिला सभा ने महासभा के मोटो 'साथ चलेंगे तभी बढ़ेंगे' का साथ दिया एवं 90 प्रतिशत आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण को निःस्वार्थ भाव से पूरा किया, उन्हें पता ही नहीं चला कि साथ चलते-चलते कब उन्हें साइड कर दिया गया।

**- श्रीकांत झंवर,** कोषाध्यक्ष,
निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन (तेलंगाना)

## सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं

रसोई में चाकू न हो तो भोजन नहीं बन सकता। कुशल गृहिणी उससे घरवालों का पेटी ही नहीं भरती, दिल भी जीत लेती है। उसी चाकू से कोई दूसरों को डराता-धमकाता ही नहीं वरन खून तक कर डालता है। दोष या गुण चाकू में नहीं, प्रयोग करने के तरीके में होता है। सामाजिक सर्वेक्षण सामाजिक व्यवस्था को जानने, समझने एवं सुधारने हेतु एवं आर्थिक सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था को मजबूत एवं जनकल्याणकारी बनाने के लिए वृहद समाज एवं देश में किए जाते हैं, जो नागरिक हित में होते हैं। अर्थशास्त्र-समाजशास्त्र के इस सूत्र पर महासभा के सर्वेक्षण को परखा जाए तो हम पाएंगे कि छोटी सी जनसंख्या वाले समाज की जानकारी एकत्र करने में पूरा सत्र खप गया, फिर भी कार्य अधूरा ही रहा। जानकारी इकट्ठा करने के तौर तरीके अव्यावहारिक हैं, जिनसे अनेकों यांत्रिक त्रुटियां हैं, जिन्हें सुधारने में सत्र निकल गया। फिर सामाजिक सेवा कार्य चुनाव का हथियार बन गया। जिसने फॉर्म नहीं भरा वो मताधिकार से बाहर, पद प्राप्ति से बाहर, सहायता के नाम पर समाजजन धन से बने संगठन के ट्रस्टों की सहायता से बाहर हो गये। हाईटेक तरीके से सर्वे सिस्टम चलाने से पहले ये जानना चाहिए था कि जानकारी देने वाला हाईटेक है, या नहीं। परीक्षा लेने से पहले पाठ पढ़ाना होता है। नतीजा यह हुआ कि इको सर्वे ने सोशो सर्वे का सत्यानाश कर दिया। समाज की जनसंख्या आधी से कम दिखाई दी। कार्य संपादन का तरीका सही नहीं रहा। गरीब अपनी गरीबी का ढोल नहीं पीटता। हम सब जानते हैं, घर में चटनी रोटी खाने वाला स्वाभिमानी समाजबंधु भी मेहमान को मीठा व नमकीन परोसता है। जरूरतमंद समाजजनों की मदद करनी होगी। अन्य संपन्न समाजों की तरह माहेश्वरी समाज का एक भी परिवार अभाव में नहीं जीना चाहिए। उसके सीने पर ईको सर्वे कार्ड का ठप्पा नहीं लगाना है।

**- कल्पना गगडानी,**
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
अभा माहेश्वरी महिला संगठन

## घोषित उद्देश्यों से भटक गया

मेरी नजर में सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण करने का निर्णय वर्तमान महासभा की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है किंतु जिस प्रकार से आधा अधूरा कार्य करके लोगों को वोटिंग के अधिकार से वंचित करने का निर्णय लिया गया, आर्थिक मदद पाने से वंचित किया गया, समाज के किसी भी पद के लिए चुनाव लड़ने से रोक दिया गया, यह पूरी तरह से एक अनुचित कदम है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि इसके लिए ईमानदारी से प्रयास नहीं किए गए, सिर्फ सोश्यल मीडिया द्वारा प्रचार-प्रसार करके खानापूर्ति कर दी गई। बेहतर होता अगर यह सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण का काम पूरा करने के लिए सभी ग्राम, शहर व जिला, प्रदेश तथा महासभा की समितियों की जवाबदेही तय करके इस काम को अपने अंजाम तक पहुंचाया जाता। आर्थिक मदद पाने से वंचित करना या मताधिकार से वंचित करना तो किसी भी प्रकार से इस सर्वेक्षण के घोषित उद्देश्यों से बिल्कुल विपरीत ही है।

**- ललित धूत,** मुंबई

## हर समाजजन तक नहीं पहुंचा

महासभा द्वारा करवाया गया आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण वास्तव में समाज के कमजोर वर्ग तक पहुंचने का अच्छा प्रयास था। फिर भी यह पूरी तरह समाजजनों तक पहुंच नहीं पाया। शायद कहीं न कहीं कमी रह गई। इससे जो लाभ समाजजनों को मिलना था, वह नहीं मिल पाया। मेरे विचार में यह महासभा का एक सराहनीय कदम था। अब इसे हर घर तक पहुंचाने के लिए जिला सभाओं को जिम्मेदारी सौंपना चाहिए। इनके माध्यम से ही सभी सहायता के प्रयास हों तथा इसके लिए सेवा ट्रस्टों को भी पत्र प्रेषित कर प्रेरित करें।

**- विकासकुमार कचौलिया,**
जिला प्रतिनिधि माहेश्वरी सेवा संगठन, भीलवाड़ा

## आधे से कम लोग सर्वेक्षण में शामिल

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा द्वारा विगत कई दिनों से चलाए जा रहे आर्थिक एवं सामाजिक सर्वेक्षण के डाटा के अनुसार अभी तक हमारी कुल परिवार संख्या लगभग 140000 के आसपास दिख रही है। एक पूर्व सर्वेक्षण के अनुसार माहेश्वरी परिवार देशभर में 250000 के आसपास हैं। आखिर क्या कारण है कि लगभग 100000 परिवारों ने अभी तक महासभा की इस अति महत्वपूर्ण योजना का लाभ नहीं लिया? या यूं कहें अब तक महासभा इतने परिवारों को क्यों नहीं जोड़ पाई?

**- सतीश बजाज,** नागदा

**अमूल्य संबंधों की तुलना कभी धन से न करें।**
**क्योंकि**
**धन दो दिन काम आयेगा,**
**जबकि संबंध उम्र भर काम आयेंगे.**

## कई लोगों ने नहीं भरे फॉर्म

जहां तक आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण की बात है, महासभा द्वारा ये योजना समाज हित के लिए ही चलाई गई है। हमें ये नहीं पता कि हम कितने माहेश्वरी हैं? समाज में कमजोर बंधु कौन हैं? समाज में लिंगानुपात क्या है? इत्यादि। अगर लोगों ने फॉर्म पूरा भरकर दिए हैं तो ये महासभा के लिए बहुत उपयोगी होंगे। ये सब स्थानीय पदाधिकारी या सदस्यों की इच्छाशक्ति पर निर्भर करता है कि वो इस योजना को कितना सफल बना पाते हैं? इसमें पूरे समाज को भी जागरूक करना पड़ता है। अन्यथा सभा के सदस्य घर-घर जाकर फॉर्म भरवाते हैं तो भी लोग भरकर नहीं देते हैं। महासभा कोई भी योजना लाती है, तो वो निश्चित रूप से समाज के भले के लिए ही लाती है। हमने बीकानेर में घर-घर जाकर फॉर्म भरवाए लेकिन फिर भी कई परिवारों ने फॉर्म अभी तक भरकर नहीं दिए जो लोग इसका महत्व नहीं समझते, ऐसे लोगों का कोई क्या कर सकते हैं?

**- गोपीकिशन पेड़ीवाल,**
अध्यक्ष, माहेश्वरी सभा (शहर) बीकानेर

## सही सोच की शुरुआत ही सफलता की मंजिल

आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण आर्थिक सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से किया गया। जब सोच ही जनकल्याण की हो तो इसकी शुरुआत ही इसकी सफलता की कहानी बयान करती है। नन्हे कदम ही परिपक्वता की पहचान होते हैं। सर्वेक्षण के कारण कम से कम आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आंकड़े तो आए, कम से कम इनके सामाजिक व आर्थिक सुधार की सोच तो आई। नींव तो रखी गई और जहां नींव पक्की हो वहां देर सवेर ही सही पर पक्की इमारत बन ही जाती है। योजना बनाकर उसका क्रियान्वयन करना नितांत आवश्यकता है। कोई भी मुहिम तभी सफल होती है। जब सब एकजुट होकर उसकी सही दिशा में पूर्णता की कामना करते हुए जिम्मेदारी लें। रही बात सफलता के प्रतिशत की तो जब हाथ से हाथ मिलते हैं तो 40 प्रतिशत मिली सफलता को भी 100 प्रतिशत होने में समय नहीं लगता। अतः महासभा द्वारा सफलता और उत्थान की ओर उठाया गया उचित कदम है।

**- शालिनी चितलांगिया**
राजनांदगांव छत्तीसगढ़

# श्री माहेश्वरी टाईम्स के संरक्षक बने
# रामकुमार माहेश्वरी (टावरी)

दिल्ली। वरिष्ठ समाज सेवी व पेट्रोलियम व्यवसायी रामकुमार माहेश्वरी लाखों पाठकों की चहेती श्री माहेश्वरी टाईम्स को संरक्षक के रूप में संबल प्रदान करेंगे। आपने श्री माहेश्वरी टाईम्स के पावन उद्देश्यों को देखते हुए इसके संरक्षक मंडल में शामिल होने की सहमति जताई है।

श्री टावरी का परिवार मूल रूप से पोखरन (राजस्थान) का मूल निवासी है। लगभग 325 वर्ष पूर्व उनके पूर्वज पोखरन से रोहतक (हरियाणा) आ गये। यहां 7 नवंबर 1944 को स्व. श्री बद्रीप्रसाद व स्व. श्रीमती सरस्वती देवी टावरी के सुपुत्र के रूप में रामकुमार टावरी का जन्म नाना के गांव लाख जिला मुजफ्फरनगर (यूपी) में हुआ। लगभग 73 वर्ष पूर्व पिताजी व्यावसायिक कारणों से रोहतक से दिल्ली आ गए। वे यहां किराना आदि का छोटा-मोटा व्यवसाय करते थे। श्री टावरी की शिक्षा मैट्रिक तक भी नहीं हो पाई थी कि परिवार की आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें भी व्यवसाय में उतरना पड़ा। वे कुछ और करना चाहते थे। अतः आर्थिक परेशानियाँ भी उनके दृढ़ संकल्प के सामने बौनी साबित हुईं। वर्ष 1970 में पेट्रोलियम पदार्थों के व्यवसाय में पहला कदम रख दिया। इसमें वे लुब्रिकेटिंग ऑयल व लाइट डीजल ऑयल का व्यवसाय कर रहे थे। फिर इनका व्यवसाय शनैः-शनैः बढ़ता ही चला गया। वर्तमान में इंडियन ऑयल का उनका 'दिल्ली डीजल' के नाम से पेट्रोल पंप भी है। यह प्रारंभ से ही पार्टनरशिप में संचालित है। आप कंपनी 'सन लीजिंग लि.' के मैनेजिंग डायरेक्टर भी हैं।

### समाजसेवा के प्रति सदैव समर्पित

श्री टावरी महाराज अग्रसेन हॉस्पिटल चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं, इस ट्रस्ट के द्वारा पंजाबी बाग दिल्ली में हॉस्पिटल का संचालन किया जाता है। अब उनका ट्रस्ट बहादुरगढ़ (हरियाणा) व द्वारिका में भी अस्पताल बन रहा है। इसके साथ ही सुखधाम भवन वृंदावन (उप्र) के भी ट्रस्टी हैं और होमगार्ड दिल्ली सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के बटालियन कमांडर रहे हैं। माहेश्वरी समाज के अंतर्गत अभा माहेश्वरी महासभा के श्री चुन्नीलाल सोमानी के सभापति काल के दौरान संयुक्त सचिव उत्तरांचल रहे तथा श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्र को सदस्य के रूप में सेवा दे रहे हैं। आपकी धर्मपत्नी स्व. उर्मिला माहेश्वरी का 3 जनवरी 19 को देहावसान हो गया है। आप बड़ी धार्मिक स्वभाव की महिला थी। आपके परिवार में विनोद-उर्वशी, आशीष-अल्पा (पुत्र एवं पुत्रवधु) तथा दो पुत्रियाँ अल्का-घनश्याम पेडीवाल, अर्चना-अभय सुरजन तथा तीन पौत्र करण, नमन एवं पार्थ तथा एक पौत्री श्रुति व दोहिता विदित, कृष्णा व सिद्धार्थ तथा एक दोहिती मानसी पेडीवाल शामिल हैं। सभी आपके पदचिन्हों पर चल रहे हैं। श्री टावरी का कहना है कि सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता। यह सिर्फ समर्पित भाव व ईमादारी से किये गये कार्य से ही प्राप्त होती है।

सकारात्मकता वास्तव में जीवन जीने की एक कला है। जिसमें निपुणता हमारे जीवन को एक नया नजरिया देती है। वो नजरिया जिससे इंसान सिर्फ आगे ही बढ़ता है और हमेशा आत्मसंयमित तथा संतुलित रहता है, फिर चाहे जो परिस्थिति आए या जिस मोड़ पर वो खुद को खड़ा पाए, वो उसका सामना कर ही लेता है। सकारात्मकता हमारे दिमाग की एक अवस्था है, जिसमें आप हमेशा सकारात्मक ही सोचते हैं अर्थात कैसा भी समय आया हो अच्छा या बुरा आप एक ही दिशा में अपने विचार रखते हैं, तो वो सकारात्मकता कहलाती है। ये वो अवस्था है, जो सबको हासिल करना है। मुमकिन भी है पर वास्तविकता में उसकी तरफ मेहनत बहुत कम लोग ही करते हैं। क्योंकि उस तरफ आगे बढ़ने के लिए भी दिमाग में एक आशावादी सोच का होना जरूरी है।

नम्रता कचौलिया, इंदौर

# जीवन जीने की एक कला है सकारात्मकता

## सकारात्मक कैसे बनें

इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण ये है कि आपको सकारात्मक रहने का अभ्यास करना होगा। उसके लिए हमेशा अपनी सोच को उसी दिशा की ओर प्रेरित करना होगा। नकारात्मक विचार आते हैं ये सच है पर उनसे चिपकिए मत। उनसे दूर हो जाइए। वो ऐसे कि आपको जब भी कभी लगे कि अब विचार अपनी दिशा से भटक रहे हैं, तो उसी समय एक ऐसा पल याद करें, दिन का या कुछ समय पहले का जब आप किसी भी चीज से बहुत खुश हुए थे और आपको अच्छा लगा था। ऐसा करने से आप एक दम से अपनी दिशा बदली हुई महसूस करेंगे। अपने विचारों का निरीक्षण कीजिए। उन्हें एक सही दिशा दिखाइए। ऐसा दोहराते रहिए और इस रीति पर अडिग रहिए। बस जैसी ही एक बार आपको सकारात्मकता ने आकर्षित कर लिया बस फिर समझ लीजिए अच्छे दिन आ चुके हैं।

## सकारात्मकता कब जरूरी

ऐसा कोई समय निश्चित नहीं होता कि व्यक्ति को कम से कम तब तो सकारात्मक हो ही जाना चाहिए। बल्कि ये तो हमारे हर पल हर घंटे की जरूरत है। ऐसी सोच विकसित करने का भी कोई सही या गलत समय नहीं होता बस जिस पल ठान लो और अपने दिमाग से कह दो कि ये तरीका अच्छा है। जीवन को बिताने का वो ही समय सही बन जाता है। एक शुरुआत की जरूरत होती है और फिर प्रयास की उसके बाद तो एक समय ऐसा आ ही जाता है की आपकी आदत हो जाती है हर बात को पॉजीटिव लेने की।

## सकारात्मकता क्यों जरूरी

हम हमेशा देखते हैं कि जो होना होता है, वो होकर ही रहता है। चाहे उस दौर में हम संतुलित रहे हों या आत्मसंयम खोया हो। तो क्यों ना अपने आप के अंदर वो सोच लाएं, वो सकारात्मकता लाएं कि चाहे जैसी परिस्थिति आ जाए हम नहीं हिलेंगे। उसका सामना पूरी हिम्मत से डट के करेंगे तथा आशावादी रहेंगे। अतः एक सकारात्मक दिमाग ही आपको शांतिपूर्ण जीवन का अनुभव करा सकता है इसलिए ये होना जरूरी हो जाता है।

## सकारात्मक होना कहां जरूरी

ये हर जगह काम आता है घर हो या ऑफिस, खुद के लिए हो या बाहरी दुनिया के लिए सब दूर हमें दूसरों से एक अलग पहचान दिलाता है क्योंकि इसका अपना प्रभाव होता है जो खुद को महसूस होता है और दूसरों को भी दिखाता है। चाहे आप अपनी जीवन की सबसे बड़ी खुशी का सामना कर रहे हों या सबसे बढ़ा दुःख देख रहे हों, ये दोनों जगह आपको अपना वर्चस्व दिखा ही देगा। आखिरी और महत्वपूर्ण बात, आप जब अपने जीवन के उद्देश्य को पाने निकलते हो तो निश्चित ही आप कड़ी मेहनत करते हो। पर फिर भी हार जाओ, तो ऐसा कितनी बार होगा कि आप दोबारा उस हार को अपनाकर फिर मेहनत करोगे। एक बार दो बार, ज्यादा में ज्यादा तीन बार परंतु यदि आप हार की अवस्था में भी सकारात्मक रहते हो तो। ये जरूर देखना कि चाहे जितना समय आपको लगने वाला हो, फिर भी आप लक्ष्य पर ही केंद्रित रहोगे। ये इसकी ताकत है। सकारात्मक रहिए, स्वस्थ रहिए, शारीरिक और मानसिक रूप से।

CLASSIC
Granite & Ceramic
Quality Matters

Jugal Kakani
+91 90370 56468

Mukesh Kakani
+91 77362 05448

Deals in All Kind of Natural Stone
Granite, Marble, Ceramic
Vitrified Tiles, Epoxy Grout, Adhesives
and all kinds of flooring solutions

Kajaria MYK LATICRETE

Near Petrol Pump, Opp. Abad Fisheries N.H.66, Aroor, Alappuzha- 688534 classicgraniteceramic@gmail.com

# क्या हमेशा अशुभ होता है पंचक

**हमारे यहां हर शुभ कार्य अक्सर मुहूर्त देखकर किया जाता है। इसमें जैसे ही पंचक शब्द आते ही आम व्यक्ति अनिष्ट की आशंका से भय ग्रस्त हो जाता है। वास्तविकता देखी जाए, तो पंचक हमेशा अशुभ ही नहीं होता। आइये जाने आखिर क्या होता है पंचक और यह कब होता है, अशुभ या शुभ?**

ज्योतिष में अशुभ समय होने पर शुभ कामों को करने की मनाही होती है। इसी के चलते पंचक के समय हर किसी को शुभ करने से रोका जाता है। देखों-देखी लोग इस बात को अपना तो लेते हैं, परंतु पंचक है क्या? और इसे अशुभ क्यों माना जाता है, इसके बारे में किसी को नहीं पता, तो आइए आज जानते हैं कि आखिर क्यों पंचक को अशुभ कहा जाता है? बता दें कि ज्योतिष में पांच नक्षत्रों के मेल से बनने वाले योग को पंचक कहा जाता है। जब चंद्रमा कुंभ और मीन राशि पर रहता है, तो उस समय को पंचक कहा जाता है। ज्योतिष के अनुसार चंद्रमा एक राशि में लगभग ढाई दिन रहता है। इस तरह इन दो राशियों में चंद्रमा पांच दिनों तक भ्रमण करता है। इन पांच दिनों के दौरान चंद्रमा पांच नक्षत्रों धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती से होकर गुजरता है। अतः ये पांच दिन पंचक कहे जाते हैं।

इतना तो सब जानते ही हैं कि हिंदू संस्कृति में प्रत्येक काम को करने से पहले मुहूर्त देखा जाता है, जिसमें पंचक सबसे महत्वपूर्ण है। जब भी कोई काम प्रारंभ किया जाता है, तो उसमें शुभ मुहूर्त के साथ पंचक का भी विचार किया जाता है। नक्षत्र चक्र में कुल 27 नक्षत्र होते हैं। इनमें अंतिम के पांच नक्षत्र दूषित माने गए हैं। ये नक्षत्र धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद और रेवती होते हैं। प्रत्येक नक्षत्र चार चरणों में विभाजित रहता है। पंचक धनिष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण से प्रारंभ होकर रेवती नक्षत्र के अंतिम चरण तक रहता है। हर दिन एक नक्षत्र होता है इस लिहाज से धनिष्ठा से रेवती तक पांच दिन हुए। ये पांच दिन पंचक होता है।

## पंचक यानि पांच

माना जाता है कि पंचक के दौरान यदि कोई अशुभ काम हो तो उनकी पांच बार आवृत्ति होती है। इसलिए उसका निवारण करना आवश्यक होता है। पंचक का विचार खासतौर पर किसी की मृत्यु के समय किया जाता है। माना जाता है कि यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु पंचक के दौरान हो तो घर-परिवार में पांच लोगों पर मृत्यु के समान संकट रहता है। इसलिए जिस व्यक्ति की मृत्यु पंचक में होती है उसके दाह संस्कार के समय आटे-चावल के पांच पुतले बनाकर साथ में उनका भी दाह कर दिया जाता है। इससे परिवार पर से पंचक दोष समाप्त हो जाता है। शास्त्रों में पंचक के दौरान कुछ कामों को करने की मनाही रहती है। उन्हें भूलकर भी इस दौरान नहीं करना चाहिए। हर 27 दिन बाद नक्षत्र की पुनरावृत्ति होती है, इस लिहाज से पंचक हर 27 दिन बाद आता है।

## कौन से काम नहीं करने चाहिए

हमारे हिंदू धर्म में हर शुभ काम को करने से पहले ग्रह, नक्षत्र और खासकर के पंचकों का ध्यान भी रखा जाता है। उसके बाद ही कोई धार्मिक कार्य किया जाता है। ज्यादातर लोगों को ग्रहों और नक्षत्रों का तो पता ही होता है लेकिन पंचक के बारे में कोई कोई ही जानता है। ज्योतिष शास्त्रों में इसे अशुभ समय माना गया है। ज्योतिष के अनुसार जब चन्द्रमा कुंभ और मीन राशि पर रहता है, तब उस समय को पंचक कहते हैं। कहा जाता है कि इस दौरान कोई भी शुभ काम नहीं करना चाहिए। आइए जानते है कौन से कार्य नहीं करने चाहिए। पंचक के दौरान जिस समय धनिष्ठा नक्षत्र हो उस समय घास, लकड़ी आदि ईंधन एकत्रित नहीं करना चाहिए, इससे अग्नि का भय रहता है।

इस समय दक्षिण दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए, क्योंकि दक्षिण दिशा, यम की दिशा मानी गई है। इस समय दक्षिण दिशा की यात्रा करना हानिकारक माना गया है। ज्योतिष की मानें तो पंचक के दौरान जब रेवती नक्षत्र चल रहा हो, उस समय घर की छत नहीं बनवानी चाहिए, इससे धन हानि और घर में क्लेश होता है। पंचक में चारपाई बनवाना भी अशुभ माना जाता है। विद्वानों के अनुसार ऐसा करने से कोई बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। अगर पंचक के दौरान किया की मौत हो जाए तो शव का अंतिम संस्कार नहीं करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि पंचक में शव का संस्कार करने से उस परिवार में पांच ओर मृत्यु जरूर हो जाती है।

लेकिन किसी कारणवश इस दौरान अगर कोई कार्य पूर्ण करना बहुत ज्यादा जरूरी हो तो कुछ ऐसे भी उपाय है, जिनको अपनाकर व्यक्ति अपना जरूरी कार्य कर सकते है। आइए जाने क्या है, वो उपाय-पंचक के दिनों में अगर घर की छत डलवाना जरूरी हो तो ऐसे समय में मजदूरों को मिठाई खिलाएं, उसके बाद छत डलवाने का कार्य करें। अगर घर में शादी का शुभ समय आ गया है और समय की कमी है, तब लकड़ी का समान खरीदना जरूरी हो तो गायत्री हवन करवा कर लकड़ी का फर्नीचर की खरीदारी कर सकते हैं। पंचक में अगर ईंधन इकट्ठा करना जरूरी हो तो पंचमुखी दीपक (आटे से बना दीया, तेल से भरकर) शिव मंदिर में जलाएं, उसके बाद ईंधन खरीदें। पंचक के दौरान अगर किसी कारणवश दक्षिण दिशा की यात्रा करना ही पड़ें तो हनुमान मंदिर में 5 फल चढ़ाकर यात्रा करें।

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु पंचक का समय में हो जाती है, तो शव के साथ पांच पुतले आटे या कुश से बनाकर अर्थी पर रखें और इन पांचों के शव का पूरी विधि-विधान से अंतिम संस्कार करने से पंचक दोष समाप्त हो जाता है।

**लगभग अधिकांश बीमारियों का कारण पेट की खराबी ही होती है। इसे ठीक करने के लिये हम कई बार डॉक्टरों के चक्कर लगा-लगाकर परेशान हो जाते हैं, लेकिन दवा बंद की नहीं कि समस्या फिर खड़ी हो जाती है। यदि ऐसा अक्सर होता है, तो सचेत हो जाएं। क्योंकि आपकी इन समस्याओं का कारण आपका 'मन' भी हो सकता है, जिसका इलाज स्वयं आप कर सकते हैं, कोई डॉक्टर नहीं।**

- डॉ. रामगोपाल तापड़िया
अमरावती

# मन ही तो नहीं बीमारियों की जड़

मानव शरीर में मन का सर्वप्रमुख स्थान है। मन में आने वाले अनेक विकार जैसे गुस्सा, लोभ, प्रीति, डर, हठ, जिद् आदि ने अपने सीमा का उल्लंघन किया नहीं कि उसका सीधा परिणाम हमारे अपने शरीर पर होता है। उसी तरह मन की इन भावनाओं का परिणाम शारीरिक क्रियाओं पर भी होता है। फिर पाचन प्रक्रिया इस परिणाम से कैसे अपवाद रह सकती है? ऐसे माना जाता है कि किसी के दिल तक जाने का रास्ता उसके पेट से ही गुजर कर जाता है। इसका यह अर्थ हुआ कि किसी का पेट अगर तृप्त हो तो उसके दिल के करीब पहुंचा जा सकता है। इसका तात्पर्य यह हुआ कि मन और पेट (पाचन प्रक्रिया) का करीबी संबंध है। उसे हम अनुभव ही नहीं करते बल्कि उसे अनुभव करने पर भी हम भ्उसे नजरअंदाज कर देते हैं।

## मन का पेट से सीधा संबंध

इस पर गंभीरता से विचार किया जाए तो एक बात यह ध्यान में आएगी कि घर के चार सदस्यों ने एक जैसा ही खाना खाया, फिर दो ही सदस्यों को एसिटीटी की तकलीफ बार-बार क्यों होती है? कुछ अन्य कष्टों की भी यही बात है। जैसे कि बार-बार शौच जाना, मल (संडास) साफ न होना या न होने की भावना बनी रहना, अचानक पहले दस्त होना, भूख न लगना आदि। यह सभी विकार निश्चित ही मन में आने वाले विचार, चिंता, फिक्र, अपेक्षा, नैराश्य आदि परिणाम होते हैं। डर (भय) लगने पर छाती में धक-धक होना, श्वास भरना इस प्रकार के लक्षण हम हमेशा सुनते रहते हैं किंतु मन में बैठे हुए डर से या फिक्र से पतली शौच होना या बार-बार शौच लगना, इस तरह के कुछ लक्षण होते हैं, जो स्पष्ट रूप से बताए नहीं जा सकते हैं।

## सोच बनती परेशानियों का सबब

ऐसा ही कुछ संध्या दीदी को होता था। बार-बार एसिडीटी, शौच साफ न होना, कोई भी स्पष्ट कारण न होते हुए भी अचानक पहले दस्त होना, इन सभी तकलीफ से वह अत्यधिक त्रस्त थी। किसी भी स्त्री (नारी) को अपेक्षित हो ऐसा सारा सुख उसे प्राप्त था। स्वयं की तथा पति की अच्छी नौकरी, दोनों बुद्धिमान बच्चे, मधुर व्यवहार, अच्छे विद्यालय में अध्ययनरत किन्तु...। फिर भी संध्या दीदी सतत चिंता में रहने वाली। इसका मतलब तनाव पर और अत्यधिक तनाव। शांत एवं मधुर स्वभाव वाली संध्या दीदी चुनौती तो स्वीकार कर लेती किंतु यदि किसी तरह की कुछ जिम्मेदारी आ जाए तो दस्त से त्रस्त। जब तक हाथ का कार्य व्यवस्थित रूप से पूर्ण न हो जाए तब तक परेशान व अशांत, बच्चों का परीक्षा का तनाव बच्चों से ज्यादा। समय-बे-समय पर फोन आया तो बात मालूम होने से पहले ही बाथरूम की तरफ जाने के लिए तैयार, इतनी डरी हुई। मैं यह काम करूंगी सब व्यवस्थित होगा या नहीं, जो सामान्य जीवनचर्या है, वह बिगड़ेगी तो नहीं ना। इसी तरह के अनेक विचार उनके मन में कौंध जाते तथा उसका परिणाम उनके शरीर (पाचन प्रक्रिया) पर स्पष्टतः होता था।

## क्या कहती है शोध

हमेशा आने वाले गुस्सों, आवेशपूर्ण विचार, चिंताओं के कारण से जठर ग्रंथियों से आम्ल रस अधिक प्रमाण में निकलता है। इसका पूर्णतः उपयोग न होने से एसिडीटी, छाती की जलन आदि तकलीफें होती हैं, इसीलिए जवाबदारी, चिंता, गुस्सा इन सब के बोझ तले रहने वाले लोगों में एसिडीटी, शौच संबंधी तकलीफें अधिक प्रमाण (मात्रा) में मिलती हैं। हमेशा बनी रहने वाली फिक्र, नैराश्य, विचारों की बहुलता, उदासीनता इन्हीं सब कारणों से भूख नहीं लगती। उसी तरह डर, असमाधान जैसे लक्षणों के साथ पेट में गड्ढा पड़ने जैसा लगना, पेट अंदर गए समान लगना या पेट फुले समान लगना, ऐसे लक्षण अक्सर दिखाई देते हैं। इन समस्याओं को विचारों की नैराश्यता से दूर कर सकते हैं। इन बातों की ओर ध्यान न देकर स्पष्ट रूप से अपनी भावनाओं को व्यक्त कर सकें तो होमिओपैथी उपचार द्वारा इन बीमारियों से हमेशा के लिए छुटकारा पाया जा सकता है।

खुश रहें... खुश रखें...

# हार की संभावना से बचाती है परिवार की ताकत

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

काम नहीं करने के सबके पास अपने-अपने बहाने होते हैं। एक बार मैंने एक महीने के लिए एक प्रयोग किया। जब भी मैं किसी से मिलता था और मुझे लगता था कि ये बहाने बना रहे हैं तो मैं नोट कर लेता था। एक माह बाद मैंने हिसाब लगाया था कि कितने किस्म के बहाने लोग बनाते हैं।

सबसे अधिक बहानों में था, परिवार। उसके बाद समय और उसके बाद स्वास्थ्य। इन्हीं तीनों की आड़ में लोग अपने निकम्मेपन को छिपाते हैं। कई लोगों का तो मानना है कि भौतिक प्रगति में परिवार एक बाधा है। अब तो परिवार इतने सिमट गए हैं कि लोग छोटे को भी बाधा मानते हैं और संयुक्त परिवारों को भी दोष देते हैं। कई लोग अपने पारिवारिक दायित्व के कारण आगे नहीं बढ़ पाते, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि परिवार को दोषी बताया जाए। परिवार को केंद्र में रखकर अपनी प्रगति के क्षेत्र बदले जा सकते हैं।

जैसे देखा जाता है कि बूढ़े माता-पिता या अन्य भाई-बहनों की जिम्मेदारी होने पर कुछ लोग अपने नगर से बाहर नहीं जा पाते और फिर जीवनभर मन ही मन दुखी होते रहते हैं, लेकिन ऐसे भी लोग देखे गए हैं जिन्होंने जिम्मेदारियाँ पूरी निभाई और अपने कॅरियर में आगे भी बढ़े। दरअसल, परिवार को ताकत मानने के लिए परिवार में रहने का तरीका थोड़ा बदलना होगा।

परिवार कमजोर बनता है, जब सदस्यों में अहंकार आ जाता है। एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि हर मनुष्य में कुछ हिस्सा पशुओं का होता है और कभी-कभी वह वैसा आचरण करता भी है। पशु तुल्य होना एक दोष है, लेकिन पशुओं की एक खूबी है कि उनमें 'मैं' नहीं होता। घर में रहते हुए हम इस 'मैं' विहीन पशु-भाव को बनाए रखें। हमारा यह जंगलीपन परिवार को हमारी ताकत बना देगा। जिसके साथ परिवार की ताकत है, उसके हारने की संभावना सदैव कम रहेगी।

## मोरावला

**सामग्री-** 6 आंवले, 1 कटोरी गुड़ (कद्दूकस किया हुआ), 1 चम्मच ईलायची पावडर, 5 लौंग, 3 टुकडे दालचीनी के।

**विधि-**सब से पहले आंवले अच्छे से थोकर सूखे कपड़े से पोंछ लें। अब आंवले के ऊपर सब बाजू से चाकू से या काटा चम्मच से बारीक-बारीक होल कर दें। अब एक पतेले में ये आंवले लें और पतेले को कुकर में रखकर, आंवला को पका लें। पांच सिटी आने दें। गुड़ को कद्दुकस कर लें। अब गरम आंवले में ही गुड़ डालें और अच्छे से मिक्स कर लें। गुड़ पूरी तरह से पिघल जाने के बाद, पतेले को गैस पर रख दें, आंच धीमी रखें। अब इसमें इलायची पावडर, लौंग और दालचीनी डालें। गुड़ की चाशनी गाढ़ी होने तक (2 तार वाली) आंवले को पका लें और फिर गैस की फ्लैम को बंद कर दें। मोरावला ठंडा होने के बाद उसे सूखी कांच की शीशी में भरकर रख दें। रोज सुबह खाली पेट एक मोरावला खाने से गैस की परेशानी दूर होती है और इसमें आर्यन की मात्रा ज्यादा होने के कारण एनीमिया भी दूर होता है।

पुनम राठी, नागपुर
9970057423

# आपका मत करेगा फैसला कौन होंगे
# माहेश्वरी ऑफ द ईयर-2019

विशिष्ट सेवा प्रदान करने वाली विभूतियों का सम्मान वास्तव में एक सामाजिक कर्तव्य ही नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रेरक कार्य भी है, जो भावी पीढ़ी को भी मार्गदर्शित करता है। अपनी परम्परानुसार "श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की उन विभूतियों को नववर्ष में माहेश्वरी ऑफ ईयर 2019 से सम्मानित करेगी, जिन्होंने किसी भी स्तर पर अपना विशिष्ट योगदान दिया है। यह सम्मान वास्तव में ऐसी विभूतियों की सेवाओं का सम्मान तो है ही, साथ ही इस अवसर पर "श्री माहेश्वरी टाईम्स" में प्रकाशित होने वाली उनकी सफलता की कहानी समाज की नई पीढ़ी को कुछ नया और कुछ हटकर करने की प्रेरणा भी देगी, जिस पर समाज व राष्ट्र गर्व कर सकें।

**जो अपने कार्यों से समाज को गौरवान्वित कर रहे हैं, ऐसी विभूतियों को "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" से सम्मानित करना "श्री माहेश्वरी टाईम्स" की अपनी परम्परा है। इस बार भी होगा ऐसी विभूतियों का सम्मान कौन होंगी ये विभूति इसका फैसला करेंगे आप। प्रबुद्ध पाठकों का मत ही होगा निर्णायक।**

## इस बार भी कई क्षेत्रों को सम्मान

श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन के साथ ही अवॉर्ड "माहेश्वरी ऑफ द ईयर" की गरिमामयी शुरुआत भी हुई थी। लगभग 14 वर्ष की सफलता की इस यात्रा में श्री माहेश्वरी टाईम्स समाज की कई शीर्षस्थ हस्तियों को इस सम्मान से सम्मानित कर चुकी है। इसके अंतर्गत प्रतिवर्ष एक ही विभूति को सम्मानित किया जाता था। इससे कई सेवा क्षेत्र की विभूतियाँ सम्मानित होने से वंचित रह जाती थीं। अतः प्रबुद्धजनों के परामर्शानुसार गत 6 वर्ष से इसके स्वरूप को और भी वृहद करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पृथक-पृथक रूप से माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान दिया जाने लगा है। इसी शृंखला में इस बार भी राजनीति, समाज सेवा, शिक्षा, खेल, उद्यम, व्यवसाय, चिकित्सा आदि विभिन्न क्षेत्रों की शीर्ष विभूतियों की सम्मानित किया जाऐगा।

## इस बार भी फैसला आपके हाथ

"श्री माहेश्वरी टाईम्स" अपनी परम्परानुसार पाठकों से इस सम्मान के लिये उनका मत आमंत्रित करती है। यदि आप समाज की किसी भी ऐसी हस्ती को जानते हैं जिन्होंने किसी भी कार्य क्षेत्र में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों से समाज को गौरवान्वित किया है तो उनके नाम का प्रस्ताव संक्षिप्त जानकारी व संपर्क नम्बर के साथ प्रेषित करें। अपना यह प्रस्ताव आप ईमेल द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं। चयन समिति ऐसी विभूतियों में से माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2019 अवॉर्ड के लिये प्रत्याशियों का चयन करेगी। अतः इसमें निर्णायक के रूप में अधिकांश दारोमदार होगा, समाज के उन प्रबुद्ध पाठकों का, जिनके मत हमें प्राप्त होंगे। डाक अथवा ईमेल में सबसे ऊपर माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2019 लिखना न भूलें।

**संपर्क-** 90, विद्यानगर, टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे,
साँवेर रोड, उज्जैन (मप्र)
**दूरभाष :** 0734-2526561, 2526761
**मोबाइल :** 9425091161
**ई मेल :** smt4news@gmail.com




पृथक से प्रति बुक करवाने के लिए शुल्क मात्र (डाक खर्च अतिरिक्त)
अब रिश्ते आयेंगे - आपके द्वार

शीघ्र प्रकाशन की ओर...

श्री माहेश्वरी मेलापक

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

▸▸ बेटियों के बायोडाटा निःशुल्क प्रकाशन ▸▸ कहीं मौका चूक न जाए.
▸▸ उत्कृष्ट बॉयोडाटा व आकर्षक कलेवर ▸▸ आज ही सुरक्षित करवाएँ अपनी प्रति

हाइटेक व प्रोफेशनल युवक-युवतियों की पहली पसन्द

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), इन्दौर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
फोन : 0734-2526561, 2526761, 2513059, 094250-91161
e-mail : srimaheshwarimelapak@gmail..com

# आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया
जोधपुर

## रामराज्य री नई शरुवात

खम्मा घणी सा हुक्म म्हने गर्व है कि मैं उन 133 करोड़ लोगों में एक हूं जिको दुनिया रे देशों रे सामने साम्प्रदायिक प्रेम री मिसाल पेश की है। एक युग री प्रामाणिक नगरी प्रभु श्री राम रे अयोध्या मामले में माननीय उच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) रो ऐतिहासिक फैसलो प्रभु श्रीराम रे भक्तों रे विश्वास रो ही परिणाम है। उन लाखों रामभक्तों ने, कार सेवकों ने बहुत बहुत बधाई जिका आपरो सारो जीवन राम-मंदिर निर्माण रे वास्ते बलिदान कर दियो। यो फैसलों वाणें सच्ची श्रद्धांजलि और पूरे देशवासियों री तरफ सूं वानें कोटि कोटि नमन। सच कहुं हुक्म रामलला री जीत नहीं राम-राज्य री नई शुरुवात हुई है। यों तथ्य आ भी बतावे कि इतिहास सदैव पुनरावृत्ति करे हुक्म, जो देवाला वो हीं लौट ने आवेला। घृणा देवोलां तो घृणा मिळेला और प्रेम देवोंला तो प्रेम। यों निर्णय या भी बतावे कि कित्ता ही बादला आ जावै, सत रे सूरज ने कोई भी घणी देर नहीं ढक सके। सत्य हर काला बादलों ने फाड़ ने पाछो प्रगट हूँ जावे। सत्य री ध्वजा ने भगवान फहरावे हुक्म। सच री राह में मोड़ो हूँ सके पर देर सवेर सच जाहिर हूँने रेवे। कहावत भी है हुक्म 'ईश्वर रे घरे देर है परअंधेर नहीं।'

राम लला रा वकील परासरण जी जो 92 वर्ष में भी कोर्ट में हिंदुओं रा आराध्य भगवान श्रीराम मंदिर वास्ते विरोधी वकीलों रा परखच्चा उड़ा दिया... अदालत में जज साहेब भी कयों' आपरी उम्र अधिक है आप बहस कुर्सी पर बैठ ने ही करों' फिर भी परासरण जी कुर्सी पर नहीं बैठिया और पूरा 40 दिनों तक 92 वर्ष री उम्र में भी श्रीराम भक्तों री आस्था पर अड़िग रियां और फैसलों आपाणे हित हुयों। सारा हिन्दू जनमानस आपरे अथक प्रयास रो सदा ऋणी रेवेला। ए वे लोग है जो अपना ख़्वाब पूरा करण सारू सदैव हौंसले ने ज़िन्दा राखे हुक्म। याणी साधना आपां सब रे वास्ते नज़ीर है हुक्म। यह वो लोग है, याणे आगे तो मुश्किला भी शर्मिंदा हैं।

अयोध्या रो यों मंदिर-मस्जिद रो विवाद सदियों पुराणों थो। भारत में कई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री आया पर कोई भी मन सुं विवाद रो समाधान नहीं कियो... जण भी कुछ निर्णय हुवण लाग्या राजनीति आड़े आयेगी और समाधान ज्यों रा त्यों रह गया।

अब अहम सवाल है कि अब अयोध्या में अदालत री भावना रे अनुरूप मंदिर-मस्जिद बणे... अगर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा यों भी निर्णय आ जावे कि समूचे परिसर ने यूँ बनावें जिनमें सर्वधर्म समभाव नजर आवें...

**हिन्दू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, राम सभी के कहे गुसाईं।**
**अगुन सगुन सब एक राम है, संत महंत सभी यह गाई॥**

एक सन्तुलित न्यायिक निर्णय, समाज में पारस्परिक संतुलन रे साथे पारस्परिक सौहार्द और पारस्परिक स्नेह री आधारशिला भी बण सकें।

# मुलाहिजा फ़रमाइये

▸▸ *ज्योत्सना कोठारी*
*मेरठ*

- मुसाफ़िर के रास्ते बदल रहे
मुक़द्दर में चलना था चलते रहे
- कोई फूल सा हाथ काँधे पर था
और मेरे पाँव शोलो पर चलते रहे
- मेरे रास्ते में उजाला रहा
दीये उस की आँखों के जलते रहे
- वो क्या था जिसे हमने ठुकरा दिया
मग़र उम्र भर हाथ मिलते रहे
- मोहब्बत अदावत वफ़ा और बेरुख़ी
किराये के घर थे बदलते रहे
- सुना है उन्हें भी हवा लग गई
हवाओं के जो रुख़ बदलते रहे
- लिपट के चरागों से वो सो गए
जो फूलों पर करवट बदलते रहे।।

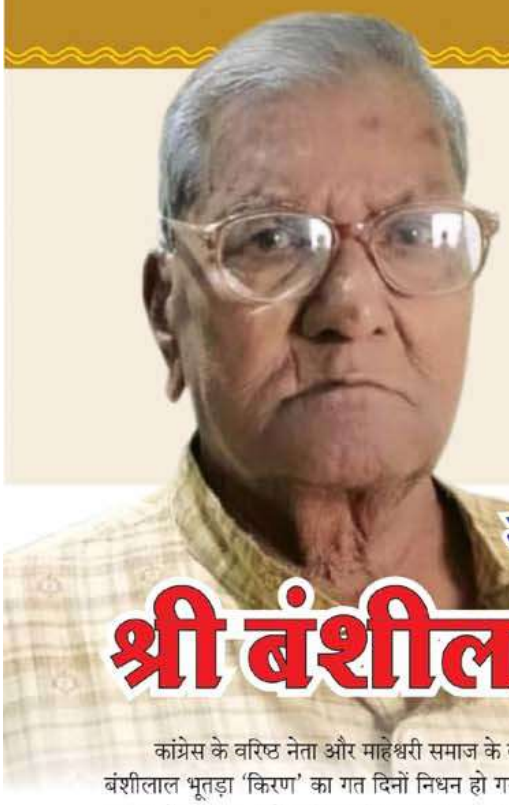

**देश के प्रथम प्रधानंत्री पं. नेहरू के जन्मदिन पर जन्मे समाज में नेहरू की तरह प्रतिष्ठित पथ प्रदर्शक इंदौर निवासी श्री बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' नहीं रहे। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार व समर्पित वरिष्ठ समाजसेवी श्री भूतड़ा के देहावसान की जैसे ही खबर फैली न सिर्फ इंदौर शहर बल्कि प्रदेशभर के राजनीतिक व समाजसेवी क्षेत्रों में शोक की लहर फैल गई।**

## नहीं रहे समाज के पथ-प्रदर्शक

# श्री बंशीलाल भूतड़ा 'किरण'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ समाजसेवी श्री बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' का गत दिनों निधन हो गया। अल्प बीमारी के बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल किया गया था। इससे दो दिन पूर्व भी उनके स्वास्थ्य में दिक्कत के बाद उन्हें यूनिक अस्पताल में दाखिल कराया गया था। इस दिन उन्हें बाम्बे अस्पताल में दाखिल कराया गया। कुछ समय से वे कमजोरी महसूस कर रहे थे। वे अंतिम समय तक सेवा करते रहे, कमजोरी के बावजूद तीन दिन पहले भी उन्होंने समाजसेवा के काम में प्रयास किए थे।

### हर तरफ शोक की लहर

शहर कांग्रेस के प्रमोद टंडन, विनय बाकलीवाल, राजेश चौकसे ने बताया कि मंत्री सज्जसिंह वर्मा, तुलसी सिलावट, जीतू पटवारी ने भी श्री किरण के निधन पर शोक व्यक्त किया। वहीं माहेश्वरी समाज के राजेश मूंगड़, कमल लड्ढा, विजय लड्ढा, मधुसूदन भलिका, रामेश्वरलाल असावा, कल्याण मंत्री, बसंत खटोड़, शैलेष मूंदड़ा, महेश तोतला, रूपेश भूतड़ा, पुष्प माहेश्वरी, गोपाल न्याती, ओमप्रकाश गगरानी, शैलेंद्र भैया, सुधीर तोषनीवाल, अजय सोढानी, सत्यनारायण बाहेती, बलदेवदास जाजू, मुकेश सारडा, रमेशचंद डाढ, सुरेशचंद राठी, गोपाल मानधन्या, सागरमल खटौड़ सहित सैकड़ों समाजजनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

### अंतिम इच्छानुसार नेत्रदान

श्री किरण के निधन के बाद पुत्र नीलेश भूतड़ा 'पप्पू' ने परिजनों की सलाह के बाद श्री किरण की अनुभवी आंखों का नेत्रदान करने का संकल्प लिया। इसके लिए इंटरनेशनल आय बैंक परिवार को नेत्रों के दोनों मोती दो अन्य आंखों की ज्योति के लिए दान किए गए।

### पं. नेहरू से रहा जीवन प्रभावित

जावद जिला नीमच में श्री मदनलाल भूतड़ा एवं श्रीमती बद्रीबाई के यहां पं. नेहरू के जन्म दिवस 14 नवंबर 1938 पर जन्मे श्री भूतड़ा ने प्राथमिक शिक्षा जावद में प्राप्त कर शेष शिक्षा इंदौर में पूरी की। राष्ट्रीय विचारों के धनी पिता का प्रभाव श्री भूतड़ा पर बचपन से ही दिखाई देने लगा था। इसके साथ ही पं. नेहरू का भी उनके व्यक्तित्व पर विशेष प्रभाव था। इसी के चलते आप स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। स्वतंत्रता संग्राम में महती भूमिका निभाने के बावजूद देश आजाद होने के बाद आपने स्वतंत्रता सेनानी का खिताब लेने से इंकार कर दिया। सन् 1954 से आप कांग्रेस से जुड़े रहे। कांग्रेस सेवादल के माध्यम से एसएन सुब्बाराव के साथ भी आपने निःस्वार्थ भाव से कार्य किया।

### समाज के प्रति सदैव समर्पित

सन् 1960 से आप सक्रिय रूप से समाज की सेवा करते रहे। आप माहेश्वरी समाज के 16 साल तक प्रचार मंत्री रहे। 16 साल तक अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मंडल सदस्य रहे। वर्ष 1978-79 में मप्र पश्चिमांचल माहेश्वरी सभा का गठन हुआ, तब से लंबे समय तक संगठन मंत्री के पद को सुभोभित करते रहे। सन् 1982-85 में महामंत्री रहे। आपने स्थानीय निकाय व विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उम्र के इस पड़ाव पर भी वे समाजसेवा में अपना योगदान देने में पीछे नहीं थे। शारीरिक असमर्थता भी उनकी समाजसेवी भावनाओं के सामने नतमस्तक थीं।

### लेखनी से भी सतत मार्गदर्शन

बच्चों से विशेष लगाव होने के कारण वर्ष 1958 में सांठा बाजार इंदौर से प्रकाशित होने वाले 'नवप्रभात अखबार' में आपने बाल स्तंभ लेखन से पत्रकारिता की शुरुआत की। इसके बाद दैनिक जागरण, इंदौर समाचार, लेखा-जोखा, मालवा समाचार आदि में भी आप लिखते रहे। नवभारत से आप पिछले 15 सालों से जुड़े। समाज की पत्र-पत्रिकाओं के लिए भी आप लेखन करने के साथ मार्गदर्शक की भूमिका निभाते रहे। परिचय सम्मेलनों के प्रति जनजागृति लाने में आपने विशेष योगदान दिया। 20 फरवरी 1958 को आपका विवाह घाटा बिल्लौद निवासी श्री मांगीलाल नुवाल की सुपुत्री प्रेमलता देवी से हुआ था। आपके परिवार में एक पुत्र व दो पुत्रियां हैं। आपके पुत्र नीलेश भूतड़ा का श्रीनाथ सफर सेवा संस्थान के नाम से कारोबार है।

# संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

## मेष

यह माह आपको अभिष्ट कार्यों में सफलता प्रदान करेगा। अचानक बड़ा काम करेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ, नौकरी मिलने के योग, लंबी यात्रा होगी। परिवार से दूर जाना पड़ेगा। नये-नये लोगों से परिचय होगा। पिता पक्ष की अनुकूलता रहेगी, शुभ समाचार मिलेंगे। संतान की प्रगति से मन प्रसन्न रहेगा। शुभ समाचार, धन लाभ, विवाह संबंध होगा। मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। रुका धन मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।

## वृषभ

यह माह आपके लिये अनुकूल फलदायक रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। भौतिक सुख-सुविधा पर व्यय करेंगे। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी एवं नौकरी में पद प्रतिष्ठा एवं पदोन्नति के योग रहेंगे। इस अवधि में स्थायी सम्पत्ति में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलेगी। लंबी यात्रा का आनंद उठाएंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। प्रियजनों से भेंट होगी। क्रोध पर नियंत्रण करना आवश्यक रहेगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी।

## मिथुन

यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। स्थान परिवर्तन, व्यर्थ के विवाद से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मान-सम्मान-यश-सुख एवं समृद्धि बढ़ेगी। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। रुके कार्य बना लेंगे। शत्रु परास्त होंगे। सामाजिक कार्य करेंगे। भाइयों से अनबन बनी रहेगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। खर्च बढ़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम बना रहेगा।

## कर्क

यह माह आपके लिये अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। मांगलिक कार्यों पर व्यय करेंगे। परीक्षा में सफलता मिलेगी। मेहमान के आगमन से खुशी मिलेगी। मनोकामना पूर्ण होगी। आमोद-प्रमोद के साधन बनेंगे। विरोधी हानि, पहुंचाने का प्रयास करेंगे। न्यायालीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। मित्रों से मतभेद बने रहेंगे। कठिन परिश्रम के बाद सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी से लाभ होगा। लंबी यात्रा होगी। भौतिक सुख साधनों में बढ़ोत्तरी होगी। व्यापार से लाभ एवं वृद्धि होगी।

## सिंह

इस माह मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा होगी। सरकारी क्षेत्र में लाभ, प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिलेगी। मित्रों के कारण नई योजनाऐं बनेगी एवं लाभ भी मिलेगा। संतान की उन्नति से मन खुश होगा। रुके कार्य पूर्ण होंगे। भाग-दौड़ अधिक होगी। पारिवारिक सुख में कमी आऐगी। सम्पत्ति विवाद बढ़ेगा। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न होगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। अपनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। किसी पर भी भरोसा न करें। विरोधी सक्रिय होंगे। लक्ष्य पूर्ण हो ने से खुशी होगी।

## कन्या

इस माह पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न होगा। संतान एवं जीवन साथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। पिता से वैचारिक मतभेद एवं गृहक्लेश से मन अशांत रहेगा। नौकरी में उन्नति, कार्य से लाभ, खर्च बढ़ेगा। व्यापार में स्थिति सामान्य रहेगी। सुख समृद्धि बढ़ेगी। भागदौड़ अधिक रहेगी। घर में मांगलिक कार्य होंगे। मित्र की सहायता से धन लाभ, यात्रा होगी। अमोद-प्रमोद संग समय बीतेगा। शत्रु से सतर्कता बनाये रखें। नौकरी में तबादला होने की संभावना रहेगी।

## तुला

यह माह आपको बिगड़े कार्य पूर्ण करने वाला होगा। मेहमान का आगमन होगा। शुभ समाचार मिलेंगे। परिवार में शुभ एवं मांगलिक कार्य, विवाह संबंध होगा। विद्यार्थी को कड़ी मेहतन करने पर सफलता मिलने के योग, पदोन्नति होगी, नवीन योजना बनाएंगे एवं उसका क्रियान्वयन में लग जाऐंगे। संतान के कार्य बनेंगे। परिवारजनों का स्नेह सहयोग प्राप्त होगा। परिवार की सम्पत्ति में वृद्धि होगी।

## वृश्चिक

यह माह आपको खुशी प्रदान करने वाला होगा। जीवन साथी से मतान्तर होगा। आय में वृद्धि होगी। लॉटरी लगेगी, रुका पैसा प्राप्त होगा। सरकारी कार्य आसानी से पूर्ण होगा। कोर्ट, न्यायालय में विजय होगी। मकान सुख, वाहन सुख की प्राप्ति होगी। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। उत्तरार्द्ध में मन प्रसन्न होगा। शुभ कार्य होंगे। किसी पर विश्वास नहीं करें। दुश्मन योजना तो बनायेंगे किन्तु वे सफल नहीं हो पायेंगे। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

## धनु

यह माह आपके लिए पारिवारिक सुख प्रदान करने वाला होगा। संतान सुख मिलेगा। पिछले वर्षों से रुके हुए कार्य पूर्ण होते नजर आएंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्य, विवाह-संबंध के योग रहें। शत्रु आपके नाम से घबराएंगे। विजय मिलेगी, पुराने मित्र से भेंट होगी। यात्रा के सुअवसर मिलेंगे। प्रेम प्रसंग के योग रहेंगे। कर्ज के माध्यम से सम्पत्ति का निर्माण होगा। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। खर्च की अधिकता रहेगी किन्तु आय में वृद्धि होने से पूर्ति हो जावेगी।

## मकर

यह माह आपके लिए मिश्रित फल प्रदान करने वाला होगा। आपके प्रभाव एवं अधिकारों में वृद्धि मिलेगी। राजकीय पक्ष से लाभ मिलेगा। बच्चों एवं जीवन साथी से मतान्तर रहेंगे। अचानक लंबी यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। कार्य की अधिकता रहेगी, जिसके कारण मानसिक तनाव रहेगा। बिना विचारे किसी पर भी विश्वास नहीं करें, नहीं तो हानि-परेशानी का सामना करना पड़ेगा। बुजुर्गों के

## कुम्भ

यह माह आपको विशिष्ट फल प्रदान करने वाला रहेगा। पुराने मित्रों से भेंट होगी। विवाह समारोह में भाग लेंगे। लंबी धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। परिवार में भी मांगलिक प्रसंग होगा। विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। विद्यार्थी को शिक्षा में अनुकूलता मिलेगी। व्यापार व्यवसाय मध्यम रहेगा, किंतु आवश्यक धन लाभ होगा। संतान के रुके कार्य पूर्ण होंगे। शुभ समाचार मिलेंगे। स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों का निपटारा होगा। विशिष्टजनों से भेंट होगी।

## मीन

यह माह आपको विशेष प्रकार की खुशियाँ प्रदान करने वाला होगा। कई दिनों से रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा। आय के नवीन साधनों की प्राप्ति होगी। नौकरी में पदोन्नति, पद-प्रतिष्ठा मिलेगी। स्थान परिवर्तन होगा। मौज-मस्ती एवं लंबी धार्मिक यात्रा के योग रहेंगे। संतान प्राप्ति के योग रहेंगे। जान-पहचान का क्षेत्र बढ़ेगा। उधारी से बचें। साझेदारी, जमानत का कार्य सोच-समझकर ही करें। भाई एवं परिवारजनों का स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा।

शुभकामनाओं सहित...!

**पद्मश्री बंशीलाल राठी**

पूर्व सभापति
अ.भा. माहेश्वरी महासभा

# GBR Metals Private Ltd.

**Manufacturers of M.S. Ingots & TMT Bars**

**Regd. Office-**
#4, Ramanan Road, Chennai - 600 079
Ph. : 25292644, 25292151,
Fax : 2591095
E-mail : myco@eth.net

**Factory-**
#295, G.N.T. Road, Peravallur Village,
Ponneri - 601204 (T.N.)
Ph. : 27984719, 27984729,
Fax : 27984729

Reaching 7500 villages, 9 million people.
Over 100 million Polio vaccinations.
5,000 medical camps / 20 hospitals:

1 million patients treated. 100,000 persons tested on 32 health parameters through Health Cubed. Over 50 deaf and mute children moved from the world of silence to the sound of music through the cochlear implant. More than 6,600 persons had their vision restored through the Vision Foundation of India.

**EDUCATION**

Our 56 schools accord quality education to 46,500 students. Mid-day meals provided to 74,000 children. Solar lamps given to 4.5 lakh children in the hinterland. Fostering the cause of the girl child through 40 Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas.

**SUSTAINABLE LIVELIHOODS**

100,000 people trained in skill sets. 45,000 women empowered through 4500 SHGs. 200,000 farmers on board our agro-based training projects.

**MODEL VILLAGES**

We have adopted 300 villages for transformation into model villages. Of these over 90 villages have already reached the model village stature. And much more is being done through the Aditya Birla Centre for Community Initiatives and Rural Development, spear-headed by Mrs. Rajashree Birla.

Because we care.

**NUMBERS MEAN A LOT**
**BUT A SMILE MEANS EVERYTHING!**

ADITYA BIRLA GROUP

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Dae - 02 December, 2019

If Undelivered Please Return To
**SRI MAHESHWARI TIMES**
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah)
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. : 0734-2526561, 2526761 , Mo. : 94250-91161
E-mail : smt4news@gmail.com